Website : www.mantrabharat.com

जुनून है सच लिखने का

E-Mail : mantrabharatmumbai@gmail.com, Mo. 7007837917

मंत्र भारत

हिन्दी दैनिक

संस्करण : मुंबई
वर्ष : 11
अंक : 03
पृष्ठ : 8
मूल्य : 2.00
शनिवार, 10 जनवरी, 2026

मुंबई, लखनऊ, प्रयागराज एवं ग्वालियर से एक साथ प्रकाशित एवं ठाणे, नवी मुम्बई, पालघर, नासिक एवं पुणे से प्रसारित

बॉम्बे हाई कोर्ट ने खारिज कि बीएमसीचुनाव से संबंधित याचिका, NOC विवाद में उम्मीदवार नहीं थे याचिकाकर्ता

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

बॉम्बे हाई कोर्ट ने शुक्रवार को सामाजिक कार्यकर्ता मोजम अली मीर की याचिका खारिज कर दी। याचिका में आरोप था कि मुंबई नगर निगम (बीएमसी) के 15 जनवरी को होने वाले चुनावों के लिए जमा किए गए कई नामांकन फॉर्मों को चुनाव अधिकारियों ने छोटी-छोटी तकनीकी गलतियों के आधार पर खारिज कर दिया। याचिका की सुनवाई बॉम्बे हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश श्री चंद्रशेखर की अध्यक्षता वाली बेंच ने की।

अदालत ने याचिका खारिज कर दी क्योंकि याचिकाकर्ता स्वयं चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार नहीं थे और उनका इस मामले में कोई अधिकार नहीं था। बता दें कि याचिका में कहा गया था कि नामांकन फॉर्म जमा करने के लिए कई नो ऑब्जेक्शन सर्टिफिकेट (एनओसी) मांगे गए, जो कि राज्य चुनाव आयोग की

आधिकारिक सूची में शामिल नहीं थे।

याचिका में लगाए गए अन्य भी कई आरोप

साथ ही याचिका में आरोप लगाया गया कि बीएमसी के 227 वार्डों में रिटर्निंग ऑफिसर (आरओ) ने हजारों उम्मीदवारों को गैरकानूनी और तकनीकी कारणों से चुनाव से बाहर किया, जिससे सत्ताधारी पार्टी को लाभ मिला।कैंडिडेट्स से जल विभाग, संपत्ति कर, भवन कानूनी अनुमति और पुलिस क्लियरेंस सर्टिफिकेट (पीसीसी) के एनओसी मांगे गए।

याचिका में मीर ने कहा कि चूंकि ये विभाग नगर निगम के अधीन हैं, इसलिए एनओसी देने में विलंब या रोक कर विपक्ष और स्वतंत्र उम्मीदवारों की राह मुश्किल बनाई गई। वहीं मुंबई नगर आयुक्त और जिला चुनाव अधिकारी के वकील जोएल कार्लोस ने अदालत को बताया कि मीर चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार नहीं हैं, इसलिए उनका इस मामले में कोई अधिकार नहीं है। उन्होंने याचिका को खारिज करने की मांग की। अदालत ने वकील की दलीलों को सही मानते हुए याचिका खारिज कर दी। नामांकन दाखिल करने की अंतिम तारीख 30 दिसंबर थी।

मकर संक्रांति एवं होली पर्व के अवसर पर रेलवे द्वारा कलबुर्गी-बेंगलुरु कैंट. विशेष ट्रेनों की सेवाएं सप्ताहांत में अतिरिक्त 16 फेरों के लिए बढ़ाई जाएंगी

सोलापुर मंडल के अंतर्गत कलबुर्गी एवं शाहाबाद स्टेशनों पर होगा ठहराव

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

मकर संक्रांति एवं होली पर्व के अवसर पर यात्रियों की बढ़ती मांग को ध्यान में रखते हुए रेलवे द्वारा कलबुर्गी और बेंगलुरु कैंट. के बीच सप्ताहांत में चलने वाली विशेष ट्रेनों की सेवाओं को नीचे दिए गए विवरण के अनुसार अतिरिक्त 16 फेरों के लिए जारी रखने का निर्णय लिया गया है:

कलबुर्गी-बेंगलुरु कैंट. साप्ताहिक विशेष ट्रेनें (16 फेरे)

गाड़ी संख्या 06207 बेंगलुरु कैंट.-कलबुर्गी साप्ताहिक विशेष ट्रेन, जिसे पहले दिनांक 27.12.2025 तक चलाने की घोषणा की गई थी, अब यह ट्रेन 28.02.2026 तक प्रत्येक शनिवार को चलती रहेगी। (कुल 8 फेरे)

गाड़ी संख्या 06208 कलबुर्गी-बेंगलुरु कैंट. साप्ताहिक विशेष ट्रेन, जिसे पहले दिनांक 28.12.2025 तक चलाने की घोषणा की गई थी, अब यह ट्रेन 01.03.2026 तक प्रत्येक रविवार को चलती रहेगी। (कुल 8 फेरे)

उपरोक्त विशेष ट्रेनों की संरचना एवं ठहराव में कोई परिवर्तन नहीं किया गया है।

ये विशेष ट्रेनें मध्य रेलवे के सोलापुर मंडल अंतर्गत निम्नलिखित दो स्टेशनों पर ठहरेंगी:

कलबुर्गी एवं शाहाबाद

आरक्षण एवं टिकट बुकिंग

विशेष ट्रेनों के लिए विशेष शुल्क सहित आरक्षण की सुविधा सभी कम्प्यूटरीकृत आरक्षण केंद्रों तथा www.irctc.co.in वेबसाइट पर उपलब्ध रहेगी।

अनारक्षित कोचों के लिए टिकट बुकिंग स्टेशन स्थित बुकिंग काउंटरों एवं ळऊए मोबाइल ऐप के माध्यम से भी की जा सकती है। यात्रियों से अनुरोध है कि किसी भी असुविधा से बचने के लिए वैध टिकट के साथ ही यात्रा करें। इन विशेष ट्रेनों के ठहरावों एवं विस्तृत समय-सारिणी की जानकारी के लिए कृपया www.enquiry.indianrail.gov.in पर विज़िट करें अथवा ग्त्ध्हा या ऊएं ऐप डाउनलोड करें।

रेलवे सुरक्षा आयुक्त, सेंट्रल सर्कल द्वारा भुसावल मंडल का निरीक्षण

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

रेलवे सुरक्षा आयुक्त, सेंट्रल सर्कल, मनोज अरोरा द्वारा दिनांक 08.01.2026 को मध्य रेल के भुसावल मंडल का विस्तृत निरीक्षण किया गया। इस दौरान उन्होंने मंडल के विभिन्न महत्वपूर्ण संरक्षा एवं परिचालन से संबंधित प्रतिष्ठानों का गहन अवलोकन किया।

निरीक्षण के अंतर्गत अरोरा द्वारा आरओएच डेपो, न्यू ओआरएच तथा फिल्टर प्लांट का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने संरक्षा मानकों, रखरखाव की स्थिति तथा कार्यप्रणाली की समीक्षा की और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए।

इसके उपरांत मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय में मंडल के सभी शाखा अधिकारियों के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में मंडल की समग्र संरक्षा व्यवस्था की समीक्षा की गई तथा संरक्षा से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर विस्तार से चर्चा की गई। रेलवे परिचालन को और अधिक सुरक्षित एवं सुदृढ़ बनाने हेतु आवश्यक सुझाव एवं

सुधारात्मक उपायों पर भी विचार-विमर्श किया गया। इस अवसर पर मंडल रेल प्रबंधक पुनीत अग्रवाल, अपर मंडल रेल प्रबंधक (तकनीकी)एम. के. मीना सहित मंडल के सभी वरिष्ठ शाखा अधिकारी उपस्थित रहे।

बदलापुर में प्लेटफॉर्म विस्तार कार्य हेतु फुट ओवर ब्रिज हटाने, कल्याण-बदलापुर के बीच प्रस्तावित तीसरी एवं चौथी रेल लाइन तथा फुट ओवर ब्रिज क्रमांक 1 एवं 2 के लिए गर्डर स्थापित करने हेतु विशेष यातायात एवं विद्युत अवरोध

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

मध्य रेल, मुंबई मंडल द्वारा बदलापुर स्टेशन पर 15 डिब्बों वाली लोकल ट्रेनों के लिए प्लेटफॉर्म क्रमांक 2 के विस्तार कार्य हेतु फुट ओवर ब्रिज हटाने, चिकलोली में फुट ओवर ब्रिज क्रमांक 1 एवं 2 के लिए गर्डर स्थापित करने तथा कल्याण-बदलापुर स्टेशनों के बीच प्रस्तावित तीसरी एवं चौथी रेल लाइन के कार्य के संबंध में 10/11.01.2026 एवं 11/12.01.2026 की रात्रि में विशेष यातायात एवं विद्युत अवरोध लिया जाएगा।

अवरोध की तिथि, अवधि एवं खंड

अवरोध-1: 10/11.01.2026 (शनिवार-रविवार रात्रि) 00.00 बजे से 05.00 बजे तक अंबरनाथ एवं वंगानी स्टेशनों के बीच अप एवं डाउन लाइन पर।

अवरोध-2: 10/11.01.2026 (शनिवार-रविवार रात्रि) 01.30 बजे से 04.00 बजे तक अंबरनाथ एवं बदलापुर स्टेशनों के बीच अप एवं डाउन लाइन पर।

अवरोध-2 (छाया अवरोध): 10/11.01.2026 (शनिवार-रविवार रात्रि) 02.00 बजे से 03.00 बजे तक कल्याण एवं अंबरनाथ स्टेशनों के बीच अप एवं डाउन लाइन पर।

अवरोध-3: 11/12.01.2026 (रविवार-सोमवार रात्रि) 01.45 बजे से 03.15 बजे तक अंबरनाथ एवं बदलापुर स्टेशनों के बीच अप एवं डाउन लाइन पर।

अवरोध के कारण होने वाले प्रभाव

अप दिशा की मेल/एक्सप्रेस ट्रेनों का मार्ग परिवर्तन

निम्नलिखित ट्रेनों को कर्जत-पनवेल-दिवा मार्ग से परिवर्तित किया जाएगा तथा ये ट्रेनें अपने गंतव्य पर 10 से 20 मिनट की देरी से पहुँचेंगी।

गाड़ी संख्या 11020 भुवनेश्वर-छत्रपती शिवाजी महाराज टर्मिनस कोणार्क एक्सप्रेस, जो 10/11.01.2026 (शनिवार-रविवार रात्रि) एवं 11/12.01.2026 (रविवार-सोमवार रात्रि) को आएगी।

गाड़ी संख्या 18519 विशाखापत्तनम-लोकमान्य तिलक टर्मिनस एक्सप्रेस, जो 10/11.01.2026 (शनिवार-रविवार रात्रि) एवं 11/12.01.2026 (रविवार-सोमवार रात्रि) को आएगी।

गाड़ी संख्या 12702 हैदराबाद-छत्रपती शिवाजी महाराज टर्मिनस एक्सप्रेस, जो 10/11.01.2026 (शनिवार-रविवार रात्रि) को आएगी।

गाड़ी संख्या 11140 होसपेटे-छत्रपती शिवाजी महाराज टर्मिनस एक्सप्रेस, जो 10/11.01.2026 (शनिवार-रविवार रात्रि) को आएगी।

जिन ट्रेनों का कल्याण स्टेशन पर निर्धारित ठहराव है, उन ट्रेनों को यात्रियों के चढ़ने एवं उतरने की सुविधा हेतु पनवेल तथा ठाणे स्टेशनों पर ठहराव दिया जाएगा।

परिचालन आवश्यकताओं के अनुसार विलंबित मेल, एक्सप्रेस एवं अवकाश विशेष ट्रेनों का मार्ग परिवर्तन किया जा सकता है।

अवरोध अवधि के दौरान उपनगरीय ट्रेनों का संचालन

अवरोध अवधि के दौरान अंबरनाथ एवं वंगानी स्टेशनों के बीच उपनगरीय सेवाएँ उपलब्ध नहीं रहेंगी।

बीएल 61 छत्रपती शिवाजी महाराज टर्मिनस-बदलापुर लोकल, जो छत्रपती शिवाजी महाराज टर्मिनस से 23.51 बजे प्रस्थान करती है, केवल 10/11.01.2026 को रद्द रहेगी।

टीबीएल 4 बदलापुर-ठाणे लोकल, जो बदलापुर से 23.04 बजे प्रस्थान करती है, केवल 10/11.01.2026 को रद्द रहेगी।

एस 1 छत्रपती शिवाजी महाराज टर्मिनस-कर्जत लोकल, जो छत्रपती शिवाजी महाराज टर्मिनस से 00.12 बजे प्रस्थान करती है, अंबरनाथ स्टेशन पर अल्पकालिक समापन की जाएगी।

एस 2 कर्जत-छत्रपती शिवाजी महाराज टर्मिनस लोकल, जो कर्जत से 02.30 बजे प्रस्थान करती है, अंबरनाथ स्टेशन से 03.10 बजे अल्पकालिक प्रारंभ की जाएगी।

अंतिम एवं प्रथम लोकल सेवा

अवरोध से पूर्व अंतिम लोकल छत्रपती शिवाजी महाराज टर्मिनस-कर्जत लोकल होगी, जो छत्रपती शिवाजी महाराज टर्मिनस से 23.30 बजे प्रस्थान करेगी।

छत्रपती शिवाजी महाराज टर्मिनस के लिए अवरोध से पूर्व अंतिम लोकल बदलापुर-छत्रपती शिवाजी महाराज टर्मिनस लोकल होगी, जो बदलापुर से 23.29 बजे प्रस्थान करेगी।

अवरोध के पश्चात प्रथम लोकल ठाणे-कर्जत लोकल होगी, जो ठाणे से 05.00 बजे प्रस्थान करेगी।

छत्रपती शिवाजी महाराज टर्मिनस के लिए अवरोध के पश्चात प्रथम लोकल कर्जत-छत्रपती शिवाजी महाराज टर्मिनस लोकल होगी, जो कर्जत से 03.35 बजे प्रस्थान करेगी।

ये अवरोध रेल अवसंरचना के रखरखाव एवं सुरक्षा के लिए आवश्यक हैं। यात्रियों से अनुरोध है कि होने वाली असुविधा के लिए रेलवे प्रशासन का सहयोग करें।

तमिलनाडु स्थित पेरियार विश्वविद्यालय के कुलपति द्वारा ऐरोली स्थित डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर ज्ञान स्मारक की सराहना

दिव्यांश

नवी मुंबई महानगरपालिका के ऐरोली स्थित भारत रत्न डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर ज्ञान स्मारक को बाबासाहेब के प्रेरणादायी विचारों को व्यापक मंच उपलब्ध कराने वाले स्मारक के रूप में देश-विदेश के प्रतिष्ठित व्यक्तियों तथा नागरिकों द्वारा सराहा जा रहा है। इस स्मारक में प्रतिदिन बड़ी संख्या में नागरिक एवं पर्यटक दर्शन हेतु आते हैं।

तमिलनाडु स्थित पेरियार मणियम्मई विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान (अभिमत विश्वविद्यालय) के कुलपति डॉ. के. वीरमणी ने स्मारक का दौरा कर यहां के विविध दालानों, उनकी प्रस्तुति तथा उनमें संजोई गई कलात्मकता की हृदय

से प्रशंसा की। स्मारक का समृद्ध पुस्तकालय शोधकर्ताओं के लिए सूचना एवं ज्ञान का खजाना है तथा यहां के दुर्लभ छायाचित्र संग्रहालय में बाबासाहेब के जीवन-चरित्र को देखकर वे अत्यंत भावविभोर हो गए, ऐसा उन्होंने व्यक्त किया।

महत्वपूर्ण यह कि यह स्मारक अत्यंत विचारपूर्वक डिजाइन किया गया, सुव्यवस्थित, आकर्षक प्रस्तुति वाला तथा शैक्षणिक दृष्टि से प्रभावशाली है, ऐसा उन्होंने कहा। उन्होंने यह भी अवलोकन दर्ज किया कि यह स्मारक डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर के जीवन, संवैधानिक दृष्टि तथा सामाजिक न्याय के संदेश को प्रत्येक व्यक्ति तक प्रभावी रूप से पहुंचाने का महत्वपूर्ण कार्य करता है, साथ ही वर्तमान एवं भावी पीढ़ियों को संवेदनशील बनाने में भी इसकी महत्वपूर्ण भूमिका दिखाई देती है। इस अवसर पर कुलपति डॉ. के. वीरमणी ने स्मारक के प्रति अपनी भावनाएं एवं शुभेच्छाएं हृदय से व्यक्त करते हुए कहा कि इससे आयुक्त की दूरदृष्टि तथा समानता के मूल्यों को संजोने की प्रतिबद्धता परिलक्षित होती है। उन्होंने स्मारक के साथ संयुक्त उपक्रमों एवं कार्यक्रमों के माध्यम से शैक्षणिक तथा विश्वविद्यालयीय सहयोग बढ़ाने की इच्छा भी व्यक्त की।

गाड़ी संख्या 01053 देवलाली - दानापुर शेतकरी समृद्धि विशेष गाड़ी शनिवार को देवलाली स्टेशन की जगह नासिक रोड स्टेशन से प्रस्थान करेगी

भुसावल मंडल के देवलाली स्टेशन परिसर में कुंभमेले के मद्देनज़र चल रहे विभिन्न विकासात्मक एवं रखरखाव कार्यों के कारण, गाड़ी संख्या 01053 देवलाली - दानापुर शेतकरी समृद्धी विशेष गाड़ी दिनांक 10.01.2026 को देवलाली स्टेशन के बजाय नासिक रोड स्टेशन से अपने निर्धारित समय पर प्रस्थान करेगी। यात्रियों से अनुरोध है कि वे अपनी यात्रा की योजना बनाते समय इस अस्थायी परिवर्तन को ध्यान में रखें तथा किसी भी असुविधा से बचने के लिए समय से पूर्व नासिक रोड स्टेशन पर उपस्थित रहें।

मध्य रेल पर मेगा ब्लॉक

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

मध्य रेल, मुंबई मंडल दिनांक 11.01.2026 को अपने उपनगरीय खंडों पर विभिन्न इंजीनियरिंग और रखरखाव कार्यों के लिए निम्नानुसार मेगा ब्लॉक संचालित करेगा:

मेन लाइन पर ब्लॉक

सीएसएमटी मुंबई और विद्याविहार के बीच सुबह 10.55 बजे से दोपहर 15.55 बजे तक अप और डाउन स्लो लाइनें

सीएसएमटी मुंबई से सुबह 10.48 बजे से दोपहर 15.45 बजे तक प्रस्थान करने वाली डाउन स्लो सेवाएं सीएसएमटी मुंबई और विद्याविहार स्टेशनों के बीच डाउन फास्ट लाइन पर डायवर्ट की जाएँगी और भायखला, परेल, दादर, माटुंगा, सायन और कुर्ला स्टेशनों पर रुकेंगी और पुनः विद्याविहार स्टेशन पर डाउन स्लो लाइन पर डायवर्ट की जाएँगी।

घाटकोपर से सुबह 10.19 बजे से दोपहर 15.52 बजे तक प्रस्थान करने वाली अप स्लो ट्रेन सेवाएं विद्याविहार और सीएसएमटी मुंबई स्टेशनों के बीच अप फास्ट लाइन पर डायवर्ट की जाएँगी और कुर्ला, सायन, माटुंगा, दादर, परेल और भायखला स्टेशनों पर रुकेंगी।

ट्रांस-हार्बर लाइन पर ब्लॉक:

ठाणे और वाशी/नेरुल स्टेशनों के बीच अप और डाउन ट्रांस-हार्बर लाइन की ट्रेनें 11:10 बजे से 16:10 बजे तक

ब्लॉक अवधि के दौरान वाशी/नेरुल और ठाणे स्टेशनों के बीच अप और डाउन ट्रांस-हार्बर लाइन की ट्रेनें निलंबित रहेंगी।

ठाणे से वाशी/नेरुल/पनवेल जाने वाली डाउन लाइन की ट्रेनें सुबह 10:35 बजे से शाम 16:07 बजे तक और पनवेल/नेरुल/वाशी से ठाणे जाने वाली अप लाइन की सेवाएं सुबह 10:25 बजे से शाम 16:09 बजे तक निलंबित रहेंगी

बुनियादी ढांचे के रखरखाव और संरक्षा के लिए ये मेगा ब्लॉक आवश्यक हैं। यात्रियों से अनुरोध है की इससे होने वाली असुविधा के लिए सहयोग करें।

कांदिवली-बोरीवली सेक्शन पर छठी लाइन के कार्य के संबंध में पश्चिम रेलवे का मेजर ब्लॉक

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

पश्चिम रेलवे द्वारा कांदिवली और बोरीवली सेक्शन के बीच छठी लाइन के निर्माण कार्य को पूरा करने के लिए 20/21 दिसंबर, 2025 की रात से 30 दिनों का ब्लॉक लिया जा रहा है, जो 18 जनवरी, 2026 तक जारी रहेगा। इस ब्लॉक के कारण पश्चिम रेलवे की कुछ ट्रेन सेवाएं प्रभावित होंगी।

पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी विनीत अभिषेक द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, उपर्युक्त कार्य के संबंध में कांदिवली स्थित कार शेड लाइन पर प्वाइंट नंबर 104 को हटाने हेतु 11/12 जनवरी, 2026 की रात्रि में एक मेजर ब्लॉक लिया जाएगा। यह ब्लॉक अप फास्ट लाइन पर 23:15 बजे से 03:15 बजे तक तथा डाउन फास्ट लाइन पर 01:00 बजे से 04:30 बजे तक रहेगा।

इसके अतिरिक्त, 12/13 जनवरी, 2026 को कांदिवली में क्रॉसओवर 101/102/103/104 को जोड़ने के लिए एक मेजर ब्लॉक लिया जाएगा। यह ब्लॉक अप फास्ट लाइन पर 23:15 बजे से 03:15 बजे तक और डाउन फास्ट लाइन पर 01:00 बजे से 04:30 बजे तक कांदिवली और मालाड के बीच लागू रहेगा।

उपर्युक्त ब्लॉकों, पांचवीं लाइन के निलंबन तथा गति प्रतिबंध लगाए जाने के कारण कुछ उपनगरीय सेवाएं निरस्त रहेंगी। ब्लॉक के कारण प्रभावित होने वाली उपनगरीय ट्रेनों की विस्तृत सूची अनुलग्नक-द एवं दद में दी गई है। इस संबंध में विस्तृत जानकारी संबंधित स्टेशन मास्टरों के पास उपलब्ध है। यात्रियों से अनुरोध है कि उपर्युक्त परिवर्तनों को ध्यान में रखकर अपनी यात्रा की योजना बनाएं।

सुरक्षित ऑनलाइन वित्तीय लेनदेन के लिए ग्राहकों की सतर्कता ज़रूरी है- असिस्टेंट जनरल मैनेजर पंकज बच्छाव

मुंबई।मौजूदा दौर में ऑनलाइन वित्तीय लेनदेन की संख्या तेज़ी से बढ़ रही है और ऑनलाइन वित्तीय लेनदेन में धोखाधड़ी और घोटालों की घटनाएं भी बढ़ रही हैं। ऐसे वित्तीय नुकसान से बचने के लिए, ग्राहकों को सावधान रहने और ऑनलाइन वित्तीय लेनदेन में सुरक्षित लेनदेन करने की ज़रूरत है, यह बात रिज़र्व बैंक ऑफ़ इंडिया के असिस्टेंट जनरल मैनेजर पंकज बच्छाव ने कही।

बच्छाव सूचना और जनसंपर्क निदेशालय और रिज़र्व बैंक ऑफ़ इंडिया द्वारा मंत्रालय में आयोजित 'वित्तीय लेनदेन पर जागरूकता' सत्र में बोल रहे थे। इस मौके पर सूचना और जनसंपर्क निदेशालय के निदेशक गोविंद अनहाकारी, रिज़र्व बैंक की मैनेजर शिल्पा छेड़ा और अन्य संबंधित अधिकारी मौजूद थे। इस मौके पर मार्गदर्शन देते हुए असिस्टेंट जनरल मैनेजर बच्छाव ने कहा कि अगर सावधानियां बरती जाएं, तो ऑनलाइन वित्तीय लेनदेन सुरक्षित रूप से किए जा सकते हैं। इस संबंध में, ग्राहकों को कभी भी अपना OTP, PIN, पासवर्ड या CVV नंबर किसी के साथ शेयर नहीं करना चाहिए।

मध्य रेल
निविदा सूचना

कार्य का नाम: मुंबई डिवीजन के एलटीटी कोचिंग डिपो में स्थित 25/5 टन क्षमता वाली ई.ओ.टी. क्रेन (निर्माता: ए.वी.ओ.एन एवं सैको) के पुनः संस्करण एवं ओवरहालिंग हेतु। **अंदाजित मूल्य:** ₹49,39,745.50/- (रुपये उनचास लाख उनतालीस हजार सात सौ पैंतालीस और पचास पैसे मात्र) **कार्य समापन की तिथि** : 120 दिन **बयाना राशि जमा:** ₹98,800/- (रुपए अठानवे हजार आठ सौ मात्र) **निविदा प्रस्तुत करने की समाप्ति का दिनांक और समय** : 15.01.2026 को 11:00 बजे तक. निविदाएं केवल वेबसाइट www.ireps.gov.in के माध्यम से ई–टेंडरिंग प्रारूप में स्वीकार की जाएंगी। निविदा दस्तावेज वेबसाइट में उपलब्ध है। **"यह निविदा सार्वजनिक खरीद नीति आदेश 2017/दिनांक 15.06.2017 का अनुपालन करती है।" खुली निविदा सूचना संख्या BB.M.LTT.TC.52.EOT.Recondition.V3 dated 18.12.2025.** 791

टिकट के लिए UTS APP डाउनलोड करे

पश्चिम रेलवे
रेल नवीनीकरण कार्य

मंडल रेल प्रबंधक (WA), पश्चिम रेलवे मुंबई सेंट्रल, मुंबई-400 008. ई-टेंडर सूचना संख्या: BCT/25-26/293 दिनांक 07/01/2026 आमंत्रित करते हैं। **कार्य और स्थान:** पश्चिम रेलवे के उकाईसोंगढ़-जलगाँव सेक्शन के बीच सीनियर DEN (E) मुंबई सेंट्रल के अधिकार क्षेत्र में ठेकेदारों के PQRS पोर्टल के तहत थ्रू रेल नवीनीकरण (P)-5.131 Tkm और थ्रू स्लीपर नवीनीकरण (P)-7.69 Tkm. **कार्य की अनुमानित लागत:** 2,08,30,122.61 रुपये। EMD: 2,54,200/- रुपये। **जमा करने की तारीख और समय:** 03.02.2026 तक, 15:00 बजे। **खोलने की तारीख और समय:** 03.02.2026 को 15:30 बजे। अधिक जानकारी के लिए कृपया हमारी वेबसाइट www.ireps.gov.in पर जाएं। मैनुअल प्रस्ताव पर विचार नहीं किया जाएगा। 0989

हमें फॉलो करें facebook.com/WesternRly

पश्चिम रेलवे
आपूर्ति, स्थापना और कमीशनिंग कार्य

डिविजनल रेलवे मैनेजर (रोलिंग स्टॉक) EMU कारशेड मुंबई सेंट्रल डिवीजन, वेस्टर्न रेलवे, मुंबई-400 034. ई-टेंडर नोटिस नंबर: DRM/RS/2020-21/04 दिनांक 08.01.2026 आमंत्रित करता है। **कार्य का नाम:** ICF स्पेसिफिकेशन नंबर ICF/Elec/110 Rev. के अनुसार CS01 और CS02 के साथ EMU कैब में 415 V AC, 3-फेज टॉवर AC सिस्टम की आपूर्ति, स्थापना और कमीशनिंग। **कार्य की अनुमानित लागत:** 7,77,32,500/-। EMD: 5,38,700/-। **जमा करने की तारीख और समय:** 02.02.2026 को 15:00 बजे से पहले निर्धारित तरीके से।**खोलने की तारीख और समय:** 02.02.2026 को 15:30 बजे। वेबसाइट का विवरण: टेंडर www.ireps.gov.in वेबसाइट के माध्यम से देखा और जमा किया जा सकता है। 0990

हमें फॉलो करें facebook.com/WesternRly

पश्चिम रेलवे

पार्सल एसएलआर/वीपी को लीज पर देने के अनुबंध के लिए ई-नीलामी

मुंबई डिवीजन से शुरू होने वाली ट्रेनों में पार्सल एसएलआर को लीज पर देने के अनुबंध के लिए DRM (C)-BCT द्वारा ई-नीलामी आमंत्रित की गई है। कैटलॉग पहले ही IREPS वेबसाइट पर प्रकाशित किया जा चुका है, विवरण नीचे दिया गया है: -

अनुबंध का प्रकार: पार्सल, श्रेणी: पार्सल एसएलआर

नीलामी कैटलॉग नंबर	लॉट नंबर	अनुबंध अवधि
MMCT-PLS-26-04	22971-SLR-R1 BDTS-PNBE-25-1	03 Years

ई-ऑक्शन की तारीख और समय: लॉट के लिए ई-ऑक्शन 15.01.2026 को 12:00 बजे शुरू होगा। शुरुआती कूलिंग पीरियड 30 मिनट का है।

नीलामी कैटलॉग नंबर	लॉट नंबर	अनुबंध अवधि
एमएमसीटी-पीएलएस-26-05	09049-SLR-F1 DDR-BSL-26-1	3 वर्ष
	09049-SLR-F2 DDR-BSL-26-1	
	09049-SLR-R1 DDR-BSL-26-1	
	09051-SLR-F2 DDR-BSL-26-1	
	19003-SLR-F2 DDR-BSL-26-1	
	02133-SLR-F1 BDTS-JBP-25-3	3 महिने
	21903-SLR-F1 BDTS-BKN-25-2	3 वर्ष
	21903-SLR-R1 BDTS-BKN-25-2	
	20907-SLR-F1 DDR-BHUJ-25-2	

ई-ऑक्शन की तारीख और समय: लॉट के लिए ई-ऑक्शन 16.01.2026 को 12:00 बजे शुरू होगा। शुरुआती कूलिंग पीरियड 30 मिनट का है।

नीलामी कैटलॉग नंबर	लॉट नंबर	अनुबंध अवधि
एमएमसीटी-पीएलएस-26-06	22444-SLR-F1 BDTS-CNB-25-1	3 वर्ष
	02133-SLR-R1 BDTS-JBP-25-4	3 महिने

ई-ऑक्शन की तारीख और समय: लॉट के लिए ई-ऑक्शन 19.01.2026 को 12:00 बजे शुरू होगा। शुरुआती कूलिंग पीरियड 30 मिनट का है।

पार्सल SLRs/VPs की ई-नीलामी के बारे में ज़्यादा जानकारी के लिए, www.ireps.gov.in पर जाएं। 0985

Like us on: facebook.com/WesternRly | Follow us on : X.com/WesternRly

पश्चिम रेलवे

सामग्री प्रबंधन विभाग

विभिन्न सामग्रियों की आपूर्ति

ई-प्रोक्योरमेंट टेंडर सूचना संख्या: एस/02/2026 दिनांक 06.01.2026

क्र.सं.	आइटम का संक्षिप्त विवरण	मात्रा	टी.ओ.डी.
7	ब्रेक बीम	311 Nos	09-Feb-26
8	कॉक AHB के लिए ओवरहॉलिंग किट	818 Set	05-Feb-26
9	फील्ड वीकनिंग रेज़िस्टर (RS) का सेट	18 Nos	05-Feb-26
10	एन2 बोर्ड - एम/एस फाइवेली मेक, पार्ट नंबर 1/600008A	136 Nos	04-Feb-26
11	एलएचबी कोच के लिए बाएँ संस्करण का हैंड ब्रेक व्यवस्था सहित ब्रेक सिलेंडर	36 Nos	04-Feb-26
12	BOXNHL के लिए CASNUB 22 HS बोगी की जोड़ी	15 Pair	04-Feb-26
13	इलेक्ट्रॉनिक ब्रेक वाल्व के लिए ओवरहॉलिंग किट	42 Set	04-Feb-26
14	हाई बिल्ट एपॉक्सी पेंट	68159 Ltr	03-Feb-26
15	5400 KVA लोको मेन ट्रांसफॉर्मर (पूर्ण)	2 Nos	03-Feb-26
16	लेड एसिड बैटरी 300 AH	20 Nos	02-Feb-26
17	50 किलोग्राम के कास्ट आयरन मानक परीक्षण बाट	3552 Nos	02-Feb-26
18	आपूर्ति, स्थापना, परीक्षण एवं चालू करना	168 Nos	02-Feb-26
19	सब किट POH-I	15 Set	31-Jan-26
20	150 sq.mm × 4 कोर, 1100 वोल्ट ग्रेड केबल	2549 Mtr	31-Jan-26

शुद्धिपत्र

कृपया टेंडर नोटिस संख्या: एस-71-2025 दिनांक: 01.12.2025 के लिए देय तिथि को '12.01.2026' पढ़े (क्रम संख्या 746 पर)

विस्तृत नोटिस, EMD, खरीद प्रतिबंध और विस्तृत टेंडर शर्तों के संबंध में, कृपया वेबसाइट www.ireps.gov.in और wr.indianrailways.gov.in पर जाएं। **0983**

Like us on: facebook.com/WesternRly • Follow us on: X.com/WesternRly

Website : www.mantrabharat.com

जुनून है सच लिखने का

E-Mail : mantrabharatmumbai@gmail.com, Mo. 7007837917

संस्करण : मुंबई
वर्ष : 11
अंक : 03
पृष्ठ : 8
मूल्य : 2.00
शनिवार, 10 जनवरी, 2026

मंत्र भारत

हिन्दी दैनिक

मुंबई, लखनऊ, प्रयागराज एवं ग्वालियर से एक साथ प्रकाशित एवं ठाणे, नवी मुम्बई, पालघर, नासिक एवं पुणे से प्रसारित

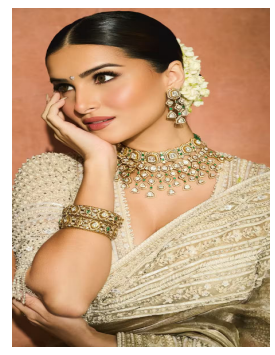

5 मुख्यमंत्री पद की शपथ भूल गईं ममता? ...

4 ट्रंप के 500 प्रतिशत टैरिफ हथौड़े का वार ...

7 डु प्लेसिस और विंस चमके, लेकिन बिजली ...

संक्षिप्त न्यूज

कर्नाटक के गृह मंत्री ने उपमुख्यमंत्री के दखल के दावों को खारिज किया, कहा- वह एक जिम्मेदार मंत्री

बैंगलुरू। कर्नाटक के गृह मंत्री जी परमेश्वर ने शुक्रवार को उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार द्वारा अपने विभाग के कामकाज में हस्तक्षेप करने को खारिज कर दिया। वह जेडी (एस) नेता और केंद्रीय मंत्री एचडी कुमारस्वामी की उस टिप्पणियों का जवाब दे रहे थे, जिनमें शिवकुमार पर गृह विभाग के मामलों में हस्तक्षेप करने का आरोप लगाया गया था। इसके साथ ही बल्लारी झड़पों के संबंध में हाल ही में पुलिस अधिकारियों की बैठक बुलाने के शिवकुमार के अधिकार पर भी सवाल उठाया गया था।

वह जिम्मेदार मंत्री हैं- परमेश्वर

परमेश्वर ने कहा कि वह (शिवकुमार) एक जिम्मेदार मंत्री हैं, वह उपमुख्यमंत्री हैं। कुमारस्वामी शायद सही कह रहे हैं कि उपमुख्यमंत्री भी सिर्फ एक मंत्रिमंडल मंत्री होते हैं। संविधान के अनुसार उनके पास कोई अतिरिक्त शक्तियां नहीं होतीं। लेकिन, सरकार के प्रतिनिधि के तौर पर उनका वहां जाना गलत नहीं कहा जा सकता। वह मंत्रिमंडल मंत्री और उपमुख्यमंत्री होने की जिम्मेदारी निभाते हुए वहां गए हैं, क्योंकि मैं नहीं जा सका।'

कैबिनेट एक सामूहिक जिम्मेदारी- परमेश्वर

पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि शिवकुमार उपमुख्यमंत्री, मंत्री और सरकार के प्रतिनिधि होने के नाते बल्लारी गए थे। उन्होंने मृतक के परिवार से मुलाकात की थी। जब उन्होंने यह बताया गया कि कुमारस्वामी का प्रश्न शिवकुमार द्वारा पुलिस अधिकारियों के साथ बैठक करने और किसकी अनुमति से हुई थी, तो गृह मंत्री ने कहा, 'कैबिनेट एक सामूहिक जिम्मेदारी है।

हाइपरसोनिक मिसाइल विकास में भारत ने हासिल की बड़ी सफलता, 12 मिनट तक लगातार स्क्रैमजेट इंजन का टेस्ट

हैदराबाद। रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) के हैदराबाद स्थित रक्षा अनुसंधान एवं विकास प्रयोगशाला (डीआरडीएल) ने हाइपरसोनिक मिसाइल के विकास में एक महत्वपूर्ण सफलता हासिल की है। इस बात की जानकारी रक्षा मंत्रालय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर के दी। मंत्रालय ने बताया कि डीआरडीएल ने एक्टिवली कूल्ड स्क्रैमजेट फुल स्केल कम्बस्टर का लंबी अवधि का ग्राउंड टेस्ट सफलतापूर्वक किया। इस टेस्ट में उपकरण ने 12 मिनट से अधिक लगातार काम किया, जो हाइपरसोनिक टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में एक बड़ा मील का पत्थर है।

यह टेस्ट स्क्रैमजेट कनेक्ट पाइप टेस्ट (एससीपीटी) सुविधा में 9 जनवरी 2026 को किया गया। इस सफलता से भारत की हाइपरसोनिक मिसाइल प्रौद्योगिकी और विकास में मजबूती हथियार विकास में एक महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है।

आएगी और रक्षा क्षेत्र में नई क्षमताओं का निर्माण होगा। बता दें कि डीआरडीएल की यह उपलब्धि भारत के सुपरसोनिक और हाइपरसोनिक

क्या होता है स्क्रैमजेट इंजन, यहां समझिए

बता दें कि स्क्रैमजेट इंजन एक ऐसा विशेष जेट इंजन है जो अत्यधिक तेज गति (सुपरसोनिक और हाइपरसोनिक) पर हवा को सीधे अंदर खींचकर ईंधन के साथ जलाता है। इसके लिए इसमें कोई स्पर्शी कम्प्रेसर या टर्बाइन की जरूरत नहीं होती। इसका मतलब यह है कि यह इंजन बहुत उच्च गति पर उड़ान भरने वाले मिसाइल और हवाई वाहन के लिए आदर्श है।

स्क्रैमजेट इंजन हवा को रैम की तरह दबाकर ईंधन जलाता है, जिससे मिसाइल या विमान को सुपरसोनिक गति से 5 गुना या उससे ज्यादा तेज उड़ान भरने की शक्ति मिलती है। इस टेक्नोलॉजी की मदद से भारत हाइपरसोनिक मिसाइल और अत्याधुनिक रक्षा हथियारों में अग्रणी बन रहा है।

अब नशा माफियायों की खैर नहीं: अमित शाह की अध्यक्षता में एनकोर्ड की 9वीं बैठक, किन-किन मुद्दों पर रहा फोकस?

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह नई दिल्ली के विज्ञान भवन में नारको-कोऑर्डिनेशन सेंटर (एनकोर्ड) की 9वीं उच्च स्तरीय बैठक की अध्यक्षता कर रहे हैं। यह बैठक नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो द्वारा हाइब्रिड मोड में आयोजित की जा रही है, जिसमें केंद्रीय मंत्रालयों, राज्य सरकारों और ड्रग कानून प्रवर्तन एजेंसियों के प्रमुख अधिकारी शामिल हैं। बैठक का मुख्य उद्देश्य नशा तस्करी नेटवर्क और गैंग को तोड़ना, संवेदनशील क्षेत्रों की पहचान, हवाला और डार्कनेट जैसी नई चुनौतियों का सामना करना है।

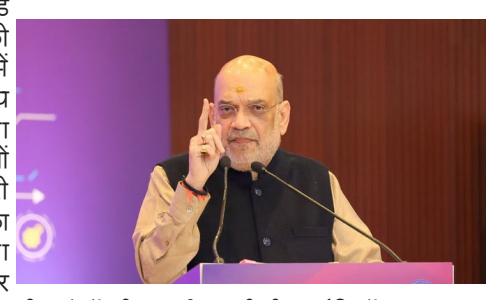

बता दें कि शाह के नेतृत्व में की जा रही इस बैठक में मोदी सरकार की 'पूर्ण सरकार दृष्टिकोण' को ध्यान में रखते हुए चर्चा की जाएगी। इसमें मुख्य मुद्दे नशा तस्करी नेटवर्क और गैंग को तोड़ना, सुरक्षित और संवेदनशील क्षेत्रों (हॉटस्पॉट) का मानचित्र तैयार करना, हवाला और अवैध लेन-देन की जांच, डार्कनेट जैसी नई तकनीकी चुनौतियों का सामना करना और 360 डिग्री की व्यापक जांच करना हैं। इस बैठक का उद्देश्य देश में नशे की तस्करी और माफियाओं पर कड़ी कार्रवाई करना और इसके खिलाफ सभी एजेंसियों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करना है।

आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री नायडू ने 'प्रभाला तीर्थम' को राजकीय उत्सव घोषित किया

हैदराबाद। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने शुक्रवार को कहा कि मंत्रिमंडल ने सदियों पुरानी पारंपरिक रथ यात्रा 'प्रभाला तीर्थम' को राजकीय उत्सव घोषित करने का निर्णय लिया है। उन्होंने बताया कि कोनासीमा के जगन्ना थोता गांव में आयोजित यह उत्सव संक्रांति के दौरान मनाया जाता है और इसमें पूरे क्षेत्र से श्रद्धालु आते हैं।

नायडू ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''कोनासीमा के लोगों (जिन्होंने पीढ़ियों से इस परंपरा को संरक्षित रखा है) की भक्ति और आस्था का सम्मान करते हुए मंत्रिमंडल ने जगन्ना थोता प्रभाला तीर्थम को

राजकीय उत्सव के रूप में आयोजित करने का निर्णय लिया है।''

उन्होंने कहा कि इस उत्सव के दौरान 11 प्राचीन शिव मंदिरों की मूर्तियां एक ही मंच पर एकत्रित होती हैं, जिससे यह क्षेत्र के सबसे महत्वपूर्ण आध्यात्मिक आयोजनों में से एक बन जाता है। उन्होंने कहा कि इस आयोजन में प्रतिवर्ष लगभग पांच लाख लोग शामिल होते हैं और उन्होंने आश्वासन दिया कि सरकार सभी आवश्यक सहायता प्रदान करेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस फैसले से कोनासीमा में सांस्कृतिक पर्यटन को बढ़ावा मिलने और पारंपरिक त्योहारों के संरक्षण के लिए राज्य के प्रयासों को मजबूती मिलने की उम्मीद है।

गिरते जनाधार के बीच बेवजह SIR का मुद्दा उठा रहा विपक्ष : चिराग पासवान

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने शुक्रवार को कहा कि विपक्ष अपने गिरते जनाधार के बीच बेवजह एसआईआर का मुद्दा उठा रहा है और जनता में विपक्षी दलों के खिलाफ काफी आक्रोश है। पासवान आज ग्रेटर नोएडा के एक्सपोर्ट मार्ट में आयोजित तीन दिवसीय खाद्य एवं पेय प्रदर्शनी के उद्घाटन अवसर पर बतौर मुख्य अतिथि गौतम बुद्ध नगर आए थे। खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्री ने पत्रकारों के साथ बातचीत में कहा कि देश में मतदाता सूचियों का विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) पहली बार नहीं हुआ है।

उन्होंने कहा कि पूर्व में भी यह कवायद हुई है और इस बार सिर्फ ऑनलाइन व्यवस्था हुई है। उन्होंने कहा कि विपक्ष अपना जनाधार गिरने के बीच बेवजह एसआईआर को मुद्दा बना रहा है और जनता में विपक्षी दलों के खिलाफ काफी आक्रोश है।

पासवान ने कहा कि विपक्ष के लोगों ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को लेकर गलत शब्दों का इस्तेमाल किया जिसकी वजह से जनता ने उन्हें सबक सिखाया। उन्होंने कहा कि बिहार विधानसभा चुनाव के परिणाम से विपक्षी दलों को सबक सीखना चाहिए। खाद्य एवं पेय प्रदर्शनी में 120 से ज्यादा देशों के प्रमुख कारोबारी प्रतिष्ठान हिस्सा ले रहे हैं।

तुर्कमान गेट छावनी में तब्दील, पत्थरबाजी के बाद बीएनएसएस की धारा 163 लागू, 1000 जवान तैनात

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। शुक्रवार को अधिकारियों ने बताया कि तुर्कमान गेट इलाके के पास हुई पत्थरबाजी की घटना के मद्देनजर दिल्ली की फैज-ए-इलाही मस्जिद के आसपास भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) की धारा 163 लागू कर दी गई है, जिससे लोगों के इकट्ठा होने पर प्रतिबंध लगा दिया गया है। दिल्ली पुलिस ने लोगों से घर पर ही नमाज अदा करने की अपील की है। बुधवार को मस्जिद के पास दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) द्वारा चलाए गए अतिक्रमण हटाने के अभियान के बाद पत्थरबाजी की घटना घटी।

शुक्रवार की नमाज को देखते हुए दिल्ली पुलिस ने मस्जिद के बाहर और आसपास के इलाकों में 1, 000 से अधिक पुलिसकर्मियों को तैनात किया है। इसके अलावा, किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए फैज-ए-इलाही मस्जिद के पास अर्धसैनिक बलों और दंगा रोधी वाहनों को भी तैनात किया गया है। दिल्ली पुलिस के अनुसार,

अतिक्रमण विरोधी अभियान के दौरान हुई पत्थरबाजी की घटना के संबंध में अब तक कुल 11 लोगों को गिरफ्तार किया गया है।

गुरुवार को दिल्ली पुलिस ने पुष्टि की कि हिंसा में कथित संलिप्तता के लिए 30 लोगों की पहचान कर ली गई है। यह पहचान सीसीटीवी फुटेज और सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे वीडियो की मदद से की गई। पुलिस टीमों ने शेष संदिग्धों को हिरासत में लेने के लिए कई स्थानों पर छापेमारी की है। पत्थरबाजी से पहले का एक पुलिस बॉडीकैम वीडियो अतिक्रमण हटाए जाने के समय का है। पुलिस बॉडीकैम से इसी तरह के अन्य वीडियो भी देखे जा रहे हैं, जिनमें संभवतः दंगाइयों को कैद किया गया है।

इसी से संबंधित एक घटनाक्रम में, दिल्ली पुलिस समाजवादी पार्टी के सांसद मोहिबुल्लाह नादवी को समन जारी करने वाली है, जिसमें उन्हें जांच में शामिल होने के लिए कहा जाएगा। हिंसा भड़कने से कुछ ही समय पहले नादवी घटनास्थल पर मौजूद थे। पुलिस ने कहा कि वरिष्ठ अधिकारियों के बार-बार अनुरोध के बावजूद, वह घटना के समय आसपास ही मौजूद रहे।दिल्ली उच्च न्यायालय के निर्देशों के बाद रामलीला मैदान के पास तुर्कमान गेट के नजदीक अतिक्रमण हटाने का अभियान चलाया गया। पुलिस ने बताया कि शांति बनाए रखने के लिए अमन कमेटी के सदस्यों और स्थानीय हितधारकों के साथ कई समन्वय बैठकों के बाद 7 जनवरी की सुबह यह अभियान चलाया गया।

अंबरनाथ नगर परिषद : भाजपा को झटका चार एनसीपी पार्षदों ने शिवसेना का समर्थन किया

मुम्बई **(एजेंसी)**। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को बड़ा झटका लगा है क्योंकि अजित पवार के नेतृत्व वाली राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) के चार पार्षदों ने अंबरनाथ नगर परिषद में एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना का समर्थन करने का फैसला किया है। यह घटनाक्रम उन खबरों के बाद सामने आया है जिनमें कहा गया था कि भगवा पार्टी ने अंबरनाथ में शिवसेना को सत्ता से बाहर रखने के लिए कांग्रेस के साथ गठबंधन किया है, जिसे बाद में दोनों पक्षों ने खारिज कर दिया था। अंबरनाथ नगर परिषद में 60 पार्षद हैं। शिवसेना के 27 पार्षद हैं, उसके बाद भाजपा के 14 पार्षद हैं। कांग्रेस और एनसीपी के क्रमशः 12 और 4 पार्षद हैं। अब, शिवसेना के 27 पार्षदों को चार एनसीपी पार्षदों और एक निर्दलीय पार्षद का समर्थन प्राप्त है। कुल मिलाकर, शिवसेना को 32 पार्षदों का समर्थन प्राप्त है।

सूत्रों के अनुसार, एनसीपी के स्थानीय नेताओं ने कांग्रेस के साथ सत्ता साझा करने पर असुविधा व्यक्त की थी और पार्टी नेतृत्व को बताया था कि वे 2023 से ही अंबरनाथ में कांग्रेस का विरोध कर रहे हैं। उन्होंने पार्टी नेतृत्व से कहा था कि कांग्रेस के साथ गठबंधन 'स्वीकार्य' नहीं है। इसलिए, पार्टी ने अब शिवसेना का समर्थन करने का निर्णय लिया है। यहाँ यह ध्यान देने योग्य है कि शिवसेना, भाजपा और एनसीपी महायुति गठबंधन का हिस्सा हैं, लेकिन अंबरनाथ नगर परिषद के चुनाव में गठबंधन ने अलग-अलग चुनाव लड़े थे।

अंबरनाथ में भाजपा-कांग्रेस गठबंधन ने महाराष्ट्र में कई लोगों को चौंका दिया, जिसके चलते मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस को स्पष्टीकरण जारी करना पड़ा। फडणवीस ने बाद में कहा कि कांग्रेस के साथ कोई भी गठबंधन अस्वीकार्य है और अंबरनाथ में स्थानीय स्तर पर लिए गए फैसले को सुधारा जाएगा। 12 कांग्रेस पार्षदों की बात करें तो, वे भाजपा में शामिल हो गए हैं, जिससे भाजपा को एक और झटका लगा है। पार्टी ने अब इन सभी 12 पार्षदों - प्रदीप नाना पाटिल, दर्शना पाटिल, अर्चना चरण पाटिल, हर्षदा पंकज पाटिल, तेजस्विनी मिलिंद पाटिल, विपुल प्रदीप पाटिल, मनीष म्हात्रे, धनलक्ष्मी जयशंकर, संजीवनी राहुल देवड़े, दिनेश गायकवाड़, किरण बद्रीनाथ राठौड़ और कबीर नरेश गायकवाड़ - की अयोग्यता की मांग करने का फैसला किया है।

विकास के मुद्दे पर लड़ेंगे चुनाव, एकनाथ शिंदे का विपक्ष को संदेश- हमें हल्के में न लें

मुम्बई **(एजेंसी)**। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री और शिवसेना प्रमुख एकनाथ शिंदे ने शुक्रवार को पुणे नगर निगम चुनाव से पहले पुणे में प्रचार किया और इस बात पर जोर दिया कि महायुति गठबंधन विकास के मुद्दे पर चुनाव लड़ रहा है और मुंबई और पुणे दोनों में विजयी होगा। कात्रज दौरे के दौरान मीडिया से बात करते हुए शिंदे ने कहा कि उन्हें किसी भी पार्टी कार्यकर्ता द्वारा दिए गए बयानों की जानकारी नहीं है, लेकिन उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि शिवसेना और भारतीय जनता पार्टी पूरी ताकत से चुनाव लड़ रही हैं। उन्होंने कहा, 'हम विकास के मुद्दे पर चुनाव लड़ रहे हैं।' उन्होंने आगे कहा कि मुख्यमंत्री के रूप में उनके ढाई साल के कार्यकाल में किए गए कार्यों के साथ-साथ पिछले एक साल में उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के नेतृत्व में किए गए कार्यों को सीधे जनता तक पहुंचाया जा रहा है।

मुंबई में चुनाव परिणामों को लेकर विश्वास जताते हुए शिंदे ने कहा कि मतदाता विकास कार्यों पर आधारित महायुति गठबंधन के पक्ष में मतदान करेंगे। उन्होंने जोर देकर कहा, मैं इसे एक शब्द में कहूँ तो, मुंबई के मेयर महायुति गठबंधन से ही होंगे। पुणे नगर निगम चुनावों पर शिंदे ने कहा कि पार्टी कार्यकर्ता और समर्थक बेहद उत्साहित हैं। उन्होंने बताया कि पुणे के कुछ क्षेत्रों में महायुति सहयोगी एक साथ चुनाव लड़ रहे हैं, जबकि अन्य क्षेत्रों में वे अलग-अलग चुनाव लड़ रहे हैं। उन्होंने कहा, 'पुणे में शिवसेना स्वतंत्र रूप से चुनाव लड़ रही है और हमारे

कार्यकर्ताओं में जबरदस्त उत्साह है। वे हर हाल में यह चुनाव जीतने के लिए दृढ़ संकल्पित हैं। नागरिक मुद्दों पर प्रकाश डालते हुए, शिवसेना प्रमुख ने कहा कि उनकी पार्टी यातायात, जल आपूर्ति और बुनियादी नागरिक सुविधाओं से संबंधित समस्याओं के समाधान पर ध्यान केंद्रित करेगी। उन्होंने पुणे को झुग्गी-मुक्त शहर बनाने के प्रति पार्टी की प्रतिबद्धता को दोहराते हुए कहा कि विकास शिवसेना के एजेंडे का मूल आधार है। शिंदे ने कहा, 'विपक्ष को हमें हल्के में नहीं लेना चाहिए। शिवसेना एक मजबूत पार्टी है।

उन्होंने आगे कहा कि पार्टी ने महाराष्ट्र भर में अपनी उपस्थिति का विस्तार किया है, जिससे यह धारणा गलत साबित होती है कि पार्टी कुछ चुनिंदा क्षेत्रों तक ही सीमित है। गौ संरक्षण के मुद्दे पर टिप्पणी करते हुए शिंदे ने कहा कि उनके मुख्यमंत्री कार्यकाल के दौरान ही गौ माता को 'राज्य माता' का दर्जा दिया गया था।

नड्डा ने ममता सरकार को घेरा, आयुष्मान भारत योजना रोककर किया बंगाल के गरीबों से अन्याय

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जगत प्रकाश नड्डा ने पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली सरकार पर लोगों को स्वास्थ्य सेवाएँ सुनिश्चित करने में विफलताओं का आरोप लगाते हुए कहा कि आयुष्मान भारत योजना से वंचित रहने और कल्याणकारी कार्यक्रमों के अप्रभावी कार्यान्वयन' के कारण गरीब और कमजोर वर्ग के लोग जीवन रक्षक स्वास्थ्य सेवाओं से वंचित हो गए हैं। पश्चिम बंगाल के तंगरा में आयोजित एक डॉक्टर्स सम्मेलन को संबोधित करते हुए नड्डा ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में शुरू की गई स्वास्थ्य सेवाओं से संबंधित क्रांतिकारी पहलों की सराहना भी की।

गुरुवार को जारी एक आधिकारिक बयान के अनुसार, उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य संकेतकों में ऐतिहासिक राष्ट्रीय प्रगति के बावजूद, आयुष्मान भारत योजना से वंचित रहने और कल्याणकारी कार्यक्रमों के अप्रभावी कार्यान्वयन के कारण पश्चिम बंगाल अभी भी पिछड़ा हुआ है। नड्डा ने जोर देकर कहा कि राज्य सरकार की राजनीतिक बाधाओं के कारण गरीब और कमजोर वर्ग के लोग जीवन रक्षक स्वास्थ्य सेवाओं के लाभों से वंचित हो गए हैं।

उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि बंगाल की जनता इस कुशासन को नकार देगी और विकासोन्मुखी शासन का मार्ग प्रशस्त करेगी। कार्यक्रम के दौरान पश्चिम बंगाल विधानसभा में विपक्ष के नेता सुवेंदु अधिकारी, डॉ. शारदा मुखोपाध्याय, अन्य डॉक्टरों और पार्टी कार्यकर्ताओं सहित कई लोग मंच पर उपस्थित थे। बिधाननगर स्थित अल्टेयर बुटीक होटल में, नड्डा ने जिला अध्यक्षों, विभागीय संयोजकों और प्रवासी कार्यकर्ताओं के साथ बैठक की। बैठक को संबोधित करते हुए नड्डा ने कहा कि टीएमसी के शासन में बंगाल घुसपैठियों के लिए सुरक्षित पनाहगाह बन गया है।

चीन में 'जनसंख्या विस्फोट'?

हिमंता बिस्वा सरमा का दावा- जनगणना 2027 में 40% आबादी बांग्लादेशी होगी

गुवाहाटी **(एजेंसी)**। असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा ने 8 जनवरी को चेतावनी दी कि 2027 की जनगणना असम के लिए 'चिंताजनक खुलासे' ला सकती है। उन्होंने दावा किया कि राज्य की लगभग 40 प्रतिशत आबादी बांग्लादेशी मूल की हो सकती है। मुख्यमंत्री की यह टिप्पणी 30 दिसंबर को जनसंख्या वृद्धि के रुझानों पर दिए गए उनके बयान के कुछ दिनों बाद आई है। उस बयान में उन्होंने उन हिंदू परिवारों से आग्रह किया था जो उन क्षेत्रों में रहते हैं जहां वे अल्पसंख्यक हैं या अल्पसंख्यक बनने के कगार पर हैं, कि वे एक से अधिक बच्चे पैदा करने पर विचार करें। सरमा ने कहा कि यह अपील जनसांख्यिकीय असंतुलन को रोकने और ऐसे क्षेत्रों में दीर्घकालिक सामाजिक निरंतरता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से की गई थी।

सोशल मीडिया पर अपनी बात रखते हुए और बाद में मीडिया को संबोधित करते हुए, सरमा ने विभिन्न समुदायों में असमान जन्म दर पर चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि असम के कई हिस्सों में मुस्लिम आबादी की जन्म दर अधिक बनी हुई है, जबकि हिंदू आबादी की जन्म दर में धीरे-धीरे गिरावट आ रही है। मुख्यमंत्री के अनुसार, यदि इस प्रवृत्ति को अनियंत्रित छोड़ दिया गया, तो इसके गंभीर दीर्घकालिक सामाजिक और जनसांख्यिकीय परिणाम हो सकते हैं। उन्होंने कहा

कि यह मुद्दा केवल राजनीतिक नहीं है, बल्कि कुछ क्षेत्रों की भविष्य की सामाजिक संरचना से भी जुड़ा है।

सरमा ने कहा कि जिन क्षेत्रों में हिंदू समुदाय पहले ही अल्पसंख्यक बन चुका है या अल्पसंख्यक बनने की कगार पर है, वहां परिवारों को एक बच्चे तक सीमित नहीं रहना चाहिए। उन्होंने आगे सुझाव दिया कि परिवारों में आदर्श रूप से कम से कम दो बच्चे होने चाहिए, और यदि संभव हो तो तीन, और इस अपील को पारिवारिक निरंतरता और सामाजिक स्थिरता का मुद्दा बताया। सरमा ने राज्य में कांग्रेस की प्रासंगिकता पर सवाल उठाते हुए कहा, 'अवैध बांग्लादेशियों को छोड़कर, कौन सा स्थानीय नागरिक कांग्रेस को वोट देगा?' उन्होंने आगे कहा कि मार्च-अप्रैल में होने वाले विधानसभा चुनावों से पहले विपक्ष की जमीनी स्तर पर उपस्थिति सीमित है।

सम्पादकीय

त्याग के बदलते अर्थ और रिश्तों की नई परिभाषा

हम जिन चीजों का इस्तेमाल नहीं कर रहे, नहीं कर पा रहे या नहीं करना चाहते, उन्हें कोई दूसरा उपयोग कर सकता है। हमारी कोई चीज किसी को अच्छी लग रही हो, बेहद पसंद आ रही हो, हमें यह अंदाजा हो जाए और हम वह चीज किसी को भेंट कर दें, तो वह व्यक्ति खुश हो सकता है। हम लकीर के बहुत पुराने फकीर है, लेकिन त्याग के नए अर्थ गढ़ रहे हैं। खुद त्याग करें, न करें, मगर दूसरों से अपेक्षा करते हैं कि वे स्वार्थी न बनें। त्याग करें, बलिदान दें, समर्पण करें। अब तो मानवीय रिश्ते भी वस्तुओं की मानिंद हो गए हैं। एक-दूसरे पर, चीजों और संपत्ति पर नजर रखी जा रही है।

काफी कुछ जैसे-तैसे हासिल करने की कोशिश की जा रही है। न मिले तो मारना-पीटना तो कम है, मनमानी हरकत भी की जा रही है। क्रूर शैली में जान तक ली जा रही है। विवाह नामक पारंपरिक, सांस्कृतिक संस्था जोखिम में है। ऐसा लगता है कि वचनों की मर्यादा जैसे जिंदगी की भूल-भुलैया में भटक रही है।

बदलाव सकारात्मक हो, मानवीय हो, तो इससे अच्छा क्या होगा। मगर बाजार की गिरफ्त में फंसी दुनिया में आए बदलावों ने सबसे ज्यादा परेशान मानवीय रिश्तों को किया है। किसी को नहीं पता कि विवाह के बंधन में उलझे इंसानी रिश्ते, कब तक कौन-सा रूप बनाए रखेंगे, कब अचानक बदल जाएंगे। यह नए तरह के विकास की ही 'मेहरबानी' है कि पति-पत्नी के रिश्तों के आयाम बदल रहे हैं और उनके बीच नई अपेक्षाएं पैदा हो रही हैं। फिल्में भी ऐसे रिश्ते-नातों के उतार-चढ़ावों को आकर्षक बना कर पेश कर रही हैं। अनेक धारावाहिक भी ऐसे सुलझते, उलझते रिश्तों के कारण खूब पसंद किए जा रहे हैं और वे सफल भी हो रहे हैं। यह समाज में आ रहे बदलाव से निर्मित स्वीकृति है।

विकास के एक मानक माने जा रहे मोबाइल के जरिए बनते वीडियो और तस्वीरों की दुनिया ने खूब मनोरंजन किया है, संप्रेषण को खूब बढ़ावा दिया है, सूचनाओं की अति कर दी है। डिजिटल संपर्क इतना हो गया है कि माहौल का मौसम संक्रमित हो गया। इस क्रम में संवाद की बार-बार हत्या होने लगी है।

जीवन की आचार संहिता और मूल्यों के नुकसान का ग्राफ बढ़ता गया है। भौतिकता इंसानी रिश्तों में बहुत गहरे घुसपैठ कर चुकी है। मानवीय रिश्तों से दिल दुखाता स्वार्थ लगातार रिसने लगा है। फिल्मों की कहानी जैसी अविश्वसनीय बातें आंखों के सामने घटनाएं बनने लगीं। कभी फिल्में सामाजिक घटनाओं और सच्चाइयों का आईना होती थीं, इंसान को उचित राह पर लौटने के लिए प्रेरित करती थीं।

मगर ऐसा लगता है कि अब फिल्में सिर्फ पैसा कमाने के लिए बनाई जा रही हैं और उनमें परोसी जा रही हिंसा, क्रूरता, नफरत और चापलूसी देखने का असर दिमाग पर हो रहा है।

बदलते वातावरण का प्रभाव युवाओं से लेकर बच्चों और महिलाओं पर बहुत दिख रहा है। यह माहौल यही चाहता है कि महिलाएं नौकरी करे, पैसा कमाए, लेकिन साथ-साथ सुबह घर से निकलने से पहले या घर पर काम करते समय समूचे घर-परिवार का ध्यान रखे। इसके बाद फिर शाम को लौट कर घरेलू काम संभाले और सारी दुनियादारी भी निभाए। यानी दूसरों के लिए सुविधा बनी रहे। निरंतर त्याग करती रहे।

मगर अब महिलाएं भी बदल रही हैं। दबी-छिपी इच्छाओं की गली से निकल रही हैं। नौकरी या व्यवसाय करना चाहती हैं। अपने पांव पर खड़ी होकर रिश्तों के अपने चुनाव के रास्ते पर चल रही हैं। विवाह उनकी एकमात्र या आखिरी मंजिल नहीं। किसी दबाव या अन्य कारणों से शादी करती हैं, तो अपनी सुविधा के मुताबिक संतान प्राप्त करने का समय तय करती हैं।

प्रेम विवाह, सप्रेम न चल रहा हो, तो परिस्थिति अनुसार मानसिक रूप से अलग रहने लगती हैं। उसी पुरानी छत के नीचे नई छत बना लेती हैं। यानी त्याग का सूत्र वहां भी काम करता है, फिर चाहे वहां कई अप्रिय स्थितियों का सामना करना पड़े। जीवन में कलुष को पीछे छोड़ नई राह पर निकलने के सामाजिक, व्यक्तिगत और पारिवारिक खतरे भी रहते हैं। पसंदीदा और संवेदनशील व्यक्ति मिल जाए और जब तक समझ बनी रहे, तब तक आपसी समन्वय को जिंदगी संवारने, व्यक्तित्व सुधारने के नजरिए से देखा-समझा जा सकता है।

इस तरह का व्यवहार समाज में किसी की ओर से संभव है। कभी-कभी तो यह काफी हद तक खालिस व्यावसायिक भी हो सकता है। यहां भी विचारों का त्याग काम आता है। जिंदगी में वैचारिक उकताहट बढ़ जाए, तो त्याग का सूत्र कामयाब नहीं होता। नई छत का निर्माण नहीं, पुराना फर्श भी छोड़ने को तैयार रहना पड़ता है। त्याग दरअसल नफरत, बड़प्पन, प्रतिशोध संभालता कई स्वादों वाला व्यंजन है।

यह वियोग का उत्सव मनाने की तरह है, जिसमें आने वाले समय में मनचाही स्वतंत्रता के साथ, अकेले या किसी के संपर्क में रहना है। त्याग करना यानी जिंदगी से गैरजरूरी हटाना अपनी गुस्ताखियां कम करने जैसा है। इसे ही आजकल जीवन का सकारात्मक रास्ता माना जा रहा है। एक बार मिली जिंदगी में कुछ ऐसा ही किया जाए, जिससे मन को कुछ संतुष्टि और शांति का एहसास हो।

ट्रंप के 500 प्रतिशत टैरिफ हथौड़े का वार बेअसर करेगी मोदी की ढाल, देखती रह जायेगी दुनिया

अमेरिका ने रूस से तेल खरीदने वाले देशों पर 500 प्रतिशत टैरिफ लगाने की चेतावनी देकर वैश्विक व्यापार में नया तूफान खड़ा कर दिया है। इस कदम को सीधे तौर पर भारत, चीन और यूरोपीय संघ जैसे बड़े बाजारों के खिलाफ दबाव की रणनीति के रूप में देखा जा रहा है। खास बात यह है कि अमेरिका पहले से ही भारत पर ऊंचे टैरिफ लागू कर चुका है लेकिन इसके बावजूद भारत का निर्यात तेजी से बढ़ा है और अर्थव्यवस्था दुनिया में सबसे तेज गति से आगे बढ़ने वाली अर्थव्यवस्था बनी हुई है।

देखा जाये तो अमेरिकी राजनीति में आक्रामक व्यापार नीति की वापसी हो चुकी है। डोनाल्ड ट्रंप के दौर की टैरिफ भाषा जोर पकड़ रही है। इसी कड़ी में अमेरिका ने भारत के नेतृत्व वाले अंतरराष्ट्रीय सौर गठबंधन से खुद को अलग कर लिया है जिससे यह संकेत भी मिला है कि वह जलवायु और व्यापार दोनों मोर्चों पर बहुपक्षीय सहयोग से पीछे हट रहा है। अमेरिका की इस रणनीति से सिर्फ भारत या चीन ही नहीं बल्कि यूरोपीय संघ भी असहज है और वहां भी अमेरिकी धमकियों को लेकर बेचैनी बढ़ रही है।

वैसे भारत की स्थिति इस पूरे घटनाक्रम में अलग दिखाई देती है। हालिया आंकड़ों के अनुसार अमेरिकी टैरिफ के बावजूद भारत का निर्यात तीन वर्षों की सबसे तेज दर से बढ़ा है। घरेलू मांग में मजबूती, उत्पादन आधारित प्रोत्साहन योजनाओं, विनिर्माण को बढ़ावा देने और नियमों को सरल बनाने से भारतीय उद्योग को नया आत्मविश्वास मिला है। साथ ही

मोदी सरकार ने उपभोक्ताओं को राहत देकर और सुधारों को तेज कर यह संदेश दिया है कि बाहरी दबावों के आगे झुकने की बजाय भारत अपनी रणनीतिक स्वायत्तता बनाए रखेगा।

हम आपको यह भी बता दें कि अमेरिका की इस आक्रामक नीति से वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला पर भी असर पड़ने की आशंका है। यूरोपीय संघ के लिए यह चेतावनी है कि अमेरिका अपने हितों के लिए किसी को भी निशाना बना सकता है। वहीं भारत ने साफ कर दिया है कि वह दबाव की कूटनीति से नहीं बल्कि आर्थिक ताकत से जवाब देगा।

देखा जाये तो अमेरिका का 500 प्रतिशत टैरिफ का शोर दरअसल डर की राजनीति है। यह उस व्यवस्था की घबराहट को दिखाता है जो दुनिया के बदलते आर्थिक संतुलन को स्वीकार नहीं कर पा रही। भारत आज उस मोड़ पर खड़ा है जहां वह न तो किसी के सामने झुकने को तैयार है और न ही टकराव की बेकार लड़ाई में पड़ना चाहता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की रणनीति साफ है यानि सीधी भिड़ंत नहीं बल्कि नीतिगत प्रहार किया जाये।

देखा जाये तो मोदी सरकार ने पिछले कुछ वर्षों में जो सुधार किए हैं वे आज इस संकट के समय ढाल बनकर सामने आ रहे हैं। विनिर्माण को बढ़ावा देने के लिए उत्पादन आधारित प्रोत्साहन योजनाएं हों या विदेशी निवेश के लिए नियमों का सरलीकरण हो, हर कदम का मकसद एक ही है भारत को आत्मनिर्भर बनाना। घरेलू उपभोक्ता बाजार की ताकत को सरकार ने रणनीतिक हथियार में बदला है। जब बाहरी बाजार दबाव बनाते हैं तब भीतर की मांग अर्थव्यवस्था को संभाल लेती है।

यदि अमेरिका सचमुच भारत पर 500 प्रतिशत टैरिफ लगाता है तो मोदी के पास कई विकल्प हैं। पहला है निर्यात बाजारों का और विविधीकरण। हम आपको बता दें कि भारत पहले ही एशिया अफ्रीका और लैटिन अमेरिका में अपनी पकड़ मजबूत कर रहा है। दूसरा उपाय है घरेलू विनिर्माण को और आक्रामक समर्थन। तीसरा उपाय है व्यापार समझौतों को तेज करना ताकि अमेरिकी बाजार पर निर्भरता कम हो। चौथा उपाय है विश्व व्यापार संगठन जैसे मंचों पर कानूनी और कूटनीतिक लड़ाई।

वैसे अमेरिका की यह नीति खुद उसके लिए भी जोखिम भरी है। यूरोपीय संघ और चीन के साथ एक साथ टकराव वैश्विक मंदी को न्योता दे सकता है। भारत इस पूरे खेल में संतुलन की भूमिका निभा रहा है। न तो आंख दिखा रहा है और न ही आंख झुका रहा है। यही रणनीतिक परिपक्वता है। देखा जाये तो डोनाल्ड ट्रंप की शैली टैरिफ धमकी और दबाव पर आधारित रही है लेकिन मोदी की शैली नीतियों और सुधारों पर टिकी है। दोनों नेताओं के बीच यही मूल फर्क है। भारत ने दिखा दिया है कि टैरिफ से डर कर फैसले नहीं बदले जाते बल्कि अर्थव्यवस्था को इतना मजबूत बनाया जाता है कि टैरिफ बेअसर हो जाएं।

उधर, अमेरिका के सौर गठबंधन से हटने का फैसला भी यही बताता है कि वह सहयोग की नहीं बल्कि नियंत्रण की राजनीति चाहता है। इसके उलट भारत बहुपक्षीय सहयोग का पक्षधर रहा है। यही कारण है कि आज भारत को ग्लोबल साउथ की आवाज माना जा रहा है। देखा जाये तो आज भारत की अर्थव्यवस्था सिर्फ आंकड़ों की कहानी नहीं है बल्कि आत्मविश्वास की कहानी है। निर्यात का बढ़ना, घरेलू मांग का मजबूत होना और सुधारों की निरंतरता यह सब बताता है कि भारत सही दिशा में है। अमेरिका चाहे जितनी भी ऊंची दीवार खड़ी करे भारतीय अर्थव्यवस्था उसके ऊपर से रास्ता निकाल लेगी।

साथ ही यूरोपीय संघ और चीन के लिए भी यह समय आत्ममंथन का है। अमेरिकी दबाव के आगे झुकना समाधान नहीं है। भारत ने यह रास्ता दिखा दिया है कि आर्थिक मजबूती ही सबसे बड़ा जवाब है। इसलिए यह साफ है कि टैरिफ की राजनीति अल्पकालिक हथियार है जबकि सुधार और आत्मनिर्भरता दीर्घकालिक शक्ति हैं। मोदी की नीतियां इसी दीर्घकालिक सोच पर आधारित हैं। अगर अमेरिका 500 प्रतिशत टैरिफ का हथौड़ा उठाता है तो भारत के पास नीति सुधार, उपभोक्ता शक्ति और वैश्विक साझेदारी की पूरी ढाल मौजूद है। यही वजह है कि शोर चाहे जितना भी तेज हो, भारत की चाल शांत लेकिन घातक बनी हुई है।

बहरहाल, अमेरिका चाहे यह कह दे कि व्यापार समझौता इसलिए अटका क्योंकि मोदी ने फोन नहीं किया, लेकिन सच्चाई इससे कहीं अलग है। मोदी ऐसे नेता नहीं हैं जो दबाव में आकर या किसी के इशारे पर फैसले लें। भारत की नीति फोन कॉल से नहीं, राष्ट्रीय हित से तय होती है। अगर शर्तें देश के हित में नहीं हैं, तो मोदी पीछे हटने में संकोच नहीं करते। यही कारण है कि भारत आज आत्मविश्वास के साथ दुनिया से बात करता है। अमेरिका को यह समझना होगा कि नया भारत सम्मान चाहता है, आदेश नहीं। मोदी की विदेश नीति साफ है, बराबरी पर बात होगी, दबाव में नहीं।

घर में नहीं दाने, बांग्लादेश चले पाकिस्तान से जेएफ-17 थंडर लड़ाकू विमान खरीद कर लाने

दक्षिण एशिया के सामरिक परिदृश्य में एक नई हलचल तब देखने को मिली जब पाकिस्तान ने दावा किया कि बांग्लादेश उसके साथ जेएफ-17 थंडर लड़ाकू विमान की खरीद में रुचि दिखा रहा है। हम आपको बता दें कि यह जानकारी पाकिस्तान और बांग्लादेश के वायुसेना प्रमुखों के बीच इस्लामाबाद में हुई उच्च स्तरीय बैठक के बाद सामने आई। इस बैठक में दोनों देशों ने रक्षा सहयोग को आगे बढ़ाने, प्रशिक्षण, तकनीकी सहयोग और वायुसेना की क्षमताओं को मजबूत करने जैसे मुद्दों पर चर्चा की। पाकिस्तान की ओर से यह भी कहा गया कि बातचीत के दौरान जेएफ-17 जैसे बहु भूमिका वाले लड़ाकू विमानों की संभावित बिक्री पर गंभीर विचार हुआ।

हम आपको बता दें कि जेएफ-17 थंडर एक हल्का, अपेक्षाकृत सस्ता और बहु उद्देश्यीय लड़ाकू विमान माना जाता है, जिसे पाकिस्तान और चीन ने मिलकर विकसित किया है। पाकिस्तान इसे लंबे समय से अपनी वायुसेना की रीढ़ के रूप में पेश करता रहा है। हालांकि बांग्लादेश की ओर से अब तक इस प्रस्ताव पर कोई औपचारिक बयान नहीं आया है, लेकिन पाकिस्तान का यह दावा ही क्षेत्रीय राजनीति और सुरक्षा विश्लेषकों के लिए काफी है। इसी बातचीत के दौरान दोनों देशों के बीच वर्षों से बंद सीधी हवाई सेवाओं को फिर से शुरू करने पर भी सहमति बनी, जिसे आपसी संबंधों में नई गर्माहट के रूप में देखा जा रहा है। यह घटनाक्रम ऐसे समय पर सामने आया है जब बांग्लादेश की आंतरिक आर्थिक स्थिति दबाव में है और क्षेत्रीय स्तर पर शक्ति संतुलन लगातार बदल रहा है।

देखा जाये तो बांग्लादेश का पाकिस्तान से जेएफ-17 लड़ाकू विमान खरीदने में रुचि दिखाना केवल एक रक्षा सौदे की खबर नहीं है, यह एक तेज और साफ संदेश है। यह संदेश है कि ढाका अब नए विकल्पों की ओर बढ़ने को तैयार है। सवाल यह नहीं है कि जेएफ-17 कितना सक्षम या सस्ता विमान है, असली सवाल यह है कि बांग्लादेश यह कदम क्यों उठा रहा है और इसके पीछे की मंशा क्या है।

सबसे पहले सामरिक दृष्टि से देखें तो जेएफ-17 चीन और पाकिस्तान की संयुक्त रणनीतिक सोच का उत्पाद है। यह विमान तकनीकी रूप से भले ही मध्यम श्रेणी का हो, लेकिन इसका राजनीतिक वजन कहीं ज़्यादा है। पाकिस्तान इसे भारत के खिलाफ अपनी क्षमता के प्रतीक के रूप में पेश करता रहा है। ऐसे में बांग्लादेश द्वारा इस विमान में रुचि दिखाना सीधे तौर पर क्षेत्रीय शक्ति संतुलन में नई रेखाएं खींचने जैसा है। भारत की पूर्वी सीमाओं के पास पाकिस्तान से जुड़ा कोई भी रक्षा सहयोग स्वाभाविक रूप से चिंता पैदा करता है।

अब इससे भी बड़ा और चौंकाने वाला पहलू है बांग्लादेश की आर्थिक हालत। देश इस समय गंभीर आर्थिक दबावों से जूझ रहा है। महंगाई, विदेशी मुद्रा भंडार पर दबाव, आयात खर्च और आम जनता की क्रय शक्ति में गिरावट जैसी समस्याएं साफ दिखाई दे रही हैं। ऐसे माहौल में लड़ाकू विमानों की खरीद कोई मामूली खर्च नहीं है। यह अरबों रुपये की दीर्घकालिक प्रतिबद्धता होती है, जिसमें रखरखाव, प्रशिक्षण और भविष्य के उन्नयन का बोझ भी जुड़ा रहता है। ऐसे में सवाल उठता है कि जब देश की अर्थव्यवस्था सांसें गिन रही हो, तब आसमान में उड़ने वाले विमानों पर इतना भारी दांव क्यों लगाया जा रहा है?

देखा जाये तो इस सवाल का जवाब राजनीति और संदेश में छिपा है। पाकिस्तान से हथियार खरीदना केवल तकनीकी फैसला नहीं, बल्कि

एक राजनीतिक कदम है। 1971 की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि को देखते हुए पाकिस्तान और बांग्लादेश के संबंध कभी सहज नहीं रहे। अब अचानक रक्षा सहयोग, सीधी हवाई सेवाएं और सैन्य बातचीत यह संकेत देती है कि ढाका पुराने अध्यायों को पीछे छोड़कर नए समीकरण गढ़ना चाहता है। लेकिन यह समीकरण किसके खिलाफ और किसके लिए है, यह सवाल अनदेखा नहीं किया जा सकता।

भारत के संदर्भ में यह घटनाक्रम विशेष रूप से महत्वपूर्ण है। भारत और बांग्लादेश के संबंध हाल के वर्षों में कभी सहयोग तो कभी तनाव के दौर से गुजरे हैं। सीमा, जल बंटवारा और राजनीतिक बयानबाजी ने रिश्तों को जटिल बनाया है। ऐसे में पाकिस्तान के साथ बांग्लादेश का बढ़ता रक्षा संवाद नई रणनीतिक चुनौती के रूप में उभर सकता है। यह केवल सैन्य संतुलन की बात नहीं है, बल्कि क्षेत्रीय भरोसे की भी परीक्षा है।

यह भी गौर करने लायक है कि चीन इस पूरी तस्वीर में खामोश लेकिन मजबूत भूमिका निभा रहा है। जेएफ-17 के जरिए चीन अप्रत्यक्ष रूप से बांग्लादेश की रक्षा व्यवस्था में अपनी पैठ बढ़ा सकता है। यानी यह सौदा तीन देशों की रणनीति का संगम बन सकता है, जहां आर्थिक रूप से दबाव में खड़ा बांग्लादेश खुद को एक बड़े भू राजनीतिक खेल का हिस्सा बना रहा है।

बहरहाल, यह साफ है कि बांग्लादेश की यह पहल सिर्फ लड़ाकू विमान खरीदने की इच्छा नहीं, बल्कि अपनी विदेश और सुरक्षा नीति को नए सांचे में ढालने का प्रयास है। लेकिन जब अर्थव्यवस्था कमजोर हो, तब आक्रामक सैन्य फैसले अक्सर जोखिम भरे साबित होते हैं। यह कदम यह दर्शाता है कि ढाका आर्थिक तर्कों से ज्यादा सामरिक और राजनीतिक संकेतों को महत्व दे रहा है। दक्षिण एशिया के लिए यह एक चेतावनी है कि आने वाले समय में यहां की राजनीति व सुरक्षा और ज्यादा जटिल और टकरावपूर्ण हो सकती है।

छोटी कंपनियां, बड़ा प्रभाव : वैश्विक परिवेश में व्यवसाय की सुगमता

किसी भी देश के तेज आर्थिक विकास के लिए वहां व्यवसाय सुगमता जरूरी है। इसलिए यह आवश्यक है कि व्यवसाय शुरू करने, चलाने और बंद करने की प्रक्रियाओं को सरल, कुशल तथा लागत-प्रभावी बनाया जाए, ताकि नियामकीय जटिलताओं तथा प्रशासनिक बाधाओं को कम किया जा सके और निवेशकों को आकर्षित किया जा सके। साथ ही आर्थिक विकास को भी बढ़ावा मिले।

विश्व बैंक का 'व्यवसाय सुगमता सूचकांक' देशों की व्यवसाय सुगमता को मापता है। इसके लिए वह व्यवसाय शुरू करने, अनुमति पत्र प्राप्त करने, बिजली-पानी की सुविधा, कर भुगतान, ऋ ण उपलब्धता, अनुबंध लागू करने और सीमा-पार व्यापार जैसे मानकों के आधार जांच करके उन देशों को वर्गीकृत करता है। व्यवसाय सुगमता सूचकांक में भारत को इस वर्ष 190 देशों में से 63वां स्थान मिला है। पिछले वर्ष यह 77वें स्थान पर था। इस वर्ष भारत ने चौदह स्थान का सुधार किया है।

व्यवसाय सुगमता का उद्देश्य कारोबार के लिए पूरे जीवनकाल में नियमों, परमिट और प्रशासनिक प्रक्रियाओं की जटिलता तथा समय को कम करने के साथ ही अनुकूल विनियामक वातावरण बनाना है, जो संपत्ति अधिकारों को स्पष्ट करे और विवादों को सुलझाने की लागत कम करे।

इसका उद्देश्य एकल इलेक्ट्रानिक मंच बनाना, कागज रहित व्यवस्था करना और डिजिटल कर प्रणाली के माध्यम से प्रक्रियाओं को सुव्यवस्थित करना है। उच्च रैंकिंग देश की छवि को सुधारती है, निवेश आकर्षित करती है और वैश्विक बाजारों में प्रतिस्पर्धात्मक लाभ देती है। व्यवसाय की सुगमता वर्तमान वैश्विक परिवेश को देखते हुए बहुत जरूरी है। इसके लिए केंद्र एवं राज्य सरकारों, नियामक संस्थाओं, व्यवसायिक संगठनों और व्यवसायियों के साझा प्रयास जरूरी हैं।

देश में अधिकांश व्यावसयिक गतिविधियों का संचालन कंपनी स्वरूप में होता है। इनमें भी छोटी कंपनियों की महत्त्वपूर्ण भूमिका होती है। व्यवसाय सुगमता छोटी कंपनियों के लिए और जरूरी हो जाती है, ताकि वे कम से कम कानूनी औपचारिकताओं के साथ अपना कार्य संचालन कर देश की अर्थव्यवस्था में अपना अहम योगदान कर सकें।

हाल में कारपोरेट कार्य मंत्रालय ने छोटी कंपनियों के लिए अनुपालन का बोझ कम करने के उद्देश्य से एक दिसंबर 2025 से कई उपाय किए हैं। छोटी कंपनियों के लिए चुकता पूंजी का मानदंड चार करोड़ रुपए से बढ़ा कर दस करोड़ रुपए और कारोबार का मानदंड चालीस करोड़ रुपए से बढ़ा कर सौ करोड़ रुपए कर दिया है। इससे अपेक्षाकृत अधिक पूंजी वाली कंपनियां भी छोटी कंपनी की श्रेणी में आ जाएंगी और उन पर भी अनुपालन का बोझ कम हो सकेगा।

कंपनी अधिनियम 2013 के अंतर्गत तकनीकी और प्रक्रिया संबंधी उल्लंघनों को अपराध की श्रेणी से बाहर करने का कार्य अधिनियम में संशोधन के माध्यम से दो चरणों में किया गया है। इस तरह कंपनी अधिनियम, 2013 के तहत 51 प्रकार के मामलों को अपराध की श्रेणी से हटा दिया गया है। इसके अलावा सीमित देयता साझेदारी अधिनियम 2021 के अंतर्गत 12 प्रकार के मामलों को अपराध की श्रेणी से बाहर कर दिया गया है।

इस संशोधन से अदालतों और राष्ट्रीय कंपनी विधि अधिकरण पर इस तरह के मामलों का बोझ कम करने में सहायता मिलेगी और व्यवसायी भी तनावमुक्त होकर अपने व्यवसाय का कुशल संचालन कर सकेगा। व्यवसाय सुगमता की दृष्टि से छोटे-छोटे उपक्रमों का आपस में विलय भी होता रहता है, इनके त्वरित विलय के दायरे को फरवरी 2021 में विस्तारित किया गया, ताकि एक नवउद्यम का अन्य लघु कंपनियों के साथ विलय आसानी से हो सके।

सितंबर 2025 में इस दायरे को और विस्तृत किया गया, ताकि ज्यादा कंपनियां इस आपसी विलय के साथ सुगमता पूर्वक अपने कार्य का संचालन कर सकें। इसके अलावा, समयबद्ध तरीके से अनुमोदन सुनिश्चित करने के उद्देश्य से त्वरित विलय के लिए 'मानित अनुमोदन' की व्यवस्था शुरू की गई है। इसके अंतर्गत शर्तें पूरी होने पर दो या अधिक उपक्रमों का स्वतः विलय मान लिया जाता है। व्यवसाय सुगमता के लिए राहें इसीलिए आसान की गई हैं।

भारतीय सार्वजनिक कंपनियों द्वारा स्वीकृत विदेशी क्षेत्राधिकारों में प्रतिभूतियों को सीधे सूचीबद्ध करने की अनुमति दे दी गई है। इससे उत्पादों को एक बड़ा प्रोत्साहन मिलता है और पूंजी का वैकल्पिक स्रोत प्राप्त होता है तथा निवेशक आधार को व्यापक बनाने में मदद मिलती है। यदि कोई छोटी कंपनी अपने कंपनी स्वरूप से बाहर निकलना चाहे, तो इसके लिए त्वरित कारपोरेट निकासी प्रसंस्करण केंद्र की स्थापना मई 2023 में की गई। इसका उद्देश्य हितधारकों को उनकी कंपनियों और सीमित दायित्व साझेदारी के नामों को रजिस्टर से समय पर और प्रक्रियाबद्ध तरीके से हटाने के लिए परेशानी मुक्त 'फाइलिंग' प्रदान करना और उन्हें सक्षम बनाना है।

व्यापार सुगमता को बढ़ावा देने, अनुपालन को मजबूत करने, पारदर्शिता बढ़ाने और 'कारपोरेट फाइलिंग' को सुव्यवस्थित करने के लिए समुचित प्रावधान किए गए हैं। अब सभी फाइलिंग इसी प्रणाली के माध्यम से की जा रही हैं, जो पहले से भरे हुए 'मास्टर डेटा' के साथ वास्तविक समय पर सत्यापन प्रदान करता है। इससे मानवीय त्रुटियां और अनुपालन की समय सीमा कम हो जाती हैं। हितधारकों को मार्गदर्शन के लिए नियमित रूप से वेबिनार और प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं।

पोर्टल पर 'वीडियो ट्यूटोरियल', 'चैटबाट' और अक्सर पूछे जाने वाले प्रश्न उपलब्ध हैं, जो उपयोगकर्ताओं को रिटर्न दाखिल करने में सहायता करते हैं। यह पोर्टल एक 'डैशबोर्ड' की सुविधा प्रदान करता है, जो हितधारकों को भुगतान में सक्षम बनाता है। इससे पारदर्शिता बढ़ती है। पोर्टल से संबंधित शिकायतों के निवारण के लिए सहायता केंद्रस्थापित किया गया है। व्यवसाय सुगमता कंपनी प्रारूप के अतिरिक्त अन्य प्रारूपों में संचालित होने वाले उपक्रमों के लिए भी जरूरी है। इस दृष्टि से भी प्रयास किए जाने की आवश्यकता है।

छोटे स्तर पर शुरू किए जाने वाले व्यवसायों के पंजीकरण और अन्य क्रियाकलापों का सरलीकरण करने की दृष्टि से एकल विंडो प्रणाली लागू की जा सकती है, जिससे व्यापारियों को एक ही स्थान पर सभी आवश्यक सेवाएं मिल सकें। व्यापारिक प्रक्रियाओं को डिजिटल बनाने और ई-गवर्नेंस लागू करने जैसे उपाय भी आवश्यक हैं, ताकि व्यापारियों को आनलाइन सेवाएं मिल सकें। व्यावसायिक नियमों और विनियमों को सरल तथा स्पष्ट बनाया जाना चाहिए।

छोटे स्तर पर व्यापार करने वालों को या तो पूरी तरह से कर मुक्त किया जाए या उन पर बहुत कम कर बोझ हो, साथ ही कर प्रणाली को सरल बनाया जाए, ताकि व्यापारियों को आसानी हो। जिन व्यवसायों में किसी प्रकार के लाइसेंस या परमिट की व्यवस्था है, वहां इस प्रक्रिया को या तो समाप्त कर दिया जाए या उनको सरल बनाया जाए, ताकि व्यापारियों को जल्दी से जल्दी लाइसेंस एवं परमिट मिल सकें। जो व्यवसाय आनलाइन माध्यम से संभव हों उनके लिए आभासी व्यापार मंच बनाए जाएं, जिससे व्यापारियों को परस्पर आनलाइन व्यापार करने में आसानी हो। ऐसे बहुत से व्यवसाय हैं, जिनमें व्यापारियों के लिए व्यावसायिक शिक्षा और प्रशिक्षण की जरूरत रहती है। लिहाजा उनके लिए समुचित व्यवस्था की जानी चाहिए, ताकि वे अपना कारोबार और बेहतर ढंग से चला सकें।

मुख्यमंत्री पद की शपथ भूल गईं ममता? आई-पीएसी पर ईडी रेड में दखल को लेकर मोहन यादव का तंज

भोपाल **(एजेंसी)**। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने शुक्रवार को भारतीय राजनीतिक कार्रवाई समिति (आई-पीएसी) पर प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की छापेमारी पर मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की प्रतिक्रिया की आलोचना करते हुए कहा, 'उनका यह कदम उचित नहीं माना जाएगा। मुख्यमंत्री यादव ने इस बात पर भी जोर दिया कि किसी भी राज्य के मुख्यमंत्री से केंद्र सरकार के किसी भी विभाग के साथ सहयोग करने की अपेक्षा की जाती है। भोपाल में पत्रकारों से बात करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा, 'किसी भी राज्य के मुख्यमंत्री से ईडी या केंद्र सरकार के किसी भी विभाग के साथ सहयोग करने की अपेक्षा की जाती है। हम इसके लिए शपथ भी लेते हैं। लेकिन अगर कोई इतनी लापरवाही बरते, तो मुझे लगता है कि यह ठीक नहीं है। राज्य की मुख्यमंत्री होने के नाते, उनका यह कदम उचित नहीं माना जाएग।

यह घटनाक्रम पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी द्वारा कोयला तस्करी मामले के सिलसिले में कोलकाता में राजनीतिक परामर्श फर्म आई-पैक के कार्यालयों पर ईडी की छापेमारी के दौरान कथित हस्तक्षेप के बाद सामने आया है।ममता बनर्जी ने सार्वजनिक सड़क पर स्थित आई-पैक कार्यालय का दौरा किया और केंद्रीय एजेंसी पर पार्टी से संबंधित डेटा, लैपटॉप, मोबाइल फोन और रणनीतिक दस्तावेजों को गैरकानूनी रूप से जब्त करने का आरोप लगाया। उन्होंने आरोप लगाया कि फोरेंसिक विशेषज्ञों ने छापेमारी के दौरान डेटा स्थानांतरित किया, इसे 'अपराध' करार दिया और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को बंगाल में तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के खिलाफ लोकतांत्रिक तरीके से लड़ने की चुनौती दी।

हिमाचल प्रदेश के सिरमौर में पहाड़ी से नीचे गिरी बस, आठ लोगों की मौत और पांच अन्य घायल

शिमला **(एजेंसी)**। हिमाचल प्रदेश के सिरमौर जिले में शुक्रवार को एक निजी बस के खाई में गिरने से आठ लोगों की मौत हो गई और पांच अन्य यात्री घायल हो गए। पुलिस ने यह जानकारी दी।

सोशल मीडिया पर प्रसारित वीडियो में बड़ी संख्या में लोगों को बचाव कार्य में मदद करते और बस के मलबे से घायलों को निकालने की कोशिश करते देखा जा सकता है। पुलिस ने बताया कि यह दुर्घटना हरिपुरधार इलाके में उस समय हुई जब बस सोलन से आ रही थी और बस सड़क से 100 से 200 फुट नीचे जा गिरी।

पुलिस के मुताबिक, बस गिरने के बाद पलट गयी और दुर्घटना के बाद स्थानीय लोग बचाव कार्य के लिए दौड़े व पुलिस को इसकी सूचना दी। उद्योग मंत्री व शलाई विधानसभा क्षेत्र से विधायक हर्षवर्धन चौहान ने बताया कि जिला प्रशासन को अलर्ट कर दिया गया है और ददाहू, संगड़ाह और नाहन के अस्पतालों में चिकित्सा दल तैयार हैं। विधायक ने कहा कि दुर्घटना का कारण अब तक पता नहीं चल पाया है। उन्होंने दुर्घटना पर शोक व्यक्त किया।

हिमाचल सरकार को बड़ा झटका, 30 अप्रैल से पहले कराने होंगे पंचायत चुनाव; हाई कोर्ट ने दिया आदेश

शिमला **(एजेंसी)**। हिमाचल प्रदेश उच्च न्यायालय ने पंचायती राज चुनाव 30 अप्रैल से पहले सम्पन्न करवाने के आदेश जारी किए हैं। न्यायाधीश न्यायमूर्ति विवेक सिंह ठाकुर और न्यायाधीश न्यायमूर्ति रोमेश शर्मा की अदालत ने यह फैसला सुनाया।

अदालत ने 28 फरवरी तक चुनाव संबंधी प्रक्रिया पूरी करने के लिए पूरी करने के लिए कहा है। इसके अलावा 30 अप्रैल तक पंचायती राज चुनाव सम्पन्न करवाने के भी आदेश जारी किए गए हैं। याचिकाकर्ता डिक्कन कुमार ठाकुर और याचिकाकर्ता के एडवोकेट नंदलाल ठाकुर ने इसे बड़ी राहत बताया। याचिकाकर्ता ने कहा कि सरकार डिजास्टर एक्ट हवाला देकर पंचायती राज चुनाव को नहीं टाल सका।

राज्य सरकार ने कोर्ट को बताया था कि पंचायत चुनाव टालने की उनकी कोई मंशा नहीं है, लेकिन मौजूदा परिस्थितियों को देखते हुए इसके लिए कम से कम छह महीने का समय आवश्यक है। सरकार ने दलील दी थी कि प्रदेश में नई पंचायतों, पंचायत समितियों और नगर निगम की परिसीमा निर्धारण की प्रक्रिया चल रही है, जिसके चलते समय पर चुनाव करवाने में व्यावहारिक कठिनाइयां आ रही हैं।

याचिकाकर्ताओं ने सरकार की दलीलों पर सवाल उठाते हुए कहा था कि आपदा या परिसीमा निर्धारण का हवाला देकर चुनाव को अनिश्चितकाल तक टालना उचित नहीं है। उन्होंने स्पष्ट किया था कि नई पंचायतों और जिला परिषदों की परिसीमा निर्धारण की प्रक्रिया चुनाव संपन्न होने के बाद भी जारी रखी जा सकती है।

याचिकाकर्ताओं की ओर से सुप्रीम कोर्ट के फैसले का हवाला देते हुए कहा गया था कि समय पर चुनाव करवाना सरकार का संवैधानिक दायित्व है और परिसीमन जैसी गतिविधियों का हवाला देकर इन्हें नहीं टाला जा सकता।

एमएएनयू भूमि विवाद : केटीआर का कांग्रेस पर 'जमीन हड़पने' का आरोप, छात्रों के साथ करेंगे आंदोलन

हैदराबाद **(एजेंसी)**। भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामाराव (केटीआर) ने शुक्रवार को तेलंगाना में कांग्रेस सरकार की आलोचना करते हुए उस पर मौलाना आजाद राष्ट्रीय उर्दू विश्वविद्यालय (एमएएनयू) की 50 एकड़ जमीन को अवैध रूप से हथियाने का आरोप लगाया। बंजारा हिल्स के नंदी नगर स्थित एक आवास पर एमएएनयू के छात्रों से मुलाकात के बाद उन्होंने ये टिप्पणियां कीं, जहां छात्रों ने उन्हें अपनी चिंताओं से अवगत कराया।

छात्रों ने केटीआर को बताया कि वे राज्य सरकार द्वारा विश्वविद्यालय को पहले आवंटित जमीन को वापस लेने के कदम का कड़ा विरोध करते हैं, और कहा कि इस तरह की कार्रवाई से संस्थान के भविष्य के विस्तार और शैक्षणिक विकास पर गंभीर प्रभाव पड़ेगा। बैठक के बाद मीडिया को संबोधित करते हुए केटीआर ने आरोप लगाया कि कांग्रेस सरकार राज्य भर में विश्वविद्यालयों की जमीनों को सुनियोजित तरीके से निशाना बना रही है और 'लगातार जमीन हड़पने वाले' की तरह व्यवहार कर रही है।

उन्होंने कहा कि एमएएनयू, देश का एकमात्र विशेष उर्दू विश्वविद्यालय और हैदराबाद का गौरव, रियल एस्टेट हितों के लिए जानबूझकर कमजोर किया जा रहा है। केटीआर ने आरोप लगाया कि कांग्रेस एक प्रतिष्ठित शिक्षण संस्थान का इस्तेमाल अचल संपत्ति संबंधी जरूरतों के लिए करना चाहती है। इस सरकार ने विश्वविद्यालय की जमीनों पर कब्जा करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। उन्होंने पहले भी कृषि विश्वविद्यालय की जमीन को उच्च न्यायालय के नाम पर अधिग्रहित करने के प्रयासों और हैदराबाद केंद्रीय विश्वविद्यालय (एचसीयू) की लगभग 400 एकड़ जमीन पर कब्जा करने के कथित प्रयास का जिक्र किया।

केटीआर ने दावा किया कि एचसीयू भूमि मामले पर सर्वोच्च न्यायालय द्वारा अस्थायी रोक लगाने और 10, 000 करोड़ रुपये के भूमि घोटाले पर टिप्पणी करने के बावजूद, न तो केंद्र सरकार और न ही राज्य सरकार ने कोई उचित जांच शुरू की। उन्होंने कहा कि यदि केंद्र ने तब कड़ा कदम उठाया होता, तो राज्य सरकार एमएएनयू जैसे किसी अन्य केंद्रीय विश्वविद्यालय को निशाना बनाने की हिम्मत नहीं करती। केटीआर ने कहा कि बीआरएस एमएएनयू के छात्रों के साथ मजबूती से खड़ी रहेगी और जरूरत पड़ने पर इस मुद्दे को दिल्ली ले जाएगी और राज्यसभा सहित संसद में भी उठाएगी। उन्होंने वादा किया कि बीआरएस की भावी सरकार में विश्वविद्यालय के विस्तार और बुनियादी ढांचे के लिए पर्याप्त धनराशि आवंटित की जाएगी।

दिल्ली मस्जिद विवाद में 'बिग बॉस' विजेता और फेमस एक्टर गिरफ्तार

लखनऊ **(एजेंसी)**। टीवी इंडस्ट्री के मशहूर एक्टर और रियलिटी शो 'बिग बॉस' के विजेता प्रिंस नरूला (झिहर्म र्ल्ले) इन दिनों सोशल मीडिया पर छाए हुए हैं। वजह है एक वायरल वीडियो, जिसमें कथित तौर पर उन्हें पुलिस के साथ जाते हुए दिखाया गया है।

इस वीडियो के सामने आने के बाद फैंस और इंटरनेट यूजर्स के बीच चर्चा और अटकलें तेज हो गई हैं। सोशल मीडिया पर वायरल इस वीडियो में प्रिंस नरूला को पुलिस के साथ जाते हुए दिखाया गया है। वीडियो सामने आते ही इंटरनेट पर तरह-तरह की बातें शुरू हो गईं। कुछ यूजर्स इसे असली गिरफ्तारी मान रहे हैं, तो कई इसे शूट या प्रैंक का हिस्सा बता रहे हैं। वहीं कुछ यूजर्स ने दावा करना शुरू कर दिया कि प्रिंस नरूला को दिल्ली में गिरफ्तार कर लिया गया है और यह कार्रवाई कथित तौर पर एक फेक न्यूज फैलाने के मामले से जुड़ी है। यहां तक कहा गया कि मस्जिद गिराने से जुड़ी अफवाह फैलाने के आरोप में उन्हें हिरासत में लिया गया है।

हालांकि, इन तमाम अटकलों पर अब खुद प्रिंस नरूला ने अपनी चुप्पी तोड़ी है। प्रिंस ने टेली चक्कर से बातचीत में साफ कहा, 'मैं गिरफ्तार नहीं हुआ हूं। यह वीडियो एक ब्रांड शूट का हिस्सा था।' उनकी इस सफाई के बाद यह स्पष्ट हो गया कि सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा वीडियो भ्रामक है और इसे गलत संदर्भ में फैलाया गया। असल में प्रिंस नरूला और कथित मस्जिद गिराने के मामले के बीच कोई भी संबंध नहीं है।

अमित शाह के कार्यालय के बाहर टीएमसी सांसदों का प्रदर्शन, पुलिस ने हिरासत में लिया तो भड़कीं महुआ मोइत्रा

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। देश की राजधानी दिल्ली में राजनीतिक तापमान उस समय अचानक बढ़ गया जब तृणमूल कांग्रेस के कई सांसदों ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के कार्यालय के बाहर जोरदार प्रदर्शन किया। इस प्रदर्शन में तृणमूल कांग्रेस की सांसद महुआ मोइत्रा, राज्यसभा सांसद डेरेक ओ'ब्रायन और कीर्ति आजाद भी शामिल थे। प्रदर्शन का

कारण राजनीतिक रणनीति से जुड़ी संस्था आई-पैक और उससे संबंधित लोगों पर प्रवर्तन निदेशालय की छापेमारी थी। तृणमूल कांग्रेस का आरोप है कि केंद्रीय एजेंसियों का इस्तेमाल विपक्ष को डराने और चुनावी तैयारियों को बाधित करने के लिए किया जा रहा है।

प्रदर्शन के दौरान सांसदों ने केंद्र सरकार के खिलाफ नारे लगाए और आरोप लगाया कि लोकतंत्र को कुचलने की कोशिश हो रही है। हालात तब और गंभीर हो गए जब दिल्ली पुलिस ने प्रदर्शनकारी सांसदों को हिरासत में लेना शुरू किया। सांसदों को हिरासत में लेकर पार्लियामेंट स्ट्रीट थाने ले जाया गया। तृणमूल कांग्रेस नेतृत्व ने इसे सत्ता का दुरुपयोग करार दिया। पार्टी प्रमुख ममता बनर्जी ने इस कार्रवाई की कड़ी निंदा करते हुए कहा कि केंद्र सरकार जांच एजेंसियों को राजनीतिक हथियार के रूप में इस्तेमाल कर रही है। उनका कहना है कि विपक्ष की आवाज दबाने के लिए डर और दमन का सहारा लिया जा रहा है।

वहीं केंद्र सरकार का पक्ष है कि प्रवर्तन निदेशालय की कार्रवाई पूरी तरह कानूनी प्रक्रिया के तहत की जा रही है और इसमें किसी प्रकार की राजनीतिक मंशा नहीं है। पुलिस का कहना है कि बिना अनुमति प्रदर्शन करने के कारण कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए कार्रवाई करनी पड़ी। उधर, पुलिस हिरासत से छूटने के बाद तृणमूल सांसदों ने केंद्र सरकार को जमकर घेरा।

टीएमसी सांसद कीर्ति आज़ाद ने आई-पैक ऑफिस पर ईडी की छापेमारी पर कहा, 'हम लोग शांतिपूर्ण तरीके से अमित शाह के कार्यालय के बाहर ईडी की छापेमारी के विरूद्ध प्रदर्शन कर रहे थे लेकिन प्रश्न उठता है कि ईडी की रेड विशेष तौर पर और जबरदस्ती तौर पर क्यों किए जा रहे हैं? उन्होंने कहा कि अमित शाह ने खुद कहा था कि हिमंत बिस्वा सरमा को जेल में जालेंगे, अजीत पवार के विरूद्ध प्रधानमंत्री ने कहा था कि 70 हजार करोड़ का घोटाला हुआ था, बंगाल के एक नेता सुवेंदु अधिकारी को भी 5 लाख रुपये की हेरा-फेरी करते देखा गया था। क्या ईडी केवल उन विरोधियों के खिलाफ काम कर रही है जिसके खिलाफ वे (भाजपा) जीत नहीं सकते? क्या भाजपा की हिम्मत नहीं कि वे वहां (पश्चिम बंगाल) आकर ममता बनर्जी के खिलाफ जीत सकें? कीर्ति आजाद ने कहा कि आज 2 बजे हमारी नेत्री कोलकाता की सड़कों पर मार्च करेंगी ईडी के असंवैधानिक कार्रवाई पर। गैर राजनीतिक रूप से हम पर जो कार्रवाई की गई है उसके खिलाफ हमें कुछ नहीं कहना, यह जो भी किया गया है, जो भी रेड हुई है वह उचित नहीं अनुचित है।'

ताइवान पर चीन का बड़ा साइबर युद्ध! खुफिया रिपोर्ट में खुलासा- रोज हो रहे 26 लाख हमले

ताइपे **(एजेंसी)**। ताइवान के राष्ट्रीय सुरक्षा ब्यूरो (एनएसबी) के एक नए खुफिया आकलन के अनुसार, चीन ने ताइवान के खिलाफ अपने साइबर हमलों को तेजी से बढ़ा दिया है और 2025 में औसतन प्रतिदिन 2.63 मिलियन हमले किए हैं। द एपोच टाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार, रिपोर्ट में चेतावनी दी गई है कि चीन आवश्यक नागरिक और सरकारी नेटवर्क में घुसपैठ करने और उन्हें बाधित करने के प्रयासों को तेज कर रहा है।

द एपोच टाइम्स के अनुसार, एनएसबी के अध्ययन, जिसका शीर्षक '2025 में ताइवान के महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे के लिए चीन के साइबर खतरों का विश्लेषण' है, से पता चलता है कि साइबर हमलों की संख्या 2023 की तुलना में 113 प्रतिशत बढ़ गई है, जब ताइपे ने पहली बार इस तरह के आंकड़े सार्वजनिक करना शुरू किया था। ये हमले तेजी से सार्वजनिक जीवन के लिए महत्वपूर्ण प्रणालियों को निशाना बना रहे हैं, जिनमें बिजली आपूर्ति, आपातकालीन चिकित्सा सेवाएं, दूरसंचार और सरकारी कामकाज शामिल हैं। इन घुसपैठों का दायरा और सटीकता यह संकेत देती है कि चीन भविष्य में किसी भी टकराव की स्थिति में ताइवान की आंतरिक प्रणालियों को पंगु बनाने की तैयारी कर रहा है।

ताइवान के अधिकारियों ने इस गतिविधि को चीन समर्थित पांच हैकिंग इकाइयों - ब्लैकटेक, फ्लैक्स टाइफून, मस्टैंग पांडा, एपीटी41 और यूएनसी3886 - से जोड़ा है। इन समूहों ने ऊर्जा, स्वास्थ्य सेवा, संचार और प्रमुख उच्च-तकनीकी उद्योगों से संबंधित क्षेत्रों में बार-बार घुसपैठ की है। राष्ट्रीय सुरक्षा ब्यूरो (एनएसबी) की रिपोर्ट है कि चीनी हैकरों ने दूरसंचार नेटवर्क को ठप्प करने के उद्देश्य से बड़े पैमाने पर वितरित सेवा से इनकार (डिस्ट्रिब्यूटेड डिनायल-ऑफ-सर्विस) हमले किए, साथ ही गुप्त अभियानों के माध्यम से बुनियादी ढांचे के मध्यस्थों में घुसपैठ करके जानकारी चुराई और अपनी पकड़ मजबूत की।

ताइवान के राष्ट्रीय रक्षा और सुरक्षा अनुसंधान संस्थान के शोधकर्ता शेन मिंग-शिह ने कहा कि चीन की आक्रामक शक्ति अब व्यक्तिगत हैकरों के बजाय एआई-संचालित स्वचालन पर बहुत अधिक निर्भर करती है। इससे बीजिंग को बड़े पैमाने पर निरंतर, अनुकूलनीय हमले करने की सुविधा मिलती है। शेन ने चेतावनी दी कि साइबर युद्ध किसी भी संघर्ष का प्रारंभिक चरण हो सकता है। उन्होंने कहा कि बिजली ग्रिड, संचार और सरकारी समन्वय नेटवर्क को पंगु बनाकर, चीन किसी भी भौतिक हमले से पहले ताइवान की रक्षा को कमजोर कर सकता है, जैसा कि द एपोच टाइम्स ने रिपोर्ट किया है।

वेनेजुएला मामले पर ट्रंप को बड़ा झटका, अमेरिकी सीनेट में प्रस्ताव पास; विरोध में पड़े 52 वोट

न्यूयॉर्क **(एजेंसी)**। वेनेजुएला को लेकर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को बड़ा राजनीतिक झटका लगा है। अमेरिकी संसद के ऊपरी सदन सीनेट में एक अहम प्रस्ताव पास हो गया है, जो विदेशों में सैन्य कार्रवाई को लेकर राष्ट्रपति की शक्तियों को सीमित करता है।

इस प्रस्ताव के पक्ष में 52 वोट पड़े, जबकि 47 सीनेटरों ने ट्रंप के समर्थन में वोट दिया। खास बात यह रही कि ट्रंप की अपनी रिपब्लिकन पार्टी के 5 सीनेटरों ने भी उनके खिलाफ वोट किया। इससे साफ हो गया कि वेनेजुएला मुद्दे पर ट्रंप को अपनी ही पार्टी में पूरा समर्थन नहीं मिल रहा है।

यह प्रस्ताव खास तौर पर वेनेजुएला में संभावित अमेरिकी सैन्य कार्रवाई को रोकने के लिए लाया गया था। प्रस्ताव में साफ कहा गया है कि अमेरिका कांग्रेस (संसद) की अनुमति के बिना किसी भी देश के खिलाफ युद्ध या सैन्य कार्रवाई नहीं कर सकता। राष्ट्रपति को किसी भी बड़े सैन्य कदम से पहले संसद की मंजूरी लेनी होगी। इसका सीधा मतलब है कि अब ट्रंप के लिए वेनेजुएला या किसी अन्य देश में सेना भेजना या हमला करना आसान नहीं होगा। राष्ट्रपति के अधिकारों पर लगाम लग गई है।

सीनेट के इस फैसले के बावजूद अमेरिका ने वेनेजुएला पर अपनी सख्ती कम नहीं की है। मादुरो की गिरफ्तारी के बाद भी अमेरिकी सेना कैरिबियन क्षेत्र में तैनात है। ट्रंप प्रशासन का कहना है कि ड्रग तस्करी में शामिल जहाजों और नावों पर कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी। हाल ही में अमेरिका ने वेनेजुएला जा रहे एक रूसी तेल टैंकर को भी जब्त किया था।

ट्रंप ने वेनेजुएला की अंतरिम नेता और मादुरो की पूर्व सहयोगी डेल्सी रोड्रिगेज को कड़ी चेतावनी दी है। उन्होंने कहा कि अगर वह अमेरिका की शर्तें नहीं मानती हैं, तो उन्हें मादुरो से भी बड़ी कीमत चुकानी पड़ सकती है। इसके अलावा ट्रंप ने कोलंबिया और ग्रीनलैंड के खिलाफ भी सैन्य कार्रवाई की धमकी दी है।

ट्रंप का साफ कहना है कि अमेरिका वेनेजुएला की सरकार पर लंबे समय तक नियंत्रण बनाए रखना चाहता है। वहां के तेल उद्योग को अमेरिकी कंपनियों के लिए खोलना चाहता है। हालांकि, अभी यह स्पष्ट नहीं है कि इस योजना में अमेरिकी सेना की भूमिका क्या होगी और इसे किस तरह लागू किया जाएगा, खासकर तब जब सीनेट ने राष्ट्रपति की शक्तियों पर सवाल खड़े कर दिए हैं।

अमेरिका अब इंटरनेशनल नियमों से 'आज़ाद' हो रहा है, दुनिया को बांटने की कोशिश कर रहा है : मैक्रों

पेरिस **(एजेंसी)**। फ्रांस के प्रेसिडेंट इमैनुएल मैक्रों ने अमेरिका की मौजूदा पॉलिसी की आलोचना की है। मैक्रों ने आलोचना करते हुए एक बड़ा बयान दिया है। मैक्रों ने चेतावनी दी है कि अमेरिका 'इंटरनेशनल नियमों से आज़ाद' होता जा रहा है और उन नियमों को तोड़ रहा है जिन्हें वह हाल तक बढ़ावा देता रहा था।

मैक्रों का यह तीखा बयान तब आया है जब कुछ दिन पहले ही यूएस की स्पेशल फोर्स ने वेनेजुएला के प्रेसिडेंट निकोलस मादुरो और उनकी पत्नी सेलिया फ्लोरेस को पकड़कर न्यूयॉर्क ले आई थी। इस घटना की इंटरनेशनल लेवल पर आलोचना हो रही है कि यूएस इंटरनेशनल कानूनों को तोड़ रहा है। नज़रअंदाज़ कर रहा है।

फ्रांस के प्रेसिडेंट ने डोनाल्ड ट्रंप की दूसरी सरकार की पॉलिसी की आलोचना की। उन्होंने चिंता जताते हुए कहा कि आज दुनिया में ऐसा माहौल बन गया है जहां लोग हर दिन सोचते हैं कि क्या ग्रीनलैंड पर हमला होगा या क्या कनाडा को अमेरिका का 51वां राज्य बनने की धमकी दी जाएगी? ध्यान देने वाली बात यह है कि ट्रंप ने ग्रीनलैंड पर कब्ज़ा करने के लिए ताकत के इस्तेमाल से इनकार नहीं किया है, जिससे डेनमार्क और दूसरे नाटो सहयोगी देश नाराज़ हैं।

मैक्रों ने अपने सालाना भाषण में कहा कि यूनाइटेड नेशंस के अलग-अलग इंटरनेशनल ऑर्गनाइज़ेशन दिन-ब-दिन 'बेअसर' होते जा रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि इन ऑर्गनाइज़ेशन का सबसे बड़ा पार्टनर (यूएस) अब इनके लिए ज़िम्मेदार है। वह इससे सहमत नहीं हैं। उन्होंने अपने डिप्लोमैट्स से अपील की कि वे सिर्फ़ दर्शक न बनें, बल्कि इस स्थिति को बदलने के लिए एक्शन लें। एक्शन लें। मैक्रों ने कहा कि दुनिया की बड़ी ताकतों को अब पूरी दुनिया को आपस में बांटने का लालच हो गया है, जो दुनिया में शांति का एक ज़रिया है।

'ट्रंप अपने देश पर ध्यान दें' ईरान में माहौल खराब होने पर सुप्रीम लीडर खामेनेई ने अमेरिका को लताड़ा

तेहरान **(एजेंसी)**। रान में आर्थिक बदहाली और गिरती मुद्रा के खिलाफ उबल रही जनता के बीच सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई ने ळए को जमकर लताड़ा है। शुक्रवार (9 जनवरी 2026) को सरकारी टेलीविजन पर देश को संबोधित करते हुए खामेनेई ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को कड़ा जवाब दिया। उन्होंने ट्रंप को याद दिलाया कि घमंड के शिखर पर बैठे फिरौन, निमरूद और रजा शाह जैसे तानाशाहों का जो हश्र हुआ, वही ट्रंप का भी होगा।

खामेनेई ने जून 2025 में हुए इजरायल-अमेरिकी हमलों का जिक्र करते हुए कहा कि उस 12 दिनों के युद्ध में 1, 000 से ज्यादा ईरानी शहीद हुए थे। उन्होंने आरोप लगाया कि ट्रंप ने खुद इन हमलों के आदेश दिए थे, जिससे साबित होता है कि उनके हाथ बेगुनाहों के खून से रंगे हैं। उन्होंने तंज कसते हुए कहा, 'अगर ट्रंप को देश चलाना आता, तो वे अपना देश संभालते, यहाँ दखल नहीं दे रहे होते।'

खामेनेई ने सड़कों पर उतरे प्रदर्शनकारियों को 'विदेशी शक्तियों के एजेंट' और 'भाड़े के लोग' करार दिया। उन्होंने कहा कि यह इस्लामिक रिपब्लिक लाखों सम्मानित लोगों के बलिदान से बनी है और यह कुछ उपद्रवियों के सामने पीछे नहीं हटेगी।

ईरान के सभी 31 प्रांतों में विरोध की आग फैल चुकी है। निर्वासित प्रिंस रजा पहलवी के समर्थन के बाद आंदोलन और तेज हो गया है। स्थिति को बिगड़ते देख सरकार ने पूरे देश में इंटरनेट और

डोनाल्ड ट्रंप ने कर दिया बड़ा ऐलान, वेनेजुएला के बाद अब मेक्सिको पर लैंड स्ट्राइक करेगा अमेरिका!

वाशिंगटन **(एजेंसी)**। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने गुरुवार रात को इंटरव्यू में कहा कि अमेरिका मेक्सिको में ड्रग कार्टेल्स के खिलाफ जमीनी कार्रवाई शुरू करने वाला है। उनका कहना है कि मेक्सिको पर ड्रग तस्करों का नियंत्रण है और हर साल अमेरिका में 3, 00, 000 लोगों की मौत ड्रग्स के कारण हो रही है।

ट्रंप ने दावा किया कि अमेरिका समुद्री रास्तों से आने वाली 97 प्रतिशत ड्रग्स को रोकने में सफल रहा है। अब उनका ध्यान ड्रग तस्करी के जमीनी मार्गों पर होगा। ट्रंप ने कहा, 'कार्टेल्स मेक्सिको को चला रहे हैं, और यह बहुत दुखद है।'

ट्रंप ने वेनेजुएला के अपदस्थ राष्ट्रपति निकोलस मादुरो और उनकी सरकार पर ड्रग कार्टेल्स को संरक्षण देने और अमेरिका तक ड्रग्स पहुंचाने का आरोप लगाया। हाल ही में अमेरिका ने वेनेजुएला की राजधानी काराकस में ऑपरेशन कर मादुरो और उनकी पत्नी को हिरासत में लिया। न्यूयॉर्क में उनके खिलाफ अमेरिकी कानून के तहत मुकदमा चल रहा है।

मेक्सिको ने हाल ही में हत्याओं में 40इ कमी के आंकड़े पेश कर ट्रंप प्रशासन को दिखाने की कोशिश की कि देश अपराध के खिलाफ प्रभावी कदम उठा रहा है। लेकिन ट्रंप की जमीनी कार्रवाई की चेतावनी से स्पष्ट है कि अमेरिका इस मुद्दे पर और सख्त रुख अपनाने की योजना बना रहा है।

मेक्सिको की राष्ट्रपति क्लाउडिया शीनबॉम ने कहा कि मेक्सिको किसी भी तरह की विदेशी सैन्य कार्रवाई को स्वीकार नहीं करेगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि सुरक्षा सहयोग तभी होगा जब यह देश की संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता का सम्मान करता हो। शीनबॉम ने दोहराया कि ड्रग तस्करी और संगठित अपराध के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय सहयोग जरूरी है, लेकिन यह बराबरी और आपसी सम्मान के आधार पर होना चाहिए।

भिवंडी निजामपुर महानगरपालिका चुनाव के लिए प्रशासन पूरी तरह तैयार

भिवंडी (संवाददाता)

मंत्र न्यूज

भिवंडी निजामपुर शहर महानगरपालिका 15 जनवरी 2026 को होने वाले महानगरपालिका सार्वत्रिक चुनाव के लिए पूरी तरह से तैयार है। महानगरपालिका आयुक्त एवं निर्वाचन अधिकारी अनमोल सागर (भा.प्र.से.) के नेतृत्व में मतदान और मतगणना की सभी आवश्यक तैयारियां लगभग पूरी कर ली गई हैं।

प्रशासन की ओर से मतदान के लिए 820 कंट्रोल यूनिट और 1640 बैलेट यूनिट की जांच एवं सीलिंग का कार्य पूरा कर लिया गया है। शहर में कुल 750 मतदान केंद्र बनाए गए हैं। मतदाताओं की सुविधा के लिए प्रत्येक मतदान केंद्र पर छाया मंडप, पीने के पानी की व्यवस्था के साथ-साथ वरिष्ठ नागरिकों और दिव्यांग मतदाताओं के लिए डोली एवं व्हीलचेयर की सुविधा उपलब्ध कराई गई है।

मतदान केंद्रों वाली इमारतों में मुख्य चिकित्सा स्वास्थ्य विभाग की ओर से प्राथमिक उपचार किट की व्यवस्था की गई है तथा आशा कार्यकर्ताओं की नियुक्ति की गई है। इसके

अलावा, प्रत्येक निर्वाचन निर्णय अधिकारी के कार्यालय में एंबुलेंस सहित एक मेडिकल टीम तैनात की गई है। मुस्लिम बहुल इलाकों में पर्दानशीन महिला मतदाताओं की पहचान सुनिश्चित करने के लिए 350 महिला कर्मचारियों की विशेष नियुक्ति की गई है।

आदर्श आचार संहिता के पालन को लेकर अतिरिक्त आयुक्त-1 एवं आचार संहिता पथक के नोडल अधिकारी विट्ठल डाके के नेतृत्व में अब तक दो मामलों में कुल 12 लाख 65 हजार 900 रुपये नकद जब्त किए गए हैं और आचार संहिता उल्लंघन के 6 मामले दर्ज किए गए हैं। आचार संहिता पथक लगातार चुनाव प्रचार के दौरान उल्लंघन पर कड़ी नजर रखे हुए है।

मानव संसाधन प्रबंधन के तहत अतिरिक्त आयुक्त-2 श्रीमती नयना ससाणे और उप आयुक्त (निर्वाचन) विक्रम दराडे के मार्गदर्शन में कुल 4500 कर्मचारियों की नियुक्ति की गई है। इसके साथ ही 100 क्षेत्रीय अधिकारियों की भी तैनाती की गई है। कर्मचारियों को विभिन्न चरणों में प्रशिक्षण दिया गया है। प्रशिक्षण में अनुपस्थित रहने वाले कर्मचारियों को नोटिस जारी किए जाने के बाद दूसरे प्रशिक्षण सत्र में उपस्थिति में उल्लेखनीय सुधार देखने को मिला।

मतदान केंद्रों पर तैनात 268 महिला कर्मचारी अन्य शहरों से आने वाली हैं, जिनके ठहरने की व्यवस्था महानगरपालिका द्वारा की गई है। इसके अलावा, शाला क्रमांक 22/62 में विशेष रूप से महिलाओं के लिए पिंक (गुलाबी) बूथ तथा दांडेकर शाला में एक मॉडल बूथ तैयार किया जाएगा। महानगरपालिका प्रशासन ने नागरिकों से अपील की है कि वे अधिक से अधिक संख्या में मतदान कर जिम्मेदार नागरिक होने का परिचय दें और शहर के विकास में सहभागी बनें।

भिवंडी में सपा की अंदरूनी सियासत गरमाई

बागी विधायक रईस शेख के खिलाफ उम्मीदवारों का मोर्चा.

भिवंडी (संवाददाता)

मंत्र न्यूज

भिवंडी में समाजवादी पार्टी (सपा) के भीतर चल रही अंदरूनी कलह अब खुलकर सामने आने लगी है। महानगर पालिका की 90 सीटों के लिए हो रहे चुनाव के बीच सपा उम्मीदवारों और पार्टी के ही विधायक रईस कासम शेख के बीच टकराव की स्थिति बन गई है। हालात ऐसे हो गए हैं कि सपा उम्मीदवारों ने बागी रुख अपनाने वाले विधायक के खिलाफ प्रतीकात्मक विरोध और राजनीतिक दबाव की रणनीति अपना ली है।

जानकारी के अनुसार, समाजवादी पार्टी ने भिवंडी की 90 सीटों में से 59 सीटों पर अपने उम्मीदवारों को साइकिल निशान पर मैदान में उतारा है। पार्टी को उम्मीद थी कि मौजूदा विधायक रईस कासम शेख संगठन को मजबूती देंगे, लेकिन इसके उलट विधायक ने पार्टी लाइन से हटकर कदम उठाते हुए अपने समर्थकों को कांग्रेस और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरद पवार गुट) से सपा उम्मीदवारों के खिलाफ चुनावी मैदान में उतार दिया है। इतना ही नहीं, भिवंडी पूर्व और पश्चिम विधानसभा क्षेत्र से सपा विधायक रईस शेख पर आरोप है कि वे सपा उम्मीदवारों के लिए प्रचार करने के बजाय कांग्रेस और राकांपा (शरद पवार गुट) के प्रत्याशियों के समर्थन में गली-गली, नुक्कड़ सभाएं और जनसभाएं कर रहे हैं। विधायक की इस भूमिका से सपा के स्थानीय कार्यकर्ताओं और उम्मीदवारों में भारी नाराजगी देखी जा रही है। इस नाराजगी के बीच अब सपा उम्मीदवारों और कार्यकर्ताओं ने एक नया रुख अपनाया है। बताया जा रहा है कि जिन इलाकों में विधायक रईस शेख कांग्रेस या राकांपा उम्मीदवारों के समर्थन में प्रचार या रैली करेंगे, वहां सपा कार्यकर्ता पहुंचकर 'समाजवादी पार्टी जिंदाबाद' के नारे लगाएंगे। हाल ही में कुछ स्थानों पर सपा उम्मीदवारों द्वारा विधायक रईस शेख का फूल बरसाकर स्वागत किए जाने की घटनाएं भी सामने आई हैं, जिसे सियासी गलियारों में व्यंग्यात्मक विरोध और दबाव की रणनीति के रूप में देखा जा रहा है।

सपा नेताओं का कहना है कि विधायक रईस शेख ने अब तक न तो पार्टी से इस्तीफा दिया है और न ही विधायक पद छोड़ा है। ऐसे में पार्टी के भीतर रहकर विरोधी दलों के लिए प्रचार करना अनुशासनहीनता की श्रेणी में आता है। सपा कार्यकर्ताओं का मानना है कि अगर विधायक पार्टी में हैं तो उन्हें सपा उम्मीदवारों के लिए ही काम करना चाहिए।भिवंडी की राजनीति में यह घटनाक्रम चुनावी माहौल को और दिलचस्प बना रहा है। एक ओर विपक्षी दल इस अंदरूनी खींचतान से फायदा उठाने की कोशिश में हैं, वहीं दूसरी ओर सपा नेतृत्व के सामने भी अनुशासन और संगठन को संभालने की बड़ी चुनौती खड़ी हो गई है। आने वाले दिनों में यह देखना अहम होगा कि पार्टी इस बगावत पर क्या कदम उठाती है और इसका असर चुनावी नतीजों पर किस रूप में दिखाई देता है।

भिवंडी में चुनाव से पहले हथियारों की दस्तक

देशी बंदूक के साथ युवक गिरफ्तार

भिवंडी (संवाददाता)

मंत्र न्यूज

चुनावी माहौल के बीच भिवंडी में पुलिस ने एक बार फिर अवैध हथियारों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए देशी बंदूक और जिंदा कारतूस के साथ एक युवक को गिरफ्तार किया है। यह गिरफ्तारी ऐसे समय में हुई है जब मनपा चुनाव को लेकर इलाके में सुरक्षा व्यवस्था चाक-चौबंद की जा रही है।

पुलिस के मुताबिक, नालापार इलाके के खुले मैदान के पास देर रात गश्त के दौरान एक युवक संदिग्ध हालत में दिखाई दिया। पुलिस को देखकर वह घबराया और भागने की कोशिश करने लगा। संदेह के आधार पर जब उसे रोका गया और तलाशी ली गई, तो उसके पास से एक देशी बंदूक और दो जिंदा कारतूस बरामद हुए। हथियार रखने का उसके पास कोई वैध लाइसेंस नहीं था।गिरफ्तार युवक की पहचान अकरम इफ्तेखार खान (30) के रूप में हुई है, जो भिवंडी का ही रहने वाला बताया जा रहा है। प्राथमिक जांच में सामने आया है कि आरोपी बेरोजगार है और चुनावी माहौल में किसी आपराधिक वारदात को अंजाम देने की फिराक में हो सकता था। हालांकि पुलिस इस पहलू की गहन जांच कर रही है कि हथियार कहां से लाया गया और इसके पीछे कोई संगठित गिरोह या राजनीतिक कनेक्शन तो नहीं है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ भारतीय हथियार अधिनियम की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज कर लिया है। साथ ही, चुनाव आयोग के दिशा-निर्देशों के तहत लागू प्रतिबंधात्मक आदेशों के उल्लंघन का भी केस जोड़ा गया है।?वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों का कहना है कि चुनाव के दौरान किसी भी तरह की कानून-व्यवस्था बिगाड़ने की कोशिश को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। अवैध हथियारों पर सख्त नजर रखी जा रही है और शहर के संवेदनशील इलाकों में लगातार गश्त बढ़ा दी गई है।फिलहाल आरोपी को अदालत में पेश कर पुलिस रिमांड की मांग की गई है। पुलिस यह भी जांच कर रही है कि क्या इस युवक का पहले से कोई आपराधिक रिकॉर्ड है और क्या चुनावी रंजिश या दबाव में वह हथियार लेकर घूम रहा था।

प्रभाग 11 में आरपीआई (एकतावादी) की सियासी गूंज

बादशाह भाई के पैनल को मिल रहा जबरदस्त समर्थन

भिवंडी (संवाददाता)

मंत्र न्यूज

भिवंडी महानगरपालिका चुनाव के तहत प्रभाग क्रमांक 11 में रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया (एकतावादी) ने अपनी मजबूत मौजूदगी दर्ज करानी शुरू कर दी है। सामाजिक कार्यों में लंबे समय से सक्रिय रहे आरपीआई (एकतावादी) पैनल के प्रमुख उम्मीदवार शेख महबूब उर्फ बादशाह भाई के नेतृत्व में शुक्रवार को भव्य रैली निकालकर शक्ति प्रदर्शन किया गया। रैली के दौरान पार्टी की सियासी गूंज पूरे प्रभाग में सुनाई दी। आरपीआई (एकतावादी) पैनल की यह रैली अजय होटल, जब्बार कंपाउंड से शुरू होकर शांतिनगर सब्जी मार्केट, रहमतपुर, गायत्रीनगर, नागांव तालाब और सलाउद्दीन स्कूल होते हुए पुनः अजय होटल पर समाप्त हुई। रैली में वार्ड (अ) से रेहाना मकसूद अंसारी, वार्ड (ब) से लल्सनी बाई जुमडे, वार्ड (क) से खान आबिद सलीम और वार्ड

(ड) से शेख महबूब (बादशाह भाई) संयुक्त रूप से शामिल रहे।

रैली के दौरान पैनल के सभी उम्मीदवारों का जगह-जगह फूलों से स्वागत किया गया। बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिकों और समर्थकों की मौजूदगी ने यह संकेत दिया कि इस पैनल को मतदाताओं का व्यापक समर्थन मिल रहा है। पार्टी के झंडे, नारों और अनुशासित कार्यकर्ताओं की मौजूदगी ने पूरे इलाके में चुनावी माहौल को गर्मा दिया।

इस अवसर पर शेख महबूब उर्फ बादशाह भाई ने प्रभाग 11 की जमीनी समस्याओं को लेकर तीखा बयान दिया। उन्होंने कहा कि वार्ड में शिक्षा, साफ-सफाई और बुनियादी सुविधाओं का गंभीर अभाव है। कई बार नगरसेवक चुनाव जीतने के बाद यह कहकर जिम्मेदारी से बचते हैं कि यह इलाका उनका वार्ड नहीं है, जिसके चलते क्षेत्र की समस्याएं जस की तस बनी रहती हैं। बादशाह भाई ने कहा कि आंगनवाड़ी, बालबाड़ी, सार्वजनिक शौचालय, स्वच्छता और अन्य मूलभूत सुविधाओं की भारी कमी है और इन्हीं कारणों से यहां के नागरिक वर्षों से परेशान हैं। उन्होंने भरोसा दिलाया कि यदि जनता ने उन्हें चुना, तो वे न केवल अपने वार्ड बल्कि पूरे भिवंडी शहर के विकास के लिए काम करेंगे। आरपीआई (एकतावादी) नेताओं का दावा है कि पार्टी की साफ छवि और सामाजिक सरोकारों को देखते हुए प्रभाग 11 में जनता का रुझान तेजी से उनकी ओर बढ़ रहा है। चुनाव नजदीक आते ही यहां का मुकाबला दिलचस्प होता जा रहा है और आरपीआई (एकतावादी) का यह पैनल मजबूत दावेदार के रूप में उभरता नजर आ रहा है।

पद्मश्री पुरस्कार से अलंकृत प्रो. राम हर्ष सिंह जी की 85वीं जन्म जयंती कल - डॉ गिरीन्द्र सिंह तोमर

बनारस हिंदू यूनिवर्सिटी के ख्याति लब्ध चिकित्सक एवं आयुर्वेद संकाय, चिकित्सा विज्ञान संस्थान के आयुर्वेद संकाय के डीन एवं डॉ सर्वपल्ली राधाकृष्णन राजस्थान आयुर्वेद विश्वविद्यालय के संस्थापक कुलपति पद्मश्री पुरस्कार से अलंकृत स्मृति शेष प्रो. राम हर्ष सिंह जी की 85वीं जन्म जयंती कल दि. 10 जनवरी को प्रातः 11.00 बजे श्री राम हर्षण चिकित्सा निलयम्, त्रिवेणीपुरम्, झूँसी, प्रयागराज में आयोजित की जा रही है । इस अवसर पर उनके शिष्य विश्व आयुर्वेद मिशन के संस्थापक अध्यक्ष एवं आरोग्य भारती के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष, प्रो.(डॉ.) जी एस तोमर गुरु श्रेष्ठ के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर विस्तृत प्रकाश डालेंगे । साथ ही साथ गुरुदेव की स्मृति में विकास भवन, प्रयागराज में अपराह्न 3 से 5 बजे के बीच निःशुल्क बीएमडी (हड्डियों की जाँच) एवं रक्त शर्करा की जाँच सहित स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिविर का आयोजन किया जा रहा है । जिसमें गवर्नमेंट पेंशनर्स वेलफेयर एसोसिएसन के अध्यक्ष पूर्व कमिश्नर (से.नि. आईएएस) आर एस वर्मा एवं वरिष्ठ उपाध्यक्ष पूर्व कमिश्नर (से. नि. आईएएस) बी के सिंह के संरक्षण में एसोसिएशन के शताधिक पेंशनर्स का निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण, ब्लड शुगर व बीएमडी जाँच प्रवेक कल्प के सौजन्य से की जाएगी । ज्ञातव्य हो कि डॉ राम हर्ष सिंह पीड़ित मानवता की सेवा में पूर्णतः समर्पित थे । चिकित्सा कार्य को वह सेवा का सर्वश्रेष्ठ माध्यम मानते थे ।

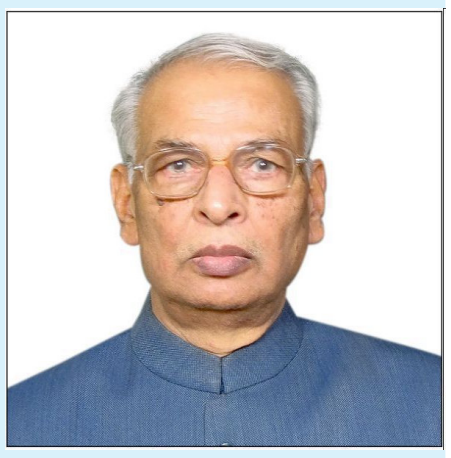

मेरठ घटना पर मायावती ने योगी को दी नसीहत कहा- महिला सुरक्षा के मामले में समुचित ध्यान दे सरकार

मेरठ **(एजेंसी)**। जिले के सरधना क्षेत्र में बृहस्पतिवार को एक युवक ने अनुसूचित जाति की एक महिला की धारदार हथियार से प्रहार कर हत्या करने के बाद उसकी बेटी को कथित रूप से अगवा कर लिया। इस घटना से गांव में आक्रोश व्याप्त है। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने दलित महिला की हत्या और उसकी बेटी के अपहरण की घटना को 'अति-दुखद, शर्मनाक और चिन्तनीय' बताते हुए सरकार से सख्त कार्रवाई की मांग की है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, सरधना थाना क्षेत्र के कपसाड़ गांव में अनुसूचित जाति की एक महिला अपनी 20 वर्षीय बेटी के साथ आज सुबह करीब आठ बजे खेत पर गन्ने की छिलाई के लिए जा रही थी, तभी रास्ते में गांव के रहने वाले पारस नामक युवक ने उन्हें रोक लिया और कथित रूप से अभद्रता करने लगा।

जानकारी के मुताबिक, महिला ने जब इसका विरोध किया तो आरोपी ने गाली-गलौज करते हुए धारदार हथियार से उसके सिर पर वार कर दिया जिससे घायल हुई महिला मौके पर ही गिर पड़ी और इसके बाद आरोपी युवती को जबरन अपने साथ ले गया। गंभीर रूप से घायल हुई महिला को मोदीपुरम स्थित एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया जहां उपचार के दौरान शाम करीब साढ़े चार बजे उसकी मौत हो गई। इस घटना के बाद गांव में आक्रोश व्याप्त हो गया। हालात बिगड़ने की आशंका को देखते हुए गांव में अतिरिक्त पुलिस बल तैनात कर दिया गया है। अधिकारी लगातार गश्त कर रहे हैं और लोगों से शांति बनाए रखने की अपील की जा रही है।

पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच तीखी नोकझोंक की भी सूचना है। इस बीच, बसपा प्रमुख मायावती ने इस घटना की निंदा करते हुए सरकार से सख्त कार्रवाई की मांग की है। उन्होंने 'एक्स' पर कहा, ''मेरठ के सरधना थाना अन्तर्गत दलित मां की हुई हत्या तथा बेटी के अपहरण की ताज़ा घटना अति-दुखद, शर्मनाक एवं चिन्तनीय।'' मायावती ने कहा, ''महिलाओं की इज़्ज़त-आबरू से खिलवाड़ और फिर हत्या आदि की घटनाओं को सरकार पूरी गंभीरता से लेकर दोषियों के खिलाफ तत्काल सख्त कार्रवाई करे ताकि आपराधिक तत्वों को ऐसे घृणित कार्यों से आगे रोका जा सके। सरकार खासकर महिला सुरक्षा के मामले में समुचित ध्यान दे।

ग्रीन मोबिलिटी को नई उड़ान, अशोक लेलैंड की ईवी प्लांट का उद्घाटन

मुख्यमंत्री बोले- अब यूपी अपनी क्षमताओं को परिणाम में बदलने वाला प्रदेश बना

लखनऊ **(एजेंसी)**। प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को कहा कि लखनऊ में अशोक लेलैंड के अत्याधुनिक इलेक्ट्रिक वाहन विनिर्माण संयंत्र का उद्घाटन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में राज्य में निवेशकों के बढ़ते भरोसे को दिखाता है। आदित्यनाथ ने कारखाने के उद्घाटन के मौके पर कहा कि कारखाने की मौजूदा विनिर्माण क्षमता 2, 500 इकाई है, जिसे चरणबद्ध तरीके से बढ़ाकर सालाना 5, 000 इकाई किया जाएगा। कार्यक्रम में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और केंद्रीय भारी उद्योग मंत्री एच डी कुमारस्वामी मौजूद थे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि यह परियोजना औद्योगिक विकास और पर्यावरण संरक्षण के प्रति प्रतिबद्धता का प्रतीक है। ऐसे समय जब दुनिया वैश्विक तापमान में वृद्धि जैसी चुनौतियों से जूझ रही है, इलेक्ट्रिक परिवहन बहुत जरूरी हो गया है। उन्होंने कहा कि यह कारखाना राज्य के हजारों युवाओं के लिए प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार के अवसर पैदा करेगा। निवेश के लिए उत्तर प्रदेश को चुनने के लिए हिंदुजा परिवार को बधाई देते हुए, आदित्यनाथ ने कहा कि यह परियोजना 2017 से राज्य में हुए बदलाव को दिखाता है। उन्होंने कहा, 'उत्तर प्रदेश अब अव्यवस्था के लिए जाने जाने वाले राज्य से बदलकर ऐसा राज्य बन गया है जो क्षमता को नतीजों में बदलता है।'' पिछले आठ से नौ साल में यूपी को 45 लाख करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव मिले बुनियादी ढांचे के विकास पर जोर देते हुए उन्होंने कहा कि राज्य में अब एक्सप्रेसवे का बड़ा नेटवर्क, मेट्रो सेवाएं, देश का सबसे बड़ा रेल नेटवर्क, मालगाड़ियों के लिए दो अलग गलियारे, लॉजिस्टिक केंद्र, रैपिड रेल और अंतर्देशीय जलमार्ग हैं। आदित्यनाथ ने कहा कि पिछले आठ से नौ साल में उत्तर प्रदेश को 45 लाख करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव मिले हैं, जिनमें से कई परियोजनाएं पहले ही शुरू हो चुकी हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि ईवी संयंत्र 'मेक इन इंडिया' और 'आत्मनिर्भर भारत' कार्यक्रमों के अनुरूप है और 'डबल-इंजन' सरकार के तहत तेज विकास का उदाहरण है।

मेरठ के गांव में युवती के अपहरण के बाद पुलिस ने लगाई 10 टीमें

सपा विधायक अतुल प्रधान की एंट्री रोकी, गांव हुआ छावनी में तब्दील

लखनऊ **(एजेंसी)**। प्रदेश के सरधना, बागपत जिले के कपसाड गांव में गुरुवार सुबह हुई दर्दनाक घटना ने पूरे इलाके को झकझोर दिया। घटना में एक युवती का अपहरण किया गया और उसकी मां की हत्या कर दी गई। अब 24 घंटे से अधिक समय बीतने के बाद भी पुलिस को युवती और अपहरणकर्ताओं का कोई सुराग नहीं मिला है।

पुलिस ने इस मामले में 10 टीमें बनाई हैं और युवती तथा आरोपियों की खोज में उत्तर प्रदेश से लेकर उत्तराखंड के कई जिलों में दबिश दी जा रही है। इस बीच, डीएम और एसएसपी लगातार परिजनों से संपर्क में हैं और युवती की बरामदगी के लिए हर संभव प्रयास कर रहे हैं।

घटना के बाद गांव में भारी पुलिस और आरएएफ फोर्स तैनात कर दी गई है। मृतक महिला का शव परिजनों को सौंप दिया गया है, लेकिन परिजन और ग्रामीण युवती की बरामदगी तक अंतिम संस्कार नहीं करेंगे। घटना के समय परिजनों और ग्रामीणों ने एम्बुलेंस में भी तोड़फोड़ की थी।

इस मामले में विपक्षी नेताओं ने भी सरकार को घेरते हुए आरोपियों की गिरफ्तारी और रासुका लगाने की मांग की है। गांव में दलित नेताओं के आने का भी सिलसिला शुरू हो गया है। चर्चा है कि नागिन सांसद चंद्रशेखर आजाद भी गांव पहुँच सकते हैं। वहीं, सपा विधायक अतुल प्रधान को सुरक्षा कारणों से गांव में जाने से रोका गया। मामले के अनुसार, मृतक महिला अपनी बेटी के साथ खेत जा रही थी। तभी मुख्य आरोपी पारस सोम और उसके साथियों ने युवती का अपहरण करने का प्रयास किया। विरोध करने पर महिला को गंभीर चोटें आईं और इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई।

डब्ल्यूपीएल से भारतीय खिलाड़ियों में 'विनिंग माइंडसेट' आया है : हरमनप्रीत कौर

मुंबई (एजेंसी)। भारत और मुंबई इंडियंस की कप्तान हरमनप्रीत कौर ने कहा है कि भारत सिफ़र् एक विश्व कप जीत से संतुष्ट नहीं है, जबकि रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु की कप्तान और भारतीय उपकप्तान स्मृति मंधाना ने कहा कि उनका अगला लक्ष्य टी20 विश्व कप 2026 है और डब्ल्यूपीएल उस लक्ष्य तक पहुंचने का एक अहम रास्ता है। दोनों ने डब्ल्यूपीएल 2026 के उद्घाटन मैच से पहले बताया कि आने वाला यह सीजन किस तरह वनडे चैंपियन को टी20 विश्व कप चैंपियन बनने में मदद कर सकता है।

मंधाना ने कहा, 'अगर हम टी20 विश्व कप जीतते हैं, तो बहुत बढ़िया होगा। हमने वनडे विश्व कप जीता है, लेकिन टीम में अभी भी बहुत सी चीज़ें हैं, जिन पर हमें काम करना है। हम सच में ऐसा समय चाहते हैं, जब हम कह सकें कि'हां हम दुनिया की सबसे बेहतरीन टीम हैं।' मुझे लगता है कि हमें अभी भी बहुत सुधार करना है। मुझे पूरा भरोसा है कि डब्ल्यूपीएल इस अंतर को आने वाले सालों में कम करेगा। जब भी हम भारत के लिए खेलते हैं, हम हमेशा बात करते हैं कि हम सिर्फ एक या दो टूर्नामेंट के लिए नहीं, बल्कि पूरे साल दुनिया की सबसे बेहतरीन टीम बनना चाहते हैं। मैं सोचती हूं कि हर डब्ल्यूपीएल हमें उस लक्ष्य के और करीब ले जा रहा है।'

उन्होंने कहा, 'वनडे विश्व कप जीते हुए डेढ़ महीना ही हुआ है और डब्ल्यूपीएल उसी लय को आगे बढ़ाएगा। डब्ल्यूपीएल में लौटना हमेशा रोमांचक रहता है क्योंकि घरेलू खिलाड़ी, विदेशी खिलाड़ियों के साथ खेलते हैं और यह अनुभव महिला क्रिकेट के लिए बहुत अच्छा है। तो मुझे भरोसा है कि डब्ल्यूपीएल उस मोमेंटम को आगे ले जाएगा, जो हमें विश्व कप ने दिया और उम्मीद है कि यह हमेशा ऐसे ही चलता रहे।'

वहीं हरमनप्रीत ने कहा कि उन्हें यह देखकर खुशी है कि भारतीय टीम में आ रही युवा खिलाड़ी, सीनियर खिलाड़ियों के लक्ष्य से जुड़ी हुई हैं और इसका श्रेय डब्ल्यूपीएल को जाता है, जिसने 'जीतने वाली सोच' दी है। उन्होंने कहा, 'हम सिर्फ एक विश्व कप से संतुष्ट नहीं हैं। हमारे पास इस साल और अगले दो-तीन साल में बहुत क्रिकेट है। हर बार जब हम मैदान पर जाते हैं, तो हम सबसे बेहतरीन माइंडसेट के साथ जाना चाहते हैं और वही माइंडसेट हमारे लिए सबसे जरूरी है।' भारतीय कप्तान ने कहा, 'अच्छी बात यह है कि सिफ़र् हम ही नहीं, बल्कि बाकी खिलाड़ी भी यही सोचते और बोलते हैं कि हम हमेशा चैंपियन बनना चाहते हैं। इससे दिखता है कि डब्ल्यूपीएल ने हम पर कितना बड़ा असर डाला है।' हरमनप्रीत ने यह भी समझाया कि यह टूर्नामेंट युवा खिलाड़ियों को दबाव में खेलने के लिए कैसे तैयार करता है। अब खिलाड़ी अपने कंफ़र्ट ज़ोन में नहीं हैं। वे बहुत मेहनत कर रहे हैं।

डु प्लेसिस और विंस चमके, लेकिन बिजली गिरने की चेतावनी से एसए-20 मैच रद्द

जोहान्सबर्ग (एजेंसी)। वांडरर्स मैदान पर गुरुवार शाम पार्ल रॉयल्स के खिलाफ मुकाबला खराब मौसम के कारण रद्द हो जाने के बाद जॉबर्ग सुपर किंग्स ने एसए20 तालिका में सनराइजर्स ईस्टर्न केप के साथ संयुक्त रूप से शीर्ष स्थान हासिल कर लिया। दोनों टीमों को दो-दो अंक मिले, जिससे सुपर किंग्स के 17 अंक हो गए, जबकि रॉयल्स 15 अंकों के साथ तीसरे स्थान पर बने रहे।

रॉयल्स के कप्तान डेविड मिलर ने साफ आसमान के बीच टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया। सुपर किंग्स के कप्तान फाफ डु प्लेसिस ने बाद में कहा कि वह भी पहले बल्लेबाजी ही चुनते और उन्होंने शुरुआत में इसका भरपूर फायदा उठाया। डु प्लेसिस और नए ओपनिंग साथी जेम्स विंस ने आक्रामक शुरुआत करते हुए 7.3 ओवर में 73 रनों की साझेदारी की।

इससे पहले एमआई केप टाउन के खिलाफ 32 रनों की तेज शुरुआत कर चुकी इस जोड़ी ने इस बार उसे और आगे बढ़ाया। पूरी तरह से गेंद को बीचों-बीच न लगाने के बावजूद डु प्लेसिस ने 24 गेंदों में 39 रन (6 चौके, 1 छक्का) ठोक दिए और रॉयल्स के किशोर तेज गेंदबाज नकोबानी मोकोएना को उनके बुलरिंग डेब्यू पर कड़ा सबक सिखाया। उन्होंने मोकोएना के पहले ओवर में दो चौके लगाए, जबकि अगले ओवर में तीन चौकों और एक छक्के के साथ रफ्तार और बढ़ा दी। उधर, विंस ने भी बाएं हाथ के स्पिनर ब्योर्न फॉर्टुइन को एक छक्का और एक चौका जड़कर दबाव में रखा।

पावरप्ले के अंत तक सुपर किंग्स बिना विकेट खोए 64 रन बना चुके थे। हालांकि सातवें ओवर में रॉयल्स ने अपने 'गोल्डन आर्म' सिकंदर रजा को गेंद सौंपी और जिम्बाब्वे के टी20 कप्तान ने पहली ही गेंद पर असर दिखाया। उन्होंने शानदार ऑफ-स्पिनर से डु प्लेसिस को क्लीन बोल्ड किया। गेंद हवा में ड्रिफ्ट करती हुई अंदर आई, पिच पर पकड़ बनाकर घूमी और सीधे स्टंप्स से टकराई।

मैथ्यू डी विलियर्स और विंस ने दूसरे विकेट के लिए 39 गेंदों में 56 रन जोड़े। विंस ने 33 गेंदों में अपना पहला एसए20 अर्धशतक पूरा करने के बाद एंकर की भूमिका निभाई, जबकि डी विलियर्स ने 22 गेंदों में तेज 30 रन बनाकर उन्हें भी पीछे छोड़ दिया। इस समय सुपर किंग्स 200 के आसपास के स्कोर की ओर बढ़ रहे थे, लेकिन रजा (2/26) ने फिर से हस्तक्षेप किया और डी विलियर्स को लॉन्ग-ऑफ बाउंड्री पर कैच कराकर प्रतियोगिता में सिफ़र् तीन मैचों में अपना नौवां विकेट हासिल किया।

पूर्व क्रिकेटर की विराट कोहली से अपील, टेस्ट क्रिकेट में करें वापसी

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट में विराट कोहली का नाम जुनून, निरंतरता और रिकॉर्ड्स का पर्याय रहा है। मई 2025 में जब उन्होंने टेस्ट क्रिकेट से संन्यास का ऐलान किया, तो यह फैसला कई फैंस और पूर्व खिलाड़ियों के लिए चौंकाने वाला था। अब उसी फैसले पर एक बार फिर बहस तेज़ हो गई है। भारत के पूर्व बल्लेबाज और 2007 टी -20 वर्ल्ड कप विजेता टीम के सदस्य रॉबिन उथप्पा ने एक वायरल सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए कोहली से टेस्ट क्रिकेट में वापसी करने की अपील की है।

रॉबिन उथप्पा ने न्यूज़ीलैंड के खिलाफ आगामी वनडे सीरीज़ से पहले नेट्स में अभ्यास करते विराट कोहली की एक तस्वीर साझा की। इस तस्वीर के साथ उन्होंने लिखा, 'उनकी आंखें एक कहानी कहती हैं। यह निश्चित रूप से टेस्ट रिटायरमेंट वापस लेने का समय है। उन्हें दोबारा टेस्ट क्रिकेट में देखना शानदार होगा।' यह पोस्ट देखते ही देखते वायरल हो गई और क्रिकेट जगत में नई चर्चा को जन्म दे दिया।

विराट कोहली ने मई 2025 में इंग्लैंड के खिलाफ प्रस्तावित पांच टेस्ट मैचों की सीरीज़ से पहले टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लेने की घोषणा की थी। इससे पहले उन्होंने ऑस्ट्रेलिया दौरे पर बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी की शुरुआत पर्थ में शतक के साथ की थी, लेकिन बाकी चार टेस्ट में वह उसी लय को बरकरार नहीं रख सके। भारत को सीरीज़ में 1-3 से हार का सामना करना पड़ा, जिसके बाद बीसीसीआई ने टीम और खिलाड़ियों के प्रदर्शन की समीक्षा की। टेस्ट क्रिकेट से हटने के बावजूद कोहली का फॉर्म पूरी तरह फीका नहीं पड़ा। उन्होंने साउथ अफ्रीका के खिलाफ वनडे सीरीज़ में लगातार दो शतक और एक नाबाद अर्धशतक जड़ा। इसके बाद विजय हजारे ट्रॉफी में दिल्ली के लिए खेलते हुए एक और शतक लगाया। इन प्रदर्शनों ने यह संकेत दिया कि कोहली के भीतर अब भी प्रतिस्पर्धी भूख बाकी है।

विदेशी मुद्रा भंडार 9.81 अरब डॉलर घटकर 686.80 अरब डॉलर पर

मुंबई (एजेंसी)। भारतीय रिजर्व बैंक ने शुक्रवार को कहा कि दो जनवरी को समाप्त सप्ताह के दौरान भारत का विदेशी मुद्रा भंडार 9.81 अरब डॉलर घटकर 686.80 अरब डॉलर पर रहा। इससे पिछले सप्ताह कुल भंडार 3.29 अरब डॉलर बढ़कर 696.61 अरब डॉलर पर रहा था।

केंद्रीय बैंक के आंकड़ों के अनुसार आलोच्य सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार का अहम हिस्सा माने जाने वाले विदेशी मुद्रा परिसंपत्तियां 7.62 अरब डॉलर घटकर 551.99 अरब डॉलर रह गईं। डॉलर के संदर्भ में व्यक्त ये परिसंपत्तियां विदेशी मुद्रा भंडार का एक प्रमुख घटक हैं और इनमें यूरो, पाउंड और येन जैसी गैर-अमेरिकी मुद्राओं के मूल्य में उतार-चढ़ाव का प्रभाव भी शामिल होता है। रिजर्व बैंक ने कहा कि इस दौरान सोने के भंडार का मूल्य 2.06 अरब डॉलर घटकर 111.26 अरब डॉलर रहा। विशेष आहरण अधिकार (एसडीआर) 2.5 करोड़ डॉलर घटकर 18.78 अरब डॉलर रहा। रिजर्व बैंक के आंकड़ों के अनुसार, अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के पास भारत की आरक्षित भंडार भी आलोच्य सप्ताह में 10.5 करोड़ डॉलर घटकर 4.77 अरब डॉलर रहा।

गायकवाड़ लिस्ट ए क्रिकेट में सबसे ज्यादा औसत वाले बल्लेबाज बने, ऑस्ट्रेलियाई दिग्गज को पीछे छोड़ा

जयपुर (एजेंसी)। महाराष्ट्र के ऋतुराज गायकवाड़ ने लिस्ट ए क्रिकेट में सबसे ज्यादा औसत वाले बल्लेबाज बनकर इतिहास रच दिया है। कुछ ही दिन पहले उन्हें न्यूजीलैंड सीरीज के लिए भारत की वनडे टीम से बाहर कर दिया गया था। उनका शानदार औसत 58.83 ऑस्ट्रेलियाई दिग्गज माइकल बेवन के 57.86 से ज्यादा है जिससे वह औसत के हिसाब से लिस्ट ए क्रिकेट में टॉप रैंक वाले बल्लेबाज बन गए हैं।

इस दाएं हाथ के बल्लेबाज ने यह उपलब्धि गुरुवार को चल रही विजय हजारे ट्रॉफी में गोवा के खिलाफ हासिल की, जब उन्होंने जयपुर में महाराष्ट्र के लिए 131 गेंदों पर नाबाद 134 रन बनाए। गायकवाड़ ने लिस्ट ए क्रिकेट में 102.20 के शानदार स्ट्राइक रेट से 5, 060 रन बनाए हैं। गायकवाड़ ने 20 लिस्ट ए शतक और 5000 रन बनाने वाले सबसे तेज खिलाड़ी बनकर भी इतिहास रचा, उन्होंने यह उपलब्धि सिर्फ 99 पारियों में हासिल की। न्यूजीलैंड वनडे टीम से बाहर किए जाने के बाद गायकवाड़ ने पिछले साल दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ अपना पहला वनडे शतक बनाया था, ने इस सीजन का अपना दूसरा शतक लगाया और टूर्नामेंट के इतिहास में संयुक्त रूप से सबसे ज्यादा शतकों के लिए अंकित बावने के रिकॉर्ड की बराबरी की, दोनों के 15-15 शतक हैं। जहां बावने के शतक 101 मैचों में आए हैं। वहीं गायकवाड़ ने वहां तक पहुंचने के लिए सिर्फ 59 मैच लिए। गायकवाड़ की निरंतरता न सिर्फ उनके शतकों में बल्कि सभी फॉर्मेट में उनके आंकड़ों में भी दिखती है। गायकवाड़ ने 59 ऋऊ मैचों में 65.41 के शानदार औसत और 105.00 के स्ट्राइक रेट से 3336 रन बनाए हैं। गायकवाड़ की 131 गेंदों में 134ङ रनों की जुझारू पारी जिसमें 8 चौके और 6 छक्के शामिल थे, ने महाराष्ट्र को 249/7 तक पहुंचाया जिसमें विक्की ओत्सवाल (82 गेंदों में 53 रन, दो चौके और दो छक्के) ने एक महत्वपूर्ण अर्धशतक बनाया। गोवा के रन चेज़ में ललित यादव ने 67 गेंदों में नाबाद 57ङ रन बनाकर अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखा जिसमें 5 चौके और एक छक्का शामिल था, लेकिन वे 5 रन से पीछे रह गए और प्रशांत सोलंकी (4/56) की शानदार चार विकेट की बदौलत उन्हें 244/9 पर रोक दिया गया।

तारा सुतारिया और वीर पहाड़िया की राहें हुईं जुदा, अधूरा छूटा साथ! एपी ढिल्लों कॉन्सर्ट के बाद आई ब्रेकअप की रिपोर्ट

बॉलीवुड के गलियारों से एक चौंकाने वाली खबर सामने आ रही है। साल 2025 में अपनी केमिस्ट्री से सबका ध्यान खींचने वाली जोड़ी, तारा सुतारिया और वीर पहाड़िया के ब्रेकअप की खबरें तेज हैं। अभी कुछ ही महीने पहले तारा और वीर ने सोशल मीडिया पर अपनी रोमांटिक तस्वीरों के जरिए अपने रिश्ते को सार्वजनिक किया था। लेकिन अब 'फिल्मफेयर' की एक रिपोर्ट के अनुसार, इस कपल ने अलग होने का फैसला कर लिया है। उनके करीबी सूत्रों ने इस अलगाव की पुष्टि की है, जिससे 'वीर-तारा' के प्रशंसकों को बड़ा झटका लगा है। फिलहाल, न तो तारा सुतारिया और न ही वीर पहाड़िया ने इन अफवाहों पर कोई आधिकारिक बयान दिया है। दोनों ने ही इस मामले पर चुप्पी साध रखी है। इस अचानक हुए ब्रेकअप के पीछे की असली वजह अभी तक सामने नहीं आई है। फैंस यह जानने को उत्सुक हैं कि आखिर इतने कम समय में इस खूबसूरत जोड़ी के बीच ऐसा क्या हुआ कि बात अलगाव तक पहुँच गई।

वीर और तारा, जिनके बारे में कहा जा रहा था कि उनका रिश्ता अच्छा चल रहा है, एक अप्रत्याशित वजह से सुर्खियों में आ गए। तारा और वीर ने एपी ढिल्लों के मुंबई कॉन्सर्ट के वायरल वीडियो पर बात की, जिसमें तारा ने स्टेज पर सिंगर के साथ एक फ्रेंडली पल शेयर किया था। सोशल मीडिया यूज़र्स ने ऑडियंस में वीर के रिएक्शन पर ज़ूम किया, और इसे उनकी बेचैनी समझा। अफवाहों को खत्म करते हुए, तारा ने इंस्टाग्राम पर 'झूठी कहानियों' और 'पेड पीआर' की आलोचना की। वीर ने भी साफ किया कि वायरल क्लिप को गुमराह करने के लिए एडिट किया गया था। बाद में, सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर ओरी द्वारा पोस्ट किए गए एक अनएडिटेड वीडियो में, वीर को तारा और एपी ढिल्लों के लिए चीयर करते देखा गया। वीर ने वीडियो को रीपोस्ट किया और लिखा, 'सच की हमेशा जीत होती है (जो मीडिया आपको कभी नहीं दिखाएगा)।'

गणेश चतुर्थी पर, तारा और वीर ने साथ में एक कपल पिक्चर शेयर की। पिछले कुछ महीनों में वे शोस्टॉपर के तौर पर रैंप पर भी चले। वीर और तारा ने साल की शुरुआत में डेटिंग शुरू करने के बाद जुलाई 2025 के बीच में अपने रिश्ते को पब्लिक किया। यह सब तब शुरू हुआ जब तारा ने एपी ढिल्लों के ट्रैक 'थोड़ी सी दारू' से उनके साथ एक तस्वीर पोस्ट की। इस पोस्ट पर रिएक्ट करते हुए, वीर पहारिया ने एक स्टार और लाल दिल वाले इमोजी के साथ 'माई' कमेंट किया। तारा ने 'माइन' के साथ एक बुरी नज़र और एक लाल दिल वाला इमोजी रिप्लाई किया - यह जवाब उनके रिश्ते की पुष्टि करता है।

शेयर बाजार लाल, रुपया भी बेहाल! डॉलर के मुकाबले आज आई बड़ी गिरावट

नई दिल्ली (एजेंसी)। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया शुक्रवार को 26 पैसे टूटकर 90.16 (अस्थायी) प्रति डॉलर पर बंद हुआ। कच्चे तेल की बढ़ती कीमतें, विदेशी संस्थागत निवेशकों की पूंजी निकासी और वैश्विक स्तर पर बढ़ते तनाव के कारण रुपए में गिरावट आई। विदेशी मुद्रा कारोबारियों के अनुसार मजबूत अमेरिकी डॉलर और घरेलू शेयर बाजार में कमजोर धारणा भी रुपए पर दबाव डाल रही है। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 89.88 प्रति डॉलर पर मजबूत खुला लेकिन कारोबार के दौरान इसमें गिरावट आई और यह अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 90.16 (अस्थायी) पर बंद हुआ, जो पिछले बंद भाव से 26 पैसे की गिरावट है। कारोबार के दौरान मुद्रा का मूल्य 89.88 और 90.25 के बीच रहा। रुपया बृहस्पतिवार को तीन पैसे टूटकर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 89.90 पर बंद हुआ था। फिनरेक्स ट्रेजरी एडवाइजर्स एलएलपी के कार्यकारी निदेशक अनिल कुमार भंसाली ने कहा, 'रुपया 89.88 पर उच्च स्तर पर खुला, लेकिन शेयर बाजारों में फिर से गिरावट शुरू होने के कारण यह टूटकर 90.25 पर आ गया। अमेरिकी उच्चतम न्यायालय का शुल्क पर फैसला आज आने वाला है और हम उस फैसले का इंतजार कर रहे हैं, जिसका असर सोमवार को भारतीय शेयरों और रुपये पर पड़ सकता है।'

इस बीच, छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.11 प्रतिशत बढ़कर 99.04 पर रहा। अंतरराष्ट्रीय मानक ब्रेंट क्रूड का भाव 0.56 प्रतिशत की बढ़त के साथ 62.34 डॉलर प्रति बैरल रहा। मिराए एसेट शेयरखान के शोध विश्लेषक अनुज चौधरी ने कहा, "हम उम्मीद करते हैं कि वैश्विक बाजारों में जोखिम से बचने की प्रवृत्ति और भू-राजनीतिक तनाव के कारण रुपया कमजोर रुख के साथ कारोबार करेगा। अमेरिकी डॉलर में मजबूती और वैश्विक कच्चे तेल की कीमतों में तेजी भी रुपया पर दबाव डाल सकती है।'

एस एंड पी ग्लोबल की चेतावनी, नई खदानें नहीं खुलीं तो बढ़ेगी तांबे की किल्लत

नई दिल्ली (एजेंसी)। दुनिया भर में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (ए.आई.), डाटा सैंटर्स और रक्षा क्षेत्र में बढ़ते खर्च के चलते आने वाले वर्षों में तांबे (कॉपर) की भारी किल्लत पैदा होने की आशंका है। एस एंड पी ग्लोबल की ताजा रिपोर्ट में कहा गया है कि अगर नई खदानें समय पर विकसित नहीं हुईं तो तांबा वैश्विक आर्थिक और तकनीकी विकास के लिए बड़ा संकट बन सकता है। रिपोर्ट के अनुसार ए.आई. डाटा सैंटर्स और रक्षा क्षेत्र से जुड़ी मांग साल 2040 तक करीब तीन गुना हो सकती है। अकेले इन सैक्टरों से तांबे की खपत में करीब 40 लाख मीट्रिक टन की अतिरिक्त बढ़ोतरी होने का अनुमान है।

इलैक्ट्रिक वाहन, रिन्यूएबल एनर्जी, बैटरी स्टोरेज और पावर ग्रिड विस्तार जैसे एनर्जी ट्रांजिशन सैक्टर पहले ही तांबे की मांग को तेजी से बढ़ा रहे हैं। आने वाले वर्षों में मांग का सबसे बड़ा हिस्सा इसी क्षेत्र से आएगा। एक आकलन के मुताबिक वैश्विक तांबे की मांग 2030 तक करीब 3.3 करोड़ टन तक पहुंच सकती है जबकि खदानों में अयस्क की गुणवत्ता गिरने, परमिट और फंडिंग में दिक्कतों के कारण सप्लाई उतनी तेजी से नहीं बढ़ पाएगी।

रिपोर्ट में चेतावनी दी गई है कि अगर हालात नहीं बदले तो 2040 तक तांबे की सप्लाई और डिमांड के बीच करीब 1 करोड़ टन का अंतर बन सकता है। हालांकि रिसाइकल्ड कॉपर की हिस्सेदारी बढ़कर 1 करोड़ टन तक पहुंच सकती है, फिर भी यह कमी पूरी नहीं कर पाएगी। लंदन मार्कीट में तांबे की कीमतें पहले ही 13, 000 डॉलर प्रति मीट्रिक टन के पार पहुंच चुकी हैं। अमेरिका में संभावित टैरिफ और स्टॉकपाइलिंग से भी कीमतों को सपोर्ट मिला है।

मध्य रेल
सोलापुर मण्डल
विद्युत कार्य

भारत के राष्ट्रपति के लिए और उनकी ओर से वरिष्ठ मंडल विद्युत इंजीनियर (क.वि), मध्य रेल, सोलापुर, निम्नलिखित कार्य के लिए ख्याति प्राप्त, अनुभवी और लाईसेंसधारी विद्युत ठेकेदारों से रेल्वे की ई प्रोक्यूरमेंट वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर ऑनलाइन ई निविदा आमंत्रित करते है। **निविदा क्रं.:– सोला/क.वि./नि/2025/21R कार्य का नामः** एमसीआई फिटिंग्स कैंटिलीवर ब्रैकेट असेंबली को फोर्ज्ड फिटिंग्स से प्रतिस्थापित करके सोलापुर डिवीजन दौंड– भिगवान और कलबुर्गी –वाडी सेक्शन के ओएचई में संशोधन। (पुनर्निविदा) **अनुमानित लागतः** रू 3,05,14,570/– **बयाना राशिः–** रू 3,02,600/– **कार्य पुरा करने की अवधिः–** 12 माह। **निविदा प्रस्ताव की वैधताः** 60 दिन। **वेबसाइट पर निविदा बंद होने की तिथि और समयः** दि. 03/02/2026 को 15.00 बजे। ANJ-02

टिकट के लिए UTS APP डाउनलोड करे

मध्य रेल
भुसावल मण्डल
ई–टेंडर नोटिस नं. उप सीई सी बीएसएल–07–2025–26 दिनांक 03.01.2026

उप मुख्य अभियंता (निर्माण) मध्य रेलवे, भुसावल के लिए और भारत के राष्ट्रपति की ओर से निम्नलिखित कार्य के लिए प्रतिष्ठित ठेकेदारों से ई–निविदा के माध्यम से खुली निविदा आमंत्रित की गई है। **1 कार्य का नामः** 'ओधा यार्ड रिमॉडलिंग सहित, संरचना/कटिंग में संबद्ध अर्थवर्क/ब्लैंकेटिंग तथा ट्रैक कार्यों का निष्पादन, जिसमें बैलास्ट की आपूर्ति भी सम्मिलित है, निम्नलिखित स्वीकृत परियोजनाओं के अंतर्गतः 1) ओधा स्टेशन–कुंभ – वर्ष 2027 में कुंभ मेला यातायात के प्रबंधन हेतु चार स्टेबलिंग लाइनों के प्रावधान का कार्य (भूमि अधिग्रहण सहित)। 2) ओधा लंबी दूरी (लॉन्ग हॉल) ट्रेनों के संचालन/हैंडलिंग हेतु लॉन्ग–हॉल सुविधाओं के प्रावधान के लिए यार्ड रिमॉडलिंग। 3) ओधा स्टेशन–कुंभ वर्ष 2027 में कुंभ मेला यातायात के प्रबंधन हेतु अतिरिक्त यात्री प्लेटफॉर्म एवं स्टेबलिंग लाइन के प्रावधान के लिए प्रस्तावित यार्ड रिमॉडलिंग। उपरोक्त सभी परियोजनाएँ मध्य रेलवे के भुसावल मंडल के अंतर्गत हैं। (दो–पैकेट प्रणाली के अंतर्गत)। **2. लगभग निविदा लागतः** Rs. 19,68,72,371.06 **3. बयाना मनी डिपॉजिट (ईएमडी):** Rs. 11,34,400.00 **4. निविदा पुस्तिका की लागतः** शून्य 5 पूर्णता अवधिः '08 (आठ) माह, मानसून सहित' **6. प्रस्ताव की वैधता :** निविदा खोलने की तारीख से 90 दिन। **7. वेबसाइट पताः http://www.ireps.gov.in 8 निविदा दस्तावेजों की उपलब्धता :** निविदा नोटिस दस्तावेज उपरोक्त वेबसाइट पर देखा जा सकता है। **9.** ई–टेंडर 27.01.2026 को 11.00 बजे तक आवश्यक दस्तावेजों के साथ सभी प्रकार से विधिवत रूप से पूरे किए जाएंगे। यदि अवकाश घोषित किया जाता है तो अगले दिन उसी समय निविदाएं खोली जाएंगी, जैसा कि ऊपर बताया गया है। **10 क)** निविदा पूरी तरह से ई–निविदा के माध्यम से ही होगी। सभी इच्छुक निविदाकर्ताओं को पहले IREPS वेबसाइट के साथ रजिस्टर करने की आवश्यकता है। **ख)** संभावित निविदाकर्ताओं को सलाह दी जाती है कि इलेक्ट्रॉनिक रूप से अपना प्रस्ताव प्रस्तुत करने से पहले, उन्हें नियम और शर्तों, पात्रता मानदंडों आदि के संबंध में निविदा विवरणों का उल्लेख करना चाहिए. **ग)** निविदा दस्तावेज और समय–समय पर जारी किए गए शुद्धीकरण इस वेबसाइट पर निविदा खोलने से कम से कम 15 दिन पहले उपलब्ध हैं और वेबसाइट पर देखा जा सकता है। **घ)** वित्तीय दर पृष्ठ में दर्ज की गई दरों और विधिवत हस्ताक्षरित डिजिटल रूप से ही विचार किया जाएगा। **ई)** संलग्न किए जा रहे दस्तावेजों पर निविदाकर्ता द्वारा हस्ताक्षर किए जाने चाहिए।

टिकट के लिए UTS APP डाउनलोड करे

मध्य रेल
भुसावल मण्डल
खुली ई-निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से और उनके लिए, मंडल रेल प्रबंधक (सिगनल एवं दूरसंचार) मध्य रेल, भुसावल द्वारा डिजिटली हस्ताक्षरित ऑन लाईन खुली ई–निविदाएँ पात्र निविदाकर्ताओं से निम्न लिखित कार्य के लिए आमंत्रित की जाती है। **1. ई–निविदा सूचना सं.** बीएसएल–एन–एसएनटी–32.2025–26 दिनांक 29.12.2025, **2. कार्य का नामः** मध्य रेलवे के भुसावल मंडल में चांदनी (सीडीआई) पैनल के इन्डोर इंटरलॉकिंग सिग्नलिंग गियर का इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग से प्रतिस्थापन करने का कार्य **। 3. कार्य की अनुमानित लागतः रु 2,79,06,557.03/– (रुपये दो करोड़ उन्नासी लाख छह हजार पाँच सौ सत्तावन एवं तीन पैसे मात्र) 4. निविदा फार्म/बुकलेट की किमत नहीं 5. बयाना राशी Rs. 2,89,500.00/– 6. कार्य पूरा करने का समय** 9 माह एलओए देने के बाद। **7. निविदा जमा करने की प्रारंभ तिथिः** 09/01/2026 **8. निविदा जमा करने की अंतिम तिथि और समयः** 23/01/2026 के 15:00 बजे तक **9.** निविदा खुलने की तिथि और समय 23/01/2026 के 15:30 बजे (यदि संभव हो तो) **10. वेबसाइट का विवरणजहा से निविदा सूचना के बारे में पूर्ण जानकारी आप प्राप्त कर सकते है।www.ireps.gov.in**

टिकट के लिए UTS App डाउनलोड करें

पश्चिम मध्य रेल
सिगनल एवं दूर संचार विभाग
निविदा सूचना दिनांक– 07.01.2026

भारत संघ के राष्ट्रपति के लिए एवं उनकी ओर से वरि. मं.स.एवं दू.सं.इंजी. (सिगनल एवं दूर संचार) पश्चिम मध्य रेलवे, कोटा मंडल, निम्नलिखित कार्यों Tender No- KOTA/SNT/SIG/2025/38 के लिये निर्धारित ई–निविदाएं आमंत्रित करते हैं टेण्डर खुलने की तारीख एवं समय टेबल में दर्शाया गया है। इस निविदा के लिये किसी भी तरह के मैनुअल प्रस्तावों की अनुमति नहीं है और किसी भी तरह के प्राप्त मैनुअल प्रस्ताव को नजर अंदाज कर दिया जायेगा। **टेन्डर स.:** कोटा/एसएण्डटी/सिग/ 2025/38, **कार्य का नामः** ऑगमेंटेशन ऑफ डाटा लॉगर इंस्टॉल्ड ऑन कोटा डिवीजन फॉर एन्हेंसिंग सेफ्टी ऑफ सिग्नलिंग सिस्टम।, **कार्य की अनुमानित लागतः** Rs. 2,03,62,004.31/-, **बयाना राशिः** Rs. 251800.00/-, **तारीख एवं समयः** दिनाँक 02/02/2026 को 15:00 बजे तक पूर्ण विवरण वेबसाइट **http://www.ireps.gov.in** पर अपलोड की गई हैं। निविदा/बोलीदाताओं के पास कक्षा III डिजीटल हस्ताक्षर प्रमाणपत्र होना आवश्यक है और आई.आर.ई.पी.एस. पोर्टल पर रजिस्टर होना चाहिये। केवल पंजीकृत निविदा/बोलीदाताओं ई–टेण्डरिंग पर भाग ले सकते है। सभी आवश्यक दस्तावेज ई–निविदा में भाग लेने के समय में अपलोड किया जाना चाहिये। पंजीकृत निविदा एण्ड GSTIN रजिस्टर होना चाहिय। (हस्ता.)
वरि.मं.सं. एवं दू.सं.इंजी. (समन्वय)
पश्चिम मध्य रेल, कोटा मण्डल

स्वच्छ भारत अभियान
एक कदम स्वच्छता की ओर

पश्चिम रेलवे
वडोदरा मंडल
विभिन्न सिग्नलिंग कार्य
निविदा सूचना सं. S&T/BRC/25-26/32/SIG
दिनांक : 06-01-2026

भारत के राष्ट्रपति के लिए एवं उनकी ओर से कार्यरत Sr.DTSE/वडोदरा निविदा सं. SandT_BRC_25–26_32_SIG के लिए ई–निविदाएं आमंत्रित करते हैं। बिडर्स बिड बंद होने की तारीख और समय तक उनके प्रमाणित/संशोधित जमा कराने को समर्थ रहेंगे, यह निविदा के सामने मेन्युअल प्रस्तावों की अनुमति नहीं है एवं ऐसे किसी भी प्रकार के मेन्युअल प्रस्तावों को ध्यान में नहीं लिया जायेगा। **(1) कार्य का नाम उसके स्थान सहितः** "आणंद–गोधरा अनुभाग : नॉन–इंटरलॉक्ड LC गेट सं. 3, 21, 27 और 32 के इंटरलॉकिंग" के कार्य के संबंध में इनडोर एवं आउटडोर कार्य सहित LC गेट्स के इंटरलॉकिंग, इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग में रूपांतर/संशोधन, आपूर्ति. संस्थापन, परीक्षण, कमीशनींग जैसे सिग्नलिंग कार्य। **(2) कार्य की अनुमानित लागतः** ₹ 3,31,51,851.06 **(3) जमा कराने की बयाना राशीः** ₹ 3,15,800.00 **(4) ई–निविदा जमा कराने एवं ई–निविदा खोलने की तिथि एवं समयः** दिनांक 30/01/2026 को 15:00 बजे एवं दिनांक 30/01/2026 को 15:30 बजे निविदा खोली जाएगी **(5) वेबसाईट का विवरण एवं नोटीस का स्थान जहाँ से विवरण देखे जा सकते हैं आदिः** http://www.ireps.gov.in
वरिष्ठ मंडल संकेत व दुरसंचार अभियंता, द्वितीय तल, एनेक्ष बिल्डींग, म.रे.प्र. कार्यालय, पश्चिम रेलवे, प्रतापनगर, वडोदरा–390 004. BRC-314

हमें फॉलो करें: X DRMBRCWR • drm_vadodara

चुनावी महासफर

MAHARASHTRA LEGISLATIVE ASSEMBLY ELECTION

वार्ड 39, कांदिवली पूर्व में विकास की अनुभवी आवाज़

शिवसेना महायुति उम्मीदवार विनया विष्णु सावंत

दिव्यांश

मुंबई महानगरपालिका चुनाव 2026 के मद्देनज़र कांदिवली पूर्व का वार्ड क्रमांक 39 इस बार एक ऐसे नेतृत्व की ओर देख रहा है, जो अनुभव, संवेदनशीलता और जमीनी समझ के साथ विकास को आगे बढ़ा सके। शिवसेना महायुति की उम्मीदवार विनया विष्णु सावंत, जो पूर्व नगरसेवक भी रह चुकी हैं, वार्ड की जनता के बीच एक जाना-पहचाना और भरोसेमंद नाम हैं।

पूर्व नगरसेवक के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान विनया सावंत ने वार्ड की मूलभूत समस्याओं को नज़दीक से समझा है। यही अनुभव उनके आगामी विज़न की नींव है, जिसमें केवल वादे नहीं बल्कि व्यावहारिक और समयबद्ध समाधान शामिल हैं।

स्वच्छता और स्वास्थ्य को सर्वोच्च प्राथमिकता

विनया सावंत का मानना है कि स्वच्छता और स्वास्थ्य किसी भी शहर के विकास की पहली शर्त है। वार्ड में नियमित कचरा प्रबंधन, नालों की सफ़ाई, मच्छर नियंत्रण और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों को सुदृढ़ करना उनकी प्राथमिकताओं में शामिल है। सरकारी स्वास्थ्य योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुँचे, इसके लिए वे सक्रिय निगरानी व्यवस्था लागू करने के पक्ष में हैं।

आधारभूत सुविधाओं और जल प्रबंधन पर विशेष ध्यान

सड़कों की मरम्मत, फुटपाथ, स्ट्रीट लाइट, ड्रेनेज और सीवरेज जैसी आधारभूत सुविधाओं में सुधार के बिना शहरी जीवन संभव नहीं। इसके साथ ही जिला पूर्ति व्यवस्था और जल प्रबंधन को पारदर्शी और प्रभावी बनाने का उनका संकल्प है, ताकि किसी भी नागरिक को पानी या आवश्यक वस्तुओं के लिए संघर्ष न करना पड़े।

उद्यान, सार्वजनिक स्थल और यातायात व्यवस्था

तेज़ी से बढ़ती आबादी के बीच हरियाली और खुले स्थानों का संरक्षण बेहद ज़रूरी है। वार्ड में उद्यानों के विकास, बच्चों और वरिष्ठ नागरिकों के लिए सुरक्षित सार्वजनिक स्थलों के निर्माण पर उनका विशेष फोकस है।

साथ ही, यातायात और पार्किंग की समस्या से राहत देने के लिए सुनियोजित ट्रैफिक प्रबंधन और वैकल्पिक पार्किंग व्यवस्था को वे अमल में लाने का भरोसा देती हैं।

सुरक्षा, निगरानी और अपराध नियंत्रण

नागरिकों की सुरक्षा उनकी प्रमुख जिम्मेदारी मानी जाती है। सीसीटीवी आधारित निगरानी व्यवस्था, बेहतर स्ट्रीट लाइटिंग और पुलिस-प्रशासन के साथ समन्वय के ज़रिये अपराध नियंत्रण और नशा मुक्ति अभियानों को गति देने की उनकी स्पष्ट योजना है।

महिला, युवा और वरिष्ठ नागरिकों के लिए विशेष पहल

विनया सावंत का विज़न समावेशी विकास का है। महिलाओं के लिए सुरक्षित और सुविधाजनक सार्वजनिक ढांचा, युवाओं के लिए कौशल विकास व खेल सुविधाएँ, तथा वरिष्ठ नागरिकों के लिए स्वास्थ्य और सामाजिक सुविधाएँ उनकी कार्ययोजना का अहम हिस्सा हैं।

साथ ही, सार्वजनिक कल्याण योजनाओं में आ रही बिजली बिल वृद्धि जैसी समस्याओं पर वे प्रशासन के साथ प्रभावी संवाद कर समाधान निकालने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

नियोजित विकास की दिशा में कदम

प्लास्टर डेवलपमेंट, अव्यवस्थित निर्माण पर नियंत्रण और दीर्घकालीन शहरी नियोजन के ज़रिये वार्ड 39 को सुव्यवस्थित और रहने योग्य बनाने का उनका संकल्प है।

अनुभव, विश्वास और विकास–यही है विनया विष्णु सावंत का संकल्प।

पूर्व नगरसेवक के रूप में अर्जित अनुभव और शिवसेना महायुति की विकासशील सोच के साथ वे कांदिवली पूर्व के वार्ड 39 को एक सुरक्षित, स्वच्छ और सुविधासंपन्न वार्ड बनाने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध नज़र आती हैं।

'भारतीय जनता पार्टी महायुति उम्मीदवार' और 'पूर्व नगरसेवक' की पहचान स्पष्ट रूप से उभरती है

वार्ड 37 में भरोसे की राजनीति : भाजपा महायुति उम्मीदवार व पूर्व नगरसेवक प्रतिभा हेमंत शिंदे को मिल रहा जनसमर्थन

मुंबई। बृहन्मुंबई महानगरपालिका चुनाव 2026 के मद्देनज़र मलाड पूर्व के वार्ड क्रमांक 37 में राजनीतिक हलचल तेज़ हो गई है। इस वार्ड में भारतीय जनता पार्टी की महायुति उम्मीदवार एवं पूर्व नगरसेवक प्रतिभा हेमंत शिंदे को लेकर मतदाताओं के बीच उत्साहजनक माहौल देखने को मिल रहा है। प्रशासनिक अनुभव, साफ़-सुथरी छवि और जमीनी स्तर पर सक्रिय भूमिका के कारण वे एक बार फिर जनता की पहली पसंद के रूप में उभर रही हैं।

पूर्व नगरसेवक के रूप में उनके कार्यकाल को वार्ड की जनता आज भी याद करती है। नागरिक समस्याओं की समझ, अधिकारियों से समन्वय और विकास कार्यों की निरंतर निगरानी उनकी पहचान रही है। वार्ड 37 लंबे समय से पानी, सड़क, ड्रेनेज, सफ़ाई, स्वास्थ्य सुविधाओं और महिला सुरक्षा जैसे मुद्दों से जूझता रहा है। प्रतिभा शिंदे इन समस्याओं के स्थायी समाधान को

लेकर स्पष्ट रोडमैप के साथ मैदान में हैं।

प्रतिभा शिंदे का कहना है कि 'नगरसेवक केवल प्रतिनिधि नहीं, बल्कि जनता और प्रशासन के बीच सेतु होता है। विकास तभी संभव है जब योजनाएं ज़मीन पर दिखें और उनकी नियमित समीक्षा हो।' इसी सोच के तहत वे महिला स्वावलंबन, युवाओं के लिए कौशल विकास व खेल सुविधाएं, वरिष्ठ नागरिकों के लिए स्वास्थ्य सेवाएं और स्वच्छता व्यवस्था को प्राथमिकता देने का संकल्प दोहरा रही हैं।

भाजपा संगठन की मज़बूत पकड़ और महायुति सरकार के विकासोन्मुख दृष्टिकोण का लाभ सीधे वार्ड 37 तक पहुँचाना उनका प्रमुख लक्ष्य है। चुनावी प्रचार के दौरान हो रहे जनसंवाद में यह साफ़ दिखता है कि मतदाता अनुभव, कार्यक्षमता और जवाबदेही को महत्व दे रहे हैं।

महिलाएं, युवा, वरिष्ठ नागरिक, सामाजिक कार्यकर्ता और स्थानीय व्यापारी वर्ग खुलकर उनके समर्थन में सामने आ रहा है। लोगों का मानना है कि पूर्व नगरसेवक के अनुभव और महायुति के समर्थन के साथ प्रतिभा हेमंत शिंदे वार्ड 37 को विकास की नई दिशा दे सकती हैं।

कुल मिलाकर, वार्ड 37 में यह चुनाव केवल आंकड़ों का नहीं, बल्कि अनुभव, विश्वास और विकास की राजनीति का बन गया है–और इस कसौटी पर भाजपा महायुति उम्मीदवार प्रतिभा हेमंत शिंदे खुद को एक मज़बूत और भरोसेमंद विकल्प के रूप में प्रस्तुत कर रही हैं।

वार्ड 43 में 'काम बोलता है' की राजनीतिः जनता की पसंद बनते सुदर्शन फूलचंद सोनी

मुंबई। मुंबई महानगरपालिका चुनाव 2026 जैसे-जैसे नज़दीक आ रहे हैं, वार्ड क्रमांक 43 में चुनावी चर्चा किसी बड़े वादों या शोरगुल से नहीं, बल्कि ज़मीनी काम और भरोसे की राजनीति से चल रही है। कांग्रेस के अधिकृत उम्मीदवार सुदर्शन फूलचंद सोनी इस वार्ड में एक ऐसे चेहरे के रूप में उभर रहे हैं, जिनके साथ जनता का सीधा और पुराना रिश्ता जुड़ा हुआ है। वार्ड 43 में सुदर्शन सोनी को लेकर जो सबसे बड़ी बात सामने आ रही है, वह यह है कि लोग उन्हें 'चुनाव का उम्मीदवार' नहीं, बल्कि 'अपना आदमी' मानते हैं। जलापूर्ति की समस्या हो या टूटी सड़कें, नालों की सफ़ाई हो या झुग्गी-झोपड़ी क्षेत्रों की मूलभूत सुविधाएँ–सोनी ने हर मुद्दे पर सिर्फ़ बयानबाज़ी नहीं की, बल्कि लगातार प्रशासनिक स्तर पर संघर्ष किया।

स्थानीय नागरिकों के अनुसार, सुदर्शन सोनी की सबसे बड़ी ताक़त उनकी

लगातार मौजूदगी है। वे चुनावी मौसम में दिखने वाले नेता नहीं, बल्कि संकट के समय फोन उठाने और मौके पर पहुँचने वाले व्यक्ति के रूप में पहचाने जाते हैं। यही वजह है कि युवाओं से लेकर वरिष्ठ नागरिकों तक, महिलाओं और अल्पसंख्यक समुदायों में उनके प्रति भरोसा मज़बूत दिखाई दे रहा है। इस चुनाव में सुदर्शन सोनी विकास को केवल नारे के रूप में नहीं, बल्कि ठोस योजना के तौर पर रख रहे हैं। बेहतर सड़कों के साथ नियमित जलापूर्ति, स्वच्छ और सुरक्षित वार्ड, मज़बूत स्वास्थ्य सेवाएँ और युवाओं के लिए रोज़गार से जुड़ी पहल–ये उनके चुनावी एजेंडे के मुख्य बिंदु हैं।

राजनीतिक जानकारों का मानना है कि वार्ड 43 में इस बार मुक़ाबला प्रचार से ज़्यादा विश्वसनीयता पर टिका हुआ है। और इसी कसौटी पर कांग्रेस उम्मीदवार सुदर्शन फूलचंद सोनी खुद को मज़बूती से स्थापित करते नज़र आ रहे हैं।

चुनावी माहौल के बीच वार्ड 43 से उठती आवाज़ साफ़ संकेत दे रही है–इस बार जनता चेहरा नहीं, काम का ट्रैक रिकॉर्ड देख रही है। ऐसे में सुदर्शन सोनी का नाम एक भरोसेमंद विकल्प के तौर पर तेज़ी से उभर रहा है।

भिवंडी चुनाव के लिए भाजपा ने जारी किया घोषणा पत्र; आधुनिक शहर और बेहतर ट्रांसपोर्ट का रखा रोडमैप

मुंबई। महाराष्ट्र में 15 जनवरी को होने वाले नगर निकाय चुनाव से पहले सियासत तेज है। राजनीतिक पार्टियों ने अपनी-अपनी तैयारी अब और तेज कर दी है। इसी बीच भाजपा ने 15 जनवरी को होने वाले भिवंडी-निजामपुर नगर निगम चुनाव के लिए अपना घोषणापत्र जारी कर दिया है। पार्टी ने वादा किया है कि भिवंडी को एक आधुनिक, सुरक्षित, साफ और रोजगार देने वाला शहर बनाया जाएगा। भिवंडी देशभर में अपने पावरलूम उद्योग के लिए जाना जाता है।

बता दें कि गुरुवार को एक रैली के दौरान भाजपा के प्रदेश महामंत्री माधवी नाइक ने भाजपा का घोषणा पत्र जारी किया। इसका विषय 'विकसित भारत के लिए विकसित भिवंडी' रखा गया है। घोषणापत्र में कहा गया है कि शहर की सभी प्रमुख सड़कों को सीमेंट-कंक्रीट से बनाया जाएगा, ताकि गड्ढों की

समस्या खत्म हो सके।

शहर की परिवहन व्यवस्था सुधारने पर जोर

इसके साथ ही घोषणा पत्र में शहर की परिवहन व्यवस्था सुधारने की बात पर भी जोर दिया गया है। इसके लिए 200 इलेक्ट्रिक बसें जोड़ी जाएंगी। भिवंडी से ठाणे को जोड़ने वाली मेट्रो रेल लाइन नंबर 5 का काम भी तेजी से शुरू करने का वादा किया गया है। भाजपा ने शहर में क्लस्टर डेवलपमेंट और झुग्गी पुनर्विकास योजनाओं को लागू करने की बात कही है, ताकि लोगों को बेहतर घर और सुविधाएं मिल सकें।

इतना ही नहीं पावरलूम और कपड़ा उद्योग को बढ़ावा देने के लिए एक भव्य टेक्सटाइल भवन बनाने का भी एलान किया गया है। साथ ही, मोती उद्योग (पर्ल सेक्टर) में काम करने वाली महिलाओं के लिए विशेष योजनाएं लाने का वादा किया गया है। घोषणापत्र में कहा गया है कि हर घर तक पर्याप्त पानी की आपूर्ति की जाएगी।

नगर निगम के स्कूलों को हाईटेक बनाने पर जोर

इसके साथ ही, नगर निगम के स्कूलों को हाई-टेक डिजिटल स्कूल बनाया जाएगा, ताकि बच्चों को बेहतर शिक्षा मिल सके। पर्यावरण सुधार के लिए पार्टी ने शहर में एक लाख पेड़ लगाने और प्रदूषण कम करने के लिए एंटी-स्मॉग गन लगाने की भी योजना बताई है। भाजपा का कहना है कि अगर पार्टी सत्ता में आती है, तो भिवंडी को विकास और रोजगार का बड़ा केंद्र बनाया जाएगा।

साक्षात्कार : मंत्र भारत

साक्षात्कार : मुंबई को भ्रम नहीं, भविष्य चाहिए प्रोफेसर डॉ. दयानंद तिवारी से विशेष बातचीत

प्रश्न 1 :मुंबई महानगर पालिका चुनाव को आप किस रूप में देखते हैं?

उत्तर : यह चुनाव सत्ता परिवर्तन का नहीं, शासन परिवर्तन का चुनाव है। यह तय करेगा कि मुंबई विश्वस्तरीय महानगर बनेगी या फिर राजनीतिक बंधक बनी रहेगी। मुंबई अब नारों, डर और भावनात्मक ब्लैकमेल से नहीं चलेगी–अब निर्णय, विकास और परिणाम चाहिए। यह चुनाव अतीत को नहीं, भविष्य को चुनेगा।

प्रश्न 2 : कांग्रेस के वादा-पत्र पर भाजपा का मुख्य सवाल क्या है?

उत्तर : मेरा सीधा सवाल है– जब दशकों तक सत्ता और बीएमसी पर प्रभाव था, तब ये वादे क्यों पूरे नहीं हुए? 5000 प्रति परिवार, फ्री शिक्षा, फ्री स्वास्थ्य– ये घोषणाएँ नहीं, घोषणात्मक धोखाधड़ी हैं। पैसा कहाँ से आएगा? या फिर बीएमसी को कर्ज़ में डुबोकर मुंबई को दिवालिया करने की तैयारी है? मुंबईकर अब अर्थशास्त्र समझता है, वह खोखले सपनों में नहीं फँसेगा।

प्रश्न 3 : शिवसेना (उद्धव गुट) 'मुंबईकर एकजुटता' की बात कर रहा है। आप क्या कहेंगे?

उत्तर : यह एकजुटता मुंबईकर के लिए नहीं, बल्कि खोई हुई कुर्सी के लिए है। जब सत्ता हाथ में थी तब– मेट्रो रोकी गई, कोस्टल रोड पर राजनीति की गई, पुनर्विकास लटकाया गया, निवेश भगाया गया। अब वही लोग एकजुटता का पाठ पढ़ा रहे हैं।

मुंबईकर सब याद रखता है–और इस बार हिसाब भी करेगा।

प्रश्न 4 : उद्धव ठाकरे कहते हैं कि भाजपा मुंबई को महाराष्ट्र से अलग करना चाहती है।

उत्तर : यह राजनीतिक इतिहास का सबसे बड़ा झूठ है। भाजपा ने कभी, कहीं, किसी मंच से ऐसा नहीं कहा। जब विकास पर बात करने का साहस नहीं होता, जब काम दिखाने को कुछ नहीं होता, तब डर फैलाकर राजनीति की जाती है। मुंबई डर से नहीं, तथ्यों और भविष्य से वोट देगी।

प्रश्न 5 : एमएनएस और राज ठाकरे की राजनीति को आप कैसे देखते हैं?

उत्तर : भाषा उग्र है, भाषण तेज़ हैं– लेकिन शिक्षा, स्वास्थ्य, रोज़गार, इंफ्रास्ट्रक्चर पर एक भी ठोस रोडमैप नहीं। गुंडागर्दी लोकतंत्र नहीं होती। डर दिखाकर वोट लेना राजनीतिक दिवालियापन का संकेत है। मुंबई कानून, निवेश और गवर्नेंस से चलती है–डंडे से नहीं।

प्रश्न 6 : मुंबई की सड़कों की बदहाली पर आपकी टिप्पणी?

उत्तर : सड़कें बारिश से नहीं टूटतीं–

प्रोफेसर डॉ. दयानंद तिवारी
प्रवक्ता - भारतीय जनता पार्टी, मुंबई
वरिष्ठ साहित्यकार । शिक्षाविद । लेखक

भ्रष्टाचार और कमीशन से टूटती हैं। जिनके हाथ में दशकों तक बीएमसी रही, वे आज सवाल पूछ रहे हैं– यह केवल राजनीतिक विडंबना नहीं, नैतिक दिवालियापन है।

प्रश्न 7 : शिक्षा और स्वास्थ्य पर विपक्ष भाजपा को घेरता है।

उत्तर : जिनके शासन में बीएमसी स्कूल खंडहर बने, अस्पताल राजनीति के अड्डे बने– उन्हें उपदेश देने का कोई नैतिक अधिकार नहीं।

भाजपा फ्री के नारे नहीं, गुणवत्ता, प्रणाली और परिणाम में विश्वास करती है। नई शिक्षा नीति इसका जीवंत उदाहरण है।

प्रश्न 8 : उत्तर भारतीय समाज को लेकर राजनीति होती है।

उत्तर : हमारे मुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस ने स्पष्ट कहा है– जो मराठी संस्कृति का सम्मान करता है, जो गणेशोत्सव, दही हांडी, छठ, होली–सब मनाता है, वह महाराष्ट्र का अभिन्न अंग है। उत्तर भारतीय समाज ने मुंबई को मेहनत, श्रम और कौशल से बनाया है। भाजपा हर मुंबईकर को समान अधिकार और सम्मान देती है। भेदभाव की राजनीति का युग समाप्त हो चुका है।

प्रश्न 9 : शिवसेना और एमएनएस छोड़कर लोग भाजपा में क्यों आ रहे हैं?

उत्तर : क्योंकि भाजपा में भविष्य, स्पष्टता और नेतृत्व है। वहाँ भ्रम, परिवारवाद और दिशाहीनता है। कई लोग वर्षों तक उन दलों में रहकर केसों, संघर्षों और अपमान से जूझते रहे– लेकिन उन्हें कभी संरक्षण नहीं मिला। राजनीति में लोग सम्मान चाहते हैं, इस्तेमाल नहीं।

प्रश्न 10 : भाजपा में युवा, महिला और शिक्षित वर्ग की भूमिका?

उत्तर : भाजपा आज योग्यता-आधारित राजनीति कर रही है।

हम उपनाम नहीं, क्षमता देखते हैं।

इस बार–
5 डॉक्टर,
8 वकील,
2 पीएचडी,
63 स्नातक और
27 उच्च शिक्षित उम्मीदवारों को अवसर दिया गया है।

यह नई राजनीति है–पढ़ी-लिखी, प्रोफेशनल और उत्तरदायी।

प्रश्न 11 : देवेंद्र फडणवीस के नेतृत्व को आप कैसे परिभाषित करेंगे?

उत्तर : देवेंद्र फडणवीस निर्णायक, स्थिर और परिणाम देने वाले नेता हैं।

वे समस्या से भागते नहीं–समाधान देते हैं। महाराष्ट्र को उन्होंने निवेश, इंफ्रास्ट्रक्चर और प्रशासन में राष्ट्रीय ही नहीं, वैश्विक स्तर पर खड़ा किया है। मुंबई को ऐसे ही नेतृत्व की ज़रूरत है।

प्रश्न 12 : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर विपक्ष 'नाम बनाम काम' की बात करता है।

उत्तर : नरेंद्र मोदी का नाम उनके काम से ही बना है। इंफ्रास्ट्रक्चर, सुरक्षा, वैश्विक सम्मान–सब प्रमाण हैं। जो काम नहीं कर पाए, वही केवल सवाल उठाते हैं।

प्रश्न 13 : अंत में मुंबईकरों के लिए आपका संदेश?

उत्तर : यह चुनाव बिल्कुल साफ है– घोषणापत्र या गवर्नेंस, डर या विकास, भ्रम या भविष्य। मुंबई को अब मजबूत नेतृत्व, साफ नीयत और निर्णायक सरकार चाहिए– और वह केवल भारतीय जनता पार्टी-युति ही दे सकती है।

प्रश्न 14 : वर्तमान अध्यक्ष अमित साटम और प्रभारी आशीष सेलार पर आपका मत?

उत्तर : अमित साटम और आशीष शेलार– दोनों ज़मीनी नेता हैं, मुंबई की हर गली, हर समस्या से परिचित हैं। भाजपा की संस्कृति के अनुसार दोनों मुंबई को राष्ट्रीय और वैश्विक मंच पर सम्मान दिलाने के लिए संकल्पित हैं।

मुंबई का मेयर कौन होगा? मुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस ने साफ कहा है– भाजपा-युति का ही मेयर होगा, और वह हिन्दू तथा मराठी होगा। यह बयान नहीं, सांस्कृतिक और लोकतांत्रिक प्रतिबद्धता है। अंतिम टिप्पणी (रणनीतिक जोड़) मुंबई अब प्रयोग नहीं चाहती, स्थिरता चाहती है। भावनात्मक राजनीति नहीं,

विश्वस्तरीय गवर्नेंस चाहती है। इस बार वोट डर के खिलाफ, भ्रष्टाचार के खिलाफ, भ्रम के खिलाफ पड़ेगा–

और भविष्य, विकास और भारतीय जनता पार्टी-युति के पक्ष में जाएगा।

स्वास्थ्य कर्मचारियों के लिए व्यापक ट्रेनिंग को प्राथमिकता दें - जन स्वास्थ्य मंत्री प्रकाश अबितकर

मुंबई।जन स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री प्रकाश अबितकर ने निर्देश दिया है कि सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रणाली को मजबूत करने के लिए कर्मचारियों की ट्रेनिंग के लिए एक व्यापक योजना तैयार की जाए और उसे प्रभावी ढंग से लागू किया जाए।

स्वास्थ्य मंत्री अबितकर की अध्यक्षता में मंत्रालय के समिति हॉल में एक बैठक हुई। बैठक में स्वास्थ्य विभाग के प्रधान सचिव डॉ. निपुण विनायक, सचिव ई. रविंद्रन, स्वास्थ्य सेवा आयुक्त डॉ. कादंबरी बालकावडे, स्वास्थ्य सेवा निदेशक डॉ. नितिन अंबाडेकर, संयुक्त निदेशक डॉ. सुनीता गोलहाइट और डॉ. सरिता हजारे शामिल हुए। विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों ने भी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए बैठक में हिस्सा लिया।

जन स्वास्थ्य विभाग द्वारा नियुक्त सलाहकार, डॉ. सुभाष सालुंखे (महानिदेशक, स्वास्थ्य सेवाएं) और डॉ. मोहन जाधव (निदेशक, स्वास्थ्य सेवाएं) ने इस अवसर पर स्वास्थ्य कर्मचारियों की ट्रेनिंग के मुद्दे पर जोर दिया। स्वास्थ्य मंत्री अबितकर ने कहा कि राज्य में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों, उप-जिला अस्पतालों और जिला स्तरीय स्वास्थ्य संस्थानों के कर्मचारियों को प्रभावी ढंग से काम करने के लिए, उन्हें आवश्यक ट्रेनिंग पूरी करनी चाहिए। हमारे ट्रेनिंग और प्रशिक्षण संस्थान इतने प्रभावी और व्यापक होने चाहिए कि दूसरे राज्यों के कर्मचारी भी यहां ट्रेनिंग लेने की इच्छा व्यक्त करें।

Facebook: https://www.facebook.com/profile.phpid=100063787346044 **Twitter:** https://twitter.com/mantrabharatt=8tJONQ7H-h6EKqqap2tVMw&s=08 **Mobile No:** 7007837917

मंत्र भारत : R.N.I. MAHHIN/ 2016/65841 स्वात्वाधिकारी राकेश शर्मा के लिए राकेश शर्मा द्वारा AIS Printing solution प्लॉट नं0-A- 544 TTC इंडस्ट्रियल एरिया एमआईडीसी माहपे-नवी मुंबई, थाने 400709 से मुद्रित एवं शाप.नं. 36, द्वितीय तल, प्लाट -490.1. जाम मील बिल्डिंग, डॉ बाबा साहेब अम्बेकर रोड, लाल बाग परेल, मुम्बई-400012प्रकाशित एवं सम्पादित । कार्यालय : शाप.नं. 36, द्वितीय तल, प्लाट -490.1. जाम मील बिल्डिंग, डॉ बाबा साहेब अम्बेकर रोड, लाल बाग परेल, मुम्बई-400012 । फोन : 022-24706563 । कार्यकारी सम्पादक- योगेन्द्र चौधरी
E-Mail : editormantrabharat@gmail.com mantrabharatmumbai@gmail.com । सम्पादक : विनोद आर शर्मा, मोबाइल : 7007837917 । समूह सम्पादक : डॉ दयानन्द तिवारी। वैधानिक सूचना : मंत्र भारत से संबंधित समस्त विवाद निपटारे के लिए मंत्र प्रधान कार्यालय क्षेत्र प्रयागराज/ इलाहाबाद न्यायालय ही होगा। प्रधान कार्यालयः 80ए मेंहदौरी, तेलियरगंज, प्रयागराज-211004 (नोटः कानूनी पत्र व्यवहार का पता प्रधान कार्यालय ही होगा।)